IIM KASHIPUR

वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

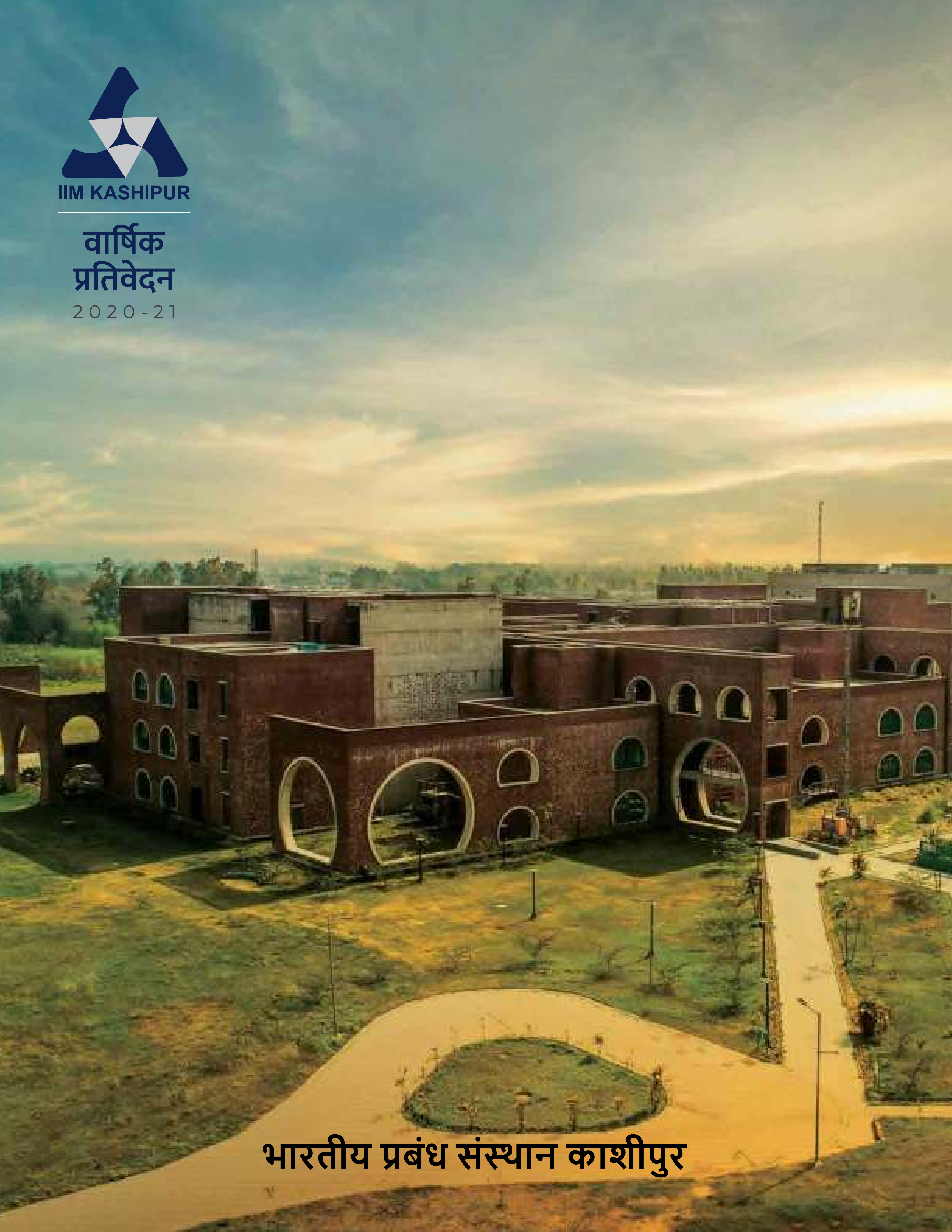

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

आईआईएम काशीपुर
वैश्विक मानकों का
पालन करने के लिए
अनवरत प्रयासरत रहने
पर गौरवान्वित है तथा
इसके पास एक सुदृढ़
नीतिगत ढांचा है जो
सभी हितधारकों की
आवश्यकताओं को
पूरा करता है।

विषय सूची

02 संस्थान के बारे में

04 निदेशक की कलम से...

10 शैक्षणिक कार्यक्रम

- 13 विद्यावाचस्पति (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी)
- 15 इग्जेक्यूटिव एमबीए
- 16 पाठ्यक्रम संरचना
- 18 मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- 24 मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनलिटिक्स)

29 अंतिम अवस्थापन प्रतिवेदन

35 ग्रीष्मकालीन अवस्थापन प्रतिवेदन

42 सेंटर ऑफ एक्सलेंस इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमन्ट (सीओईपीपीजी)

43 नवाशय - डिजाइन इनोवेशन सेंटर

46 फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड आन्ट्रप्रनर्शिप डेवलपमेंट (एफआईईडी)

50 अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

52 प्रबंधन विकास कार्यक्रम

56 संकाय एवं शिक्षाविद्

59 शोध प्रकाशन, परियोजनाएं एवं संगोष्ठी श्रृंखलाएं

63 आईसीटी संरचना

65 पुस्तकालय

70 यौन उत्पीड़न का निवारण

71 विद्यार्थी परिषद

73 समितियां

88 शैक्षणिक क्लब

103 प्रकोष्ठ

106 आईआईएम काशीपुर में कार्यक्रम

108 वर्ष के दौरान उपलब्धि

111 लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं तुलन पत्र

संस्थान के बारे में

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर भारत सरकार द्वारा वर्ष 2011 में स्थापित एक दूसरी पीढ़ी का आईआईएम है। यह अभिनव शिक्षण पद्धतियों का उपयोग कर, उच्च गुणवत्तापूर्ण शोध एवं सतत नेतृत्व के मूल्यों को प्रोत्साहित करते हुए प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की अभिलाषा रखता है।

आईआईएम काशीपुर शिक्षा एवं प्रबंधन क्षेत्र में दस वर्षों से सेवारत है। यह अपने चार मूल मूल्यों: सहशासन, पारदर्शिता, हरित चेतना, सभी हितधारकों के साथ सक्रिय मेल-जोल के प्रति प्रतिबद्ध है। संस्थान का मानना है कि एक राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में, इसकी प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी भूमिका है, जो सामाजिक परिवर्तन के प्रति सेवारत हो। हमारे रणनीतिक लक्ष्यों में शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र का सुधार; शैक्षिक सिद्धांत, अभ्यास, अनुसंधान के बीच तालमेल; नवाचार, उद्यमशीलता और सार्वजनिक सेवा को प्रोत्साहन; स्थानीय हितधारकों का सशक्तिकरण; समाज में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करनेवाले वर्गों के उत्थान; तथा लिंग विविधता शामिल हैं।

हिमालय की तलहटी में अवस्थित यह संस्थान अद्त प्राकृतिक सुंदरता से सुसज्जित है, जो अकादमिक दृढ़ता को एक अच्छा अनुभव प्रदान कर रहा है। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क से महज 25 किलोमीटर की दूरी

मिशन

यह संस्थान व्यावहारिक एवं अंतःविषयक शोध तथा प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में अभ्यास के माध्यम से ज्ञान का सृजन तथा उसे प्रसारित करने का प्रयास करता है। संस्थान महत्वपूर्ण सोच, नवाचार एवं उद्यमशीलता में सक्षम होने के साथ ही क्षेत्रीय विकास और अंतर्राष्ट्रीयकरण दोनों पर समावेशी एवं ध्यान केंद्रित करनेवाले सामाजिक रूप से सजग, सक्षम और नैतिक व्यावसायिक मार्गदर्शकों और शोधकर्ताओं को विकसित करता है।

विज़न

एक ऐसा श्रेष्ठ संस्थान बनना, जो प्रबंध शोध एवं शिक्षा को प्रोत्साहित करे और बदलती हुई दुनिया में सकारात्मक सामाजिक प्रभाव डालने के लिए मार्गदर्शकों को विकसित करे।

पर 200 एकड़ में फैला यह कैम्पस हिमालय की गोद में बसे शांत शहर काशीपुर को जीवंत, जोरदार एवं उत्साह से भरा बनाता है। यह संस्थान 180 से अधिक उपक्रमों के साथ सघनतम औद्योगिक जिलों में से एक में है। इन उपक्रमों ने इस क्षेत्र में और उसके आसपास अपने संयंत्र स्थापित किए हैं। यह बेहतरीन भौगोलिक स्थिति आईआईएम काशीपुर के लिए तब काफी सुविधाजनक हो जाती है, जब उद्योगों के साथ नियमित इंटरैक्शन एवं लाइव प्रोजेक्ट्स करने की बात आती है।

मूल मूल्य

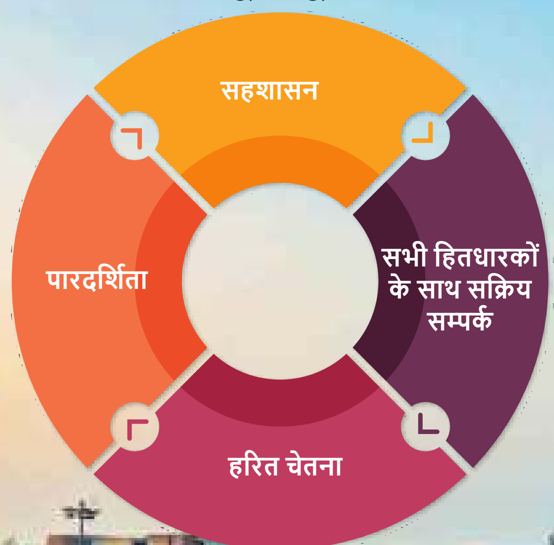

संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करता है।

- विद्यावाचस्पति [डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी)]
- इग्जेक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ईएमबीए)
- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)
- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनलिटिक्स (एमबीए एनलिटिक्स)

निदेशक की कलम से...

आईआईएम काशीपुर ने अपनी स्थापना के दूसरे दशक में प्रवेश करने के साथ ही अपने राष्ट्र एवं समाज सेवा के कार्यों को बड़े पैमाने पर करना जारी रखा है। अब यह भारत में प्रबंधन शिक्षा के शीर्ष गंतव्यों में से एक के रूप में स्वयं को सुदृढ़ बना रहा है। यह निरंतर अध्ययन, प्रदर्शन-केंद्रित मूल्यों और अभिनव शिक्षण विधियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने दृष्टिकोण को व्यापक रूप प्रदान कर रहा है। आईआईएम काशीपुर ने तकनीक-संचालित प्रबंधकों को तैयार करने की अपनी तलाश में उद्योग जगत में समकालीन अभ्यासों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए स्वयं को निरंतर विकसित किया है।

पूरी दुनिया के बिजनेस स्कूल कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न नई वास्तविकताओं से जूझ रहे हैं और आईआईएम काशीपुर भी इससे अछूता नहीं है। मुझे यह कहना होगा कि वर्ष 2020-21 कोविड-19 के कारण विशिष्ट रूप से चुनौतीपूर्ण था। ऑनलाइन शिक्षण एवं सीखने को अपनाने के साथ ही एमबीए, इग्जेक्यूटिव एमबीए एवं पीएचडी कार्यक्रमों में नए पाठ्यक्रम को लागू करने तथा महामारी के वर्ष में एमबीए (एनैलिटिक्स) के उद्घाटन बैच को शुरू करने से अतिरिक्त चुनौतियां पैदा हुईं। महामारी ने विशेष रूप से विद्यार्थियों की गतिविधियों को प्रभावित किया। इन सबसे बड़ी चुनौती हमारे बीच सेतु/सामाजिक पूंजी का सृजन करना था, जो विद्यार्थियों के बीच तथा विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के सदस्यों के बीच हो।

महामारी ने विशेष रूप से कार्यकारी शिक्षा तथा अंतर्राष्ट्रीय विनिमय प्रयासों को प्रभावित किया है। लेकिन इस स्थिति ने संकाय सदस्यों तथा पीएचडी विद्वानों के लिए अपने शोध प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक बड़ी जगह बनाई है, जिससे अच्छी संख्या में शोध प्रकाशन हुए। इसने नए अवसरों की तलाश करने के लिए इग्जेक्यूटिव शिक्षा रणनीतियों को पुन: संरचित करने का अवसर भी दिया है, जिसके तहत ऑनलाइन एक वर्षीय स्नातकोत्तर/इग्जेक्यूटिव प्रमाणपत्र कार्यक्रमों की पेशकश तथा दो वर्षीय ऑनलाइन इग्जेक्यूटिव एमबीए (एनैलिटिक्स) पर कार्य शामिल है।

यह अत्यंत गर्व का विषय है कि मैं वर्ष 2020-2021 के दौरान अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर एक टिप्पणी प्रस्तुत कर रहा हूँ।

पिछले वर्ष हमने पहले एमबीए कार्यक्रम की समीक्षा पूरी की थी। इसी तरह, हमने 2020-2021 में पहली बार पीएचडी प्रोग्राम एवं इग्जेक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम की समीक्षा की। वर्ष 2015 में अपनी स्थापना के बाद से पीएचडी कार्यक्रम की समीक्षा प्रक्रिया प्रथम थी। समीक्षा समिति में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविद तथा आई आई एम ए, आई आई एम बी, आई आई एम सी, रटगर्स बिजनेस स्कूल तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के डोमेन विशेषज्ञ शामिल थे। यह समीक्षा मौजूदा पीएचडी कार्यक्रम की संरचना तथा सामग्री को वर्तमान शैक्षणिक रुझानों के साथ संरेखित करने के लिए अद्यतन करने और भविष्य के शिक्षाविदों को वर्तमान अत्याधुनिक शोध प्रवृत्तियों के साथ समायोजित करके कार्यक्रम में बदलाव का सुझाव देने एवं उन्हें भविष्य की प्रबंधन शिक्षण भूमिकाओं के लिए तैयार करने तथा कार्यक्रम के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए सिफारिशों को करने के लिए आयोजित की गई थी। इस समीक्षा में उच्च गुणवत्ता वाली छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए पीएचडी कार्यक्रम को एमबीए कार्यक्रम से अलग करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

हम यहां नये पीएचडी कार्यक्रम संरचना की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत कर रहे हैं। एमबीए स्तर के पाठ्यक्रमों को काफी हद तक कम कर दिया गया है (अधिकतम चार पाठ्यक्रम) तथा अगले दो से तीन वर्षों में पीएचडी कार्यक्रम को एक स्वतंत्र कार्यक्रम बनाने के लिए इन पाठ्यक्रमों को और कम कर दिया जाएगा।

दूसरे, पीएचडी कार्यक्रम में भर्ती होने वाले आवेदकों को डोमेन की कुछ बुनियादी समझ होनी चाहिए क्योंकि यह उन्हें जल्द से जल्द तैयार करने में मदद करता है। सीमित डोमेन ज्ञान वाले लेकिन शोध योग्यता वाले उम्मीदवारों का भी चयन किया जा सकता है और उन्हें कुछ ऑडिट पाठ्यक्रमों अध्ययन हेतु प्रोत्साहित किया जा सकता है। शोध क्षमता तथा योग्यता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए, नई पाठ्यक्रम संरचना में प्रबंधन शोध की नींव, विभिन्न तरीकों की समझ तथा उपयोग, विषय संबंधित मूल और वैकल्पिक पाठ्यक्रम, संबद्ध क्षेत्रों के पाठ्यक्रम (बहुविषयक अनुसंधान को प्रेरित करने के लिए), अकादमिक लेखन, शिक्षण प्रशिक्षण मॉड्यूल और कार्यशालाएं सम्मिलित हैं। प्रत्येक पीएचडी अध्येता बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए संबद्ध क्षेत्र से कम से कम दो पाठ्यक्रम लेंगे। पीएचडी अध्येताओं को अपनी शोध क्षमता को बढ़ाने के लिए भारत तथा विदेशों में प्रतिष्ठित संस्थानों में ग्रीष्मकालीन स्कूलों एवं कार्यप्रणाली पर कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पाठ्यक्रम डिजाइनिंग, योजना (पाठ्यक्रम सामग्री, मूल्यांकन, संरचना), तथा क्लास डिलीवरी, कक्षा गतिविधियों की डिजाइनिंग जैसी शिक्षण प्रक्रिया में पीएचडी अध्येताओं को प्रस्तुत करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण पर एक मॉड्यूल जोड़ा गया है।

वर्ष 2019-2020 में की गई एमबीए कार्यक्रम की समीक्षा की तर्ज पर, हमने अपने ईग्जेक्यूटिव एमबीए (ईएमबीए) कार्यक्रम की व्यापक पाठ्यक्रम समीक्षा भी की है। यह भी 2015 में अपनी स्थापना के बाद से पहली कार्यक्रम समीक्षा थी। संशोधित मॉडल पाठ्यक्रम इग्जेक्यूटिव एमबीए के छह लोकप्रिय शिक्षण परिणामों: व्यवसाय पर्यावरण एवं क्षेत्र ज्ञान, महत्वपूर्ण सोच, समस्या समाधान, तथा अभिनव समाधान, कार्यकारी उपस्थिति तथा संप्रेषण, उद्यमी भावना, डिजिटल निपुणता और नेतृत्व पर केंद्रित है। नया ईएमबीए कार्यक्रम पाठ्यक्रम प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में सीखने तथा अभ्यासों को बढ़ावा देने के लिए आईआईएम काशीपुर की कई रणनीतिक योजनाओं का भी सहयोग करता है, उदाहरण के लिए, व्यापार विश्लेषण तथा अनुभवात्मक शिक्षा।

यहां हम नए इग्जेक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम के संरचना की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत करते हैं। नामकरण की अधिक स्वीकृति तथा परिचितता को ध्यान में रखते हुए मौजूदा पाठ्यक्रम का नाम एमबीए (डब्ल्यूएक्स) से बदलकर "इग्जेक्यूटिव एमबीए" (इग्जेक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिस्ट्रेशन) कर दिया गया है। अनुभव आधारित शिक्षण को 'मैनेजमेंट अप्लिकेशन प्रोजेक्ट' के रूप में पेश किया गया है। नई शिक्षा नीति 2020, जिसने विद्यार्थियों के लिए लचीले निकास को प्रोत्साहित किया है, को ध्यान में रखते हुए यह प्रस्तावित है कि इग्जेक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम में भाग लेने वालों को कोर कोर्स (टर्म I से V) पूरा करने के बाद प्रोग्राम को छोड़ने के लिए "इग्जेक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन जनरल मैनेजमेंट" के साथ एक निकास विकल्प दिया जा सकता है। इन प्रतिभागियों के पास टर्म VI से टर्म VIII में शेष निर्धारित पाठ्यक्रमों को पूरा करने तथा कार्यकारी एमबीए की डिग्री प्राप्त करने के लिए बाहर निकलने के बाद तीन साल के भीतर पुनः शामिल होने का विकल्प होगा। कार्यकारी अधिकारियों की अनिवार्यता को देखते हुए, किसी भी पाठ्यक्रम के 20% सत्र ऑनलाइन किए जा सकते हैं।

वर्ष 2020-21 में, हमने फॉरेन लैंग्वेज ट्रेनिंग प्रोग्राम (एफएलटीपी) शुरू किया। यह कार्यक्रम एमबीए कार्यालय द्वारा प्रशासित किया जा रहा है और यह विभिन्न कार्यक्रमों के विद्यार्थियों के साथ-साथ संकाय सदस्यों के लिए खुला है। संस्थान से एक भाषा (फाउंडेशन) पाठ्यक्रम को आंशिक निधि देता है।

वर्ष 2020-21 में, हमारे संकाय सहयोगियों तथा पीएचडी अध्येताओं ने सम-समीक्षित पत्रिकाओं में 55 शोधपत्र प्रकाशित किए हैं, जिनमें श्रेणी ए * एवं ए से 25 तथा श्रेणी बी से 18 शामिल हैं। पिछले वर्ष की तुलना में, प्रकाशित शोधपत्रों की संख्या में 30% की वृद्धि हुई है, लेकिन प्रकाशित शोधपत्रों की गुणवत्ता में भी काफी सुधार हुआ है। संस्थान ने वर्ष 2020 की शुरुआत में फैकल्टी वर्क नॉर्म्स, करियर डेवलपमेंट तथा प्रोबेशन कन्फर्मेशन नीतियों में निष्पक्षता लाने के लिए शोध पर स्पष्ट रूप से ध्यान देने के उपाय किए हैं। नए संकाय सदस्यों की भर्ती करते समय भी शोध एक प्रमुख मानदंड था। इसके अलावा, 2019 (और उसके बाद) में संस्थान में शामिल हुए पीएचडी विद्यार्थियों को एक शोध लक्ष्य दिया जाता है जो पीएचडी डिग्री के पुरस्कार का आधार बनता है।

पहला शोधपत्र फाइनेंशियल टाइम्स टॉप -50 जर्नल्स लिस्ट में प्रकाशित हुआ था। प्रो. प्रीति नरवाल ने मार्च 2021 में जर्नल ऑफ बिजनेस एथिक्स में "ऐसेसिंग कस्टमर्स' मोरल डिसएंगेजमेंट फ्रॉम रेसिप्रोसिटी कंसर्न्स इन पार्टिसिपेटिव प्राइसिंग" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रकाशित किया है। हमने वर्ष 2020-21 में कुछ अन्य प्रमुख पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित किए हैं। इनमें एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, एनल्स ऑफ टूरिज्म रिसर्च, ऑस्ट्रेलेशियन मार्केटिंग जर्नल, करंट इश्यूज इनटूरिज्म, फाइनेंस रिसर्च लेटर्स, जेंडर, वर्क एंड ऑर्गनाइजेशन, आई ई ई ई ट्रांजेक्शन ऑन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड पीपल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिटेल एंड डिस्ट्रिब्यूशन मैनेजमेंट, इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनैंस, जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, जर्नल ऑफ डेस्टिनेशन मार्केटिंग एंड मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ एंटरप्राइज़ इन्फर्मेशन मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ फोरकॅस्टिंग, जर्नल ऑफ हॉस्पिटालिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ परचेसिंग एंड सप्लाइ मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ रीटेलिंग एंड कन्ज़्यूमर सर्विसेज़, जर्नल ऑफ स्ट्रॅटेजिक मार्केटिंग, पर्सनेल रिव्यू, साइंटोमेट्रिक्स, स्माल बिजनेस एकनॉमिक्स, इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, ट्रॅन्स्पोर्टेशन रिसर्च पार्ट डी: ट्रांसपोर्ट एंड एन्वाइरन्मेंट शामिल है।

अपने शोध प्रयासों को संक्षेपित करते हुए, मैं कह सकता हूं कि शोध एक ऐसा क्षेत्र है जहां हमने प्रत्यक्ष परिवर्तन किए हैं। जहां (अत्यधिक आवश्यक) वर्ष 2020-21 में अच्छी शोध क्षमता रखने वाले 16 संकाय सदस्यों को जोड़ने से फर्क पड़ा है, हमारे मौजूदा संकाय सहयोगियों ने भी इस शोध प्रयास में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

संस्थान के उत्कृष्टता केंद्र संस्थान के शैक्षणिक प्रयासों के साथ-साथ संसथान की विस्तारपूर्ण गतिविधियों में योगदान करते हैं। महामारी से उत्पन्न कठिनाइयों के बावजूद, फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) ने उत्तराखंड के उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को विशेष रूप से और भारत में बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखा। यहां हम वर्ष 2020-21 में एफआईईडी की कुछ प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हैं। प्रारंभ में, एफआईईडी को स्टार्ट-अप उत्तराखंड के लिए नोडल एजेंसियों में से एक के रूप में मान्यता मिली है, जिसके तहत स्टार्ट-अप उत्तराखंड योजना के तहत पंजीकृत स्टार्ट-अप्स को अब एफआईईडी द्वारा वित्त पोषण के लिए चयनित, प्रशिक्षित, परामर्श और अनुशंसित किया गया है। एफआईईडी ने रोहिलखंड मैनेजमेंट एसोसिएशन (आरएमए) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं, ताकि आरएमए के सदस्यों को उद्यमशीलता के लिए सशक्त बनाने हेतु अनुकूल उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें।

वर्ष 2020-2021 में, एफआईईडी ने उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा समर्थित दृष्टि कार्यक्रम के तहत, एफआईईडी ने अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने वाले 90 उद्यमियों को प्रशिक्षित किया और सलाह दी। सक्षम कार्यक्रम के तहत, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (आरकेवीवाई-रफ़्तार योजना) द्वारा समर्थित, एफआईईडी ने लगभग 50 कृषि उद्यमियों का दो महीने का व्यापक प्रशिक्षण लिया। उत्तराखंड सरकार द्वारा समर्थित उदय कार्यक्रम के तहत, एफआईईडी ने उत्तराखंड के किसानों के लिए एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। दिसंबर 2020 - जनवरी 2021 के दौरान चार सप्ताह के लंबे प्रशिक्षण के लिए उत्तराखंड के 12 जिलों से कुल 280 प्रतिभागी आए।एफआईईडी ने स्टार्टअप उत्तराखंड के साथ साझेदारी में महिला उद्यमिता पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया। महिला दिवस (8 मार्च 2021) पर आयोजित कार्यक्रम में कुल 150 महिलाओं ने भाग लिया।

वर्ष 2020-21 में एफआईईडी में कुल 74 स्टार्ट-अप्स को इनक्यूबेट किया गया था। इन कठिन समय में उद्यमों की मापनीयता एवं संस्थापकों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए इन स्टार्ट-अप को निरंतर आधार पर सलाह दी जा रही है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 15 स्टार्ट-अप को 25 लाख रुपये तक के वित्त पोषण के लिए चुना गया; एफआईईडी को इस उद्देश्य के लिए कुल 1.23 करोड़ रुपये का वित्त पोषण प्राप्त हुआ। वर्ष 2020-2021 में, डीएसटी समूह के तहत हमारे दो स्टार्ट-अप को एचडीएफसी बैंक सीएसआर पहल के तहत वित्त पोषित किया गया था और उन दो स्टार्ट-अप्स में से एक - लामामिया है, जो कि आईआईएम काशीपुर का एल्यूमनस है। एचडीएफसी बैंक ने इस उद्देश्य के लिए एफआईईडी को 55 लाख रुपये का योगदान देने पर सहमति व्यक्त की। एफआईईडी द्वारा आयोजित वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन (उत्तीष्ठा) ने पिछले साल नई ऊंचाइयों को स्पर्श किया है। हमने दुनिया भर के 45+ वक्ताओं और निवेशकों को एक साथ आते हुए देखा, जो मौजूद युवा मस्तिष्क को प्रबुद्ध, समृद्ध और उनका मूल्यांकन करते हैं।

2019 में किए गए संतोषजनक कार्य प्रदर्शन को देखने के बाद डिजाइन इनोवेशन सेंटर ने 2020-2021 में शिक्षा मंत्रालय से रु. 32.60 लाख की राशि की दूसरी निधि प्राप्त किया। इस सेंटर ने बुनियादी ढांचे का निर्माण करके केंद्र की गतिविधियों का विस्तार करने के लिए निधियों का उपयोग तथा ऑनलाइन कार्यशालाओं और पाठ्यक्रमों का संचालन करने की योजना बनाई है। इस सेंटर ने इन निधियों का उपयोग एमबीए कक्षाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन के लिए उपयोग की जाने वाली एक और डिजाइन थिंकिंग लैब विकसित करने की योजना बनाई है।

लोक नीति एवं सरकार में उत्कृष्टता केंद्र ने उत्तराखंड का आर्थिक सर्वेक्षण (2020-21) तैयार करने में उत्तराखंड सरकार की सहायता की, जिसे राज्य विधानसभा में पेश किया गया। यूजीसी ने सार्वजनिक नीति तथा शासन में पीएचडी विद्वानों को प्रवेश देने के लिए इस केंद्र को मंजूरी दे दी है। इन अध्येताओं को यूजीसी डॉक्टरेट फेलोशिप (जेआरएफ/एसआरएफ) प्राप्त होगी। केंद्र को 2020 से भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो प्राप्त करने की भी अनुमति दी गई है।

वित्तीय वर्ष 2019-2020 के अंत में, लगभग 10 प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) कोविड-19 के प्रकोप के कारण रद्द कर दिए गए थे। हमारे एमडीपी पर महामारी का प्रभाव वर्ष 2020-21 में अधिक गंभीर था। इस महामारी ने हमें मौजूदा ग्राहकों और नए लोगों के लिए नए अवसरों की तलाश करने के लिए अपनी कार्यकारी शिक्षा रणनीतियों को फिर से संरचना करने के लिए मजबूर किया। वर्ष 2020-2021 में, हमने विशेष रूप से ऑनलाइन इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम (ईडीपी) पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें हमारे प्रौद्योगिकी भागीदारों के साथ एक वर्षीय स्नातकोत्तर / कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम शामिल हैं। इसका परिणाम 'रणनीति एवं नेतृत्व' तथा 'सामान्य प्रबंधन' में एक अन्य कार्यक्रम में पहली बार एक वर्षीय प्रमाणपत्र कार्यक्रम का शुभारंभ था।

हमने वर्ष 2020-2021 में कई परामर्श प्रस्तावों में भाग लेने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास किया। हमने "एमपीईडीए (समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) 2016-2020 की केंद्रीय क्षेत्र योजना के मूल्यांकन पर समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण की केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लाभों पर प्रकाश डाला गया तथा उन क्षेत्रों की पहचान की जहां भारत से समुद्री उत्पादों के निर्यात के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाओं में और सुधार किया जा सकता है। भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के बीच 'स्कीम फॉर रिजेनेरेशन ऑफ ट्रेडिशनल इंडस्ट्रीज (एसएफयूआरटीआई)', सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत एक परियोजना का अध्ययन करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। हमने कॉमन बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट फैसिलिटीज, कॉमन सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट फैसिलिटी तथा हैजार्डस वेस्ट मैनेजमेंट फैसिलिटी की थर्ड पार्टी ऑडिट के संबंध में उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को; भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को इसके प्रदर्शन की समीक्षा के लिए; तथा किसान सहकारी चीनी मिल संघ लिमिटेड को इसकी वित्तीय व्यवहार्यता रिपोर्ट तथा प्रस्ताव के लिए अनुरोध बनाने / तैयार करने के लिए परामर्श प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं।

हमारा देहरादून कैम्पस संस्थान में विभिन्न हितधारकों, विशेष रूप से देहरादून एवं उसके आसपास के लोगों के साथ कार्यकारी शिक्षा एवं परामर्श में अवसरों की तलाश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इनमें उत्तराखंड सरकार के विभिन्न विभाग जैसे मुख्य सचिव का कार्यालय, उच्च शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, कृषि, पर्यटन एवं शहरी विभाग, प्रवासन आयोग, राज्य सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयाँ, स्टेट इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन उत्तराखंड, स्वायत्त निकाय और उद्योग संघ शामिल हैं। देहरादून कैंपस ने विभिन्न केंद्रीय स्वायत्त निकायों तथा संगठनों जैसे आईसीएफआरई, डीआरडीओ तथा टीएचडीसी जैसे संगठनों के साथ अच्छे संस्थागत संबंध स्थापित किए हैं।

पूरी दुनिया में कोविड-19 के प्रसार को ध्यान में रखते हुए, जानेवाले विद्यार्थियों के लिए 2020–2021 के लिए विद्यार्थी विनिमय प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया था। महामारी वर्ष में कई संभावित अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ चल रहे संप्रेषण बाधित हो गए थे। हालाँकि, भागीदारों की सूची में एक मूल्यवान योग 2020-21 में भी बनाया गया था। यूनिवर्सिडैड ऑटोनोमा डी मैड्रिड स्पेन आईआईएम काशीपुर का सबसे नया भागीदार बना है।

हमारे विद्यार्थीगण कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं या समकक्ष संस्थानों द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर नहीं चूकते, चाहे वह बड़ा हो या छोटा। हमारे छात्रों के निष्ठापूर्ण प्रयासों का इनाम बहुत अच्छा है, क्योंकि आईआईएम काशीपुर ने डेयर 2 कम्पिट कॉम्पिटिटिव बी-स्कूल्स 2021 में चौथा स्थान हासिल करके एक नया मुकाम हासिल किया है। आईआईएम काशीपुर शीर्ष -10 विजेताओं में शामिल होने वाला एकमात्र दूसरी पीढ़ी का आईआईएम है। डी2सी पुरस्कारों की रैंकिंग भाग लेने वाले संस्थानों और विद्यार्थियों की संख्या तथा आयोजक कॉलेज या कंपनियों के स्तर पर निर्भर करती है।

वर्ष 2020-21 में, हमारे विद्यार्थियों ने कॉर्पोरेट तथा बी-स्कूल प्रतियोगिताओं में 17 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीते, जिसके बाद इन प्रतियोगिताओं में 17 उपविजेता रहे। कॉर्पोरेट एवं प्रतिष्ठित बी-स्कूल प्रतियोगिताओं में 94 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फाइनलिस्ट के बाद नौ द्वितीय उप-विजेता रहे। हमारे विद्यार्थियों ने लोरियल सस्टेनेबिलिटी चैलेंज, शाओमी एमआई समिट 2.0, वर्चुसा बिजनेस सिफर चैलेंज, कारईजी स्पार्क, टीवीएस क्रेडिट ऐनलिटिक्स चैलेंज तथा कई अन्य प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में स्थान हासिल किया।

हमारे विद्यार्थियों की इस तरह की उपलब्धियों को नियोक्ताओं से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। वर्ष 2020–2021 में, 127 रिक्रूटर्स ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया, जिसमें बीएफएसएल, कंसल्टिंग, स्ट्रैटेजी, सेल्स एंड मार्केटिंग, ऑपरेशंस, एचआर, आईटी तथा ऐनलिटिक्स सहित विभिन्न डोमेन में स्नातक बैच को 253 भूमिकाएँ प्रदान की गईं। औसत सीटीसी रु. 14.05 लाख प्रति वर्ष (एलपीए) था। स्नातक बैच के शीर्ष 10% एवं शीर्ष 30% का औसत सीटीसी क्रमशः रु. 26.05 एलपीए और रु. 20.72 एलपीए था। स्नातक करने वाले बैच को फ्लिपकार्ट, लोरियल, फरेय, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील बीएसएल, विवृति कैपिटल, ऑफबिजनेस, एमएक्यू सॉफ्टवेयर, माई होम ग्रुप, यस बैंक और डेलॉइट से प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) प्राप्त हुए।

वर्ष 2020-2021 में, हमने दक्षिण भारत में पूर्व विद्यार्थियों की बैठक की योजना बनाई थी, हालाँकि, महामारी के कारण हम ऐसा नहीं कर सके। मौजूदा विद्यार्थियों के साथ वार्तालाप के लिए कैम्पस टू कैम्पस पूर्व विद्यार्थियों को आमंत्रित की नियमित प्रक्रिया को बंद कर दिया गया है। किसी भी मामले में, हमने पूर्व विद्यार्थियों के साथ बातचीत करने के लिए

पूर्व विद्यार्थी पोर्टल (https://iimkashippur.almaconnect.com/) का सबसे अच्छा उपयोग किया है। यह सभी पूर्व विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से जुड़ने में मदद करता है। 2015+ एमबीए तथा इग्जेक्यूटिव एमबीए बैचों के लिए वर्चुअल रीयूनियन मीट का आयोजन किया गया, जो संस्थान निर्माण तथा उनके मातृ संस्थान के लिए एवं पूर्व विद्यार्थियों की अपेक्षाओं को समझने पर गहन चर्चा में परिवर्तित हो गया था। पूर्व विद्यार्थियों को संस्थान के विकास की निरंतर जानकारी देने के लिए, सारथी (न्यूजलेटर) के तीन संस्करण जारी किए गए।

कोविड-19 महामारी के कारण हमारे सभी दीर्घकालिक कार्यक्रमों के लिए वर्ष 2020-21 विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण था। हमारे कार्यक्रम कार्यालयों ने आईटी विभाग, प्रोजेक्ट टीम तथा एस्टेट टीम के साथ काम करके उपलब्ध संसाधनों का जल्द उपयोग करके और कम समय में वर्चुअल कक्षाओं की सुविधा के लिए 14 स्टूडियो बनाकर अग्रणी भूमिका निभाई। हमने ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म के साथ-साथ एआई-सक्षम परीक्षा प्लेटफॉर्म का उपयोग किया। बिजली कटौती या कनेक्टिविटी समस्याओं का सामना करने वाले विद्यार्थियों के लिए, परेशानी मुक्त शैक्षणिक प्रगति सुनिश्चित करने के लिए क्लाउड पर कक्षा रिकॉर्डिंग प्रदान की गई। एक आपातकालीन प्रतिक्रिया के रूप में, हमारी पुस्तकालय टीम ने पुस्तकालय के संसाधनों को लगभग 75% तक डिजिटल कर दिया।

संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों की चिंता को कम करने तथा व्यक्तिगत संवाद की कमी के मुद्दे को हल करने के लिए नियमित रूप से वर्चुअल कार्यालय समय का आयोजन किया। विद्यार्थियों के स्क्रीन समय को सीमित करने तथा उन्हें अध्ययन-समूह की बातचीत के लिए अधिक समय प्रदान करने एवं बी-स्कूल प्रतियोगिताओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए एक दिन में ऑनलाइन सत्रों की संख्या को सीमित करने के लिए एक जागरूक निर्णय लिया गया।

हमारी स्टूडेंट्स अफेयर्स टीम ने कोविड-19 स्थिति के तहत विभिन्न विद्यार्थी मुद्दों के बारे में बैच मीटिंग आयोजित करके विद्यार्थियों के साथ निरंतर संपर्क सुनिश्चित किया तथा विद्यार्थियों को भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए उनके साथ नियमित संवाद बनाए रखा। मनोवैज्ञानिक सहायता के लिए 'योरदोस्त' टीम की प्रोफेशनल मदद इस कठिन समय में सभी विद्यार्थियों के लिए बहुत मददगार रही है और यह जारी रहेगी।

महामारी वर्ष के दौरान, स्टूडेंट्स अफेयर्स टीम तथा एस्टेट टीम ने कैंपस समुदाय को सुरक्षित रखने के लिए सभी प्रयास किए। हमने कोविड आपातकाल से निपटने के लिए अपने वेलनेस सेंटर को नया रूप दिया है। हमने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के लिए ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर्स, पल्स ऑक्सीमीटर, बीआई-पीएपी मशीन, मल्टी पैरा मॉनिटर, चैनल ईसीजी मशीन और एक ऑक्सीजन सिलेंडर का अधिग्रहण किया। हमारी एस्टेट टीम ने सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट के सहयोग से कैंपस में नियमित रूप से आरटी-पीसीआर परीक्षण आयोजित किए। महामारी के दौरान अपने समुदाय को सुरक्षित रखने में हमारी मदद करने के लिए हम स्थानीय सरकार का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। एस्टेट टीम ने खाली समय में वृक्षारोपण, सौंदर्यीकरण, भूनिर्माण तथा संस्थान की स्थिर परिसंपत्तियों के जैसी विभिन्न गतिविधियों को शुरू करने के लिए सबसे अच्छा समय दिया।

अंत में, मैं वर्ष 2020-21 के दौरान वित्तीय गतिविधियों पर एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करना चाहूंगा। यहां मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि भारत सरकार ने संस्थान को 2019-2020 से पूंजी या राजस्व अनुदान देना बंद कर दिया है। वर्ष 2020-21 के दौरान, संस्थान ने 19.80 करोड़ रुपये का सकल अधिशेष उत्पन्न किया है जो कि 2019-20 में 14.33 करोड़ रुपये के अधिशेष से 5.47 करोड़ रुपये अधिक है। इस वर्ष एमबीए (ऐनलिटिक्स) कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ-साथ संस्थान की परिचालन लागत में कटौती के कड़े उपायों के कारण अधिक अधिशेष संभव हुआ है। संस्थान को इस वर्ष महामारी के कारण प्रबंधन/कार्यकारी विकास कार्यक्रमों से आय अर्जित करने में भारी कटौती का सामना करना पड़ा है तथा संस्थान ने छात्रावासों का उपयोग न करने के लिए एमबीए विद्यार्थियों के प्रति सब्सिडी के लिए एक बड़ा खर्च भी किया है। लेकिन प्रशासनिक लागत में कटौती और बेहतर व्यय नियंत्रण के माध्यम से, हम इस वर्ष बेहतर वित्तीय परिणाम प्राप्त कर सके।

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान ने 2019-2020 के 53.23 करोड़ रुपये की तुलना में 62.51 करोड़ रुपये की सकल आय अर्जित की है। इसमें से संस्थान की गतिविधियों (आईआरजी) के माध्यम से 50.27 करोड़ रुपये का राजस्व सृजन हुआ था, जबकि 2019-2020 में यह 40.54 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए संस्थान का सकल राजस्व व्यय 42.71 करोड़ रुपये है, जबकि 2019-20 में यह 38.90 करोड़ रुपये था। राजस्व व्यय के अलावा, संस्थान ने चल रहे कैम्पस के निर्माण और संस्थान की बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिए 2020-2021 में 10.21 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय भी किया है। कुल मिलाकर, संस्थान की कॉर्पस फंड की स्थिति अब 31.03.2021 तक 147.04 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई है, जो कि पिछले वर्ष136.99 करोड़ रुपये के स्तर पर थी।

समग्र रूप से, यह वर्ष संस्थान के लिए एक कठिन यात्रा रहा। हालांकि, विपरीत परिस्थितियों में, हम अधिक लचीले और केंद्रित हो गए हैं। वार्षिक प्रतिवेदन संस्थान की प्रगति को सही दिशा में दर्शाती है। मैं संस्थान के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को उनके निष्ठापूर्ण प्रयासों एवं गतिशीलता के लिए हृदय से आभार प्रकट करना चाहता हूँ। मैं विशेष रूप से आईआईएम काशीपुर के शासक मंडल, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा उत्तराखंड सरकार को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं विद्यार्थियों के माता-पिता एवं उनके परिवारों को उनके पूरे दिल से सहयोग और विश्वास के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं सभी हितधारकों एवं शुभचिंतकों को उनके विश्वास एवं भरोसे के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं तथा इसे वैश्विक स्तर पर स्वीकृत प्रबंधन संस्थान बनाने में सहयोग करने की आशा करता हूँ।

कुलभूषण बलूनी
प्रोफेसर एवं निदेशक

शैक्षणिक कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर शोध एवं समालोचनात्मक विचार पर विशेष बल देता है। प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम एक पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है जिसे शोध, शिक्षण एवं अकादमिक करियर के लिए प्रोफेशनल्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। यह कार्यक्रम बुद्धिजीवियों को प्रोत्साहित करता है और उच्च गुणवत्तापूर्ण शोध करने के लिए उनके कौशल को बढ़ाता है।

डॉक्टरेट कार्यक्रम का नवीनतम स्वरूप इसे वर्तमान वैश्विक शैक्षणिक प्रवृत्तियों के अनुरूप बनाता है। कार्यक्रम अत्याधुनिक अंतःविषयक शोध प्रवृत्तियों तथा भविष्य के शिक्षण और प्रबंधन भूमिकाओं को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण पर जोर देता है। इसे सिद्धांतों, अवधारणाओं एवं शोध पद्धति के तीन बुनियादी सिद्धांतों के आधार पर प्राप्त किया जाता है। यह कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं लेखन कौशल विकसित करते हुए एक अति विशिष्ट कार्यक्रम की पेशकश करने के लिए क्षेत्रों को पूर्ण लचीलेपन की अनुमति देता है, जो कि संबंधित क्षेत्रों द्वारा कार्यक्रम की पेशकश की जाती है।

संस्थान में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ईएमबीए) की पढ़ाई होती है जो आईआईएम काशीपुर देहरादून परिसर में सप्ताहांत के दौरान आयोजित दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से मध्यम एवं वरिष्ठ स्तर के प्रोफेशनल्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। इग्जेक्यूटिव एमबीए को डिजिटल निपुणता तथा सामाजिक स्थिति, उद्योगों की प्रवृत्ति एवं वैश्विक अभ्यासों के प्रति उन्मुखीकरण को मजबूत करके उद्यमशीलता एवं उद्यम प्रवृत्तियों के साथ संरेखित करने के लिए पुनर्गठित किया गया है।इग्जेक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम विश्व स्तर पर स्वीकृत मानदंडों के अनुरूप है, प्रतिभागियों के लिए मूल्यवर्धन तथा उद्योगों, क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में स्वीकृति को बढ़ाता है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के अध्ययन की इस यात्रा में ऐच्छिक एवं वैकल्पिक विषयों का एक समृद्ध मिश्रण है।

एमबीए एवं एमबीए (एनलिटिक्स) संस्थान के पूर्णकालिक दो वर्षीय आवासीय प्रमुख कार्यक्रम हैं। एमबीए प्रोग्राम को हाल ही में 'डिजाइन थिंकिंग एंड एक्सपेरिमेंटल लर्निंग' जैसे कई नए मूल पाठ्यक्रमों को प्रस्तुत कर विविध कौशल सेट एवं परिप्रेक्ष्य जोड़कर इसे उद्योग की अत्याधुनिक अवधारणाओं से आगे ले जाने के लिए फिर से डिजाइन किया गया है। महत्वपूर्ण सोच, नेतृत्व तथा नेतृत्व संचार जैसे सक्षमकों के साथ इन विभेदकों का उद्देश्य उम्मीदवारों को भविष्य के लिए कौशलपूर्ण बनाकर समृद्ध करना है। इसे एक शानदार करियर विकल्प बनाने के लिए मूल और ऐच्छिक दोनों विषयों को प्रस्तुत करके एनलिटिक्स पर एक मजबूत फोकस सक्षम बनाया है।

वर्ष 2020 में एमबीए (एनलिटिक्स) को लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य बिजनेस एनलिटिक्स की शिक्षा को आकार देना तथा डेटा के प्रति अधिक जागरूक प्रबंधक बनाना है। इस कार्यक्रम को स्नातक वर्ग को एनलिटिक्स तथा डेटा-आधारित प्रबंधन की अपनी विशेषज्ञता के साथ साथ अन्य क्षेत्रों में योगदान करने की अनुमति देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम प्रतिभागियों को सभी उद्योगों से सिद्धांत एवं अनुभव के मजबूत आधार पर अनुप्रयोग-उन्मुखीकरण से समृद्ध करता है।

आईआईएम काशीपुर तेजी से बदलते कारोबारी माहौल के साथ सामंजस्य बनाए रखते हुए नेतृत्व विकास, डेटा विश्लेषण कौशल, पारस्परिक कौशल एवं क्रॉस-फ़ंक्शनल प्रबंधन कौशल के उद्देश्य से विशेष अल्पकालिक प्रबंधन प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रदान करता है। एआई एवं मशीन लर्निंग में संस्थान के स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम तथा विभिन्न इग्जेक्यूटिव कार्यक्रम जैसे एप्लाइड फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट, फाइनेंशियल डेटा एनलिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग एंड एनलिटिक्स, मैनेजिंग प्रोडक्ट्स एंड ब्रैंडिंग, लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट एनलिटिक्स, स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट तथा स्ट्रैटेजी एंड लीडरशिप प्रबंधकों को आवश्यक कौशल से सम्पन्न बनाते हैं, जो उन्हें उनके प्रासंगिक क्षेत्र में मददगार साबित होते हैं।

संस्थान ने तीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं। इन केंद्रों की परिकल्पना विद्यार्थियों के साथ-साथ सरकारी एवं निजी संस्थाओं की सेवा में एक सफल अंत:विषयक दृष्टिकोण रखते हुए छात्रवृत्ति, शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श हेतु की गई है। उत्कृष्टता के ये केंद्र अंत:विषयक कार्यक्रमों एवं शोध की सुविधा प्रदान करते हैं। वर्तमान में, उत्कृष्टता के तीन केंद्र हैं: सेंटर ऑफ एक्सलेंस ऑन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमन्ट (सीओईपीपीजी), डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी), फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी)। ये केंद्र संस्थान के रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम बनाते हुए अत्याधुनिक शोध, नवाचार, उद्यमशीलता की भावना तथा सततता के प्रति प्रतिबद्ध है।

आईआईएम काशीपुर एक विद्यार्थी संचालित परिसर है। इसमें प्लेसमेंट (नियोजन) से लेकर कार्यात्मक कार्य तक, शैक्षणिक से गैर-शैक्षणिक गतिविधियों तक, प्रत्येक विषय के लिए एक विद्यार्थी निकाय है। विद्यार्थीगण अग्नित्रय - वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव; टेडएक्स; मैनेजमेंट कॉन्क्लेव; उत्तिष्ठा - द एनुअल आंट्रप्रन्योरशिप; तेजस - लीडरशिप टॉक सीरीज एवं एमबीए लेक्चर सीरीज जैसे विभिन्न प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

संस्थान के पास एक सुदृढ़ विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम है। इसने दुनिया भर के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों जैसे अलबोर्ग यूनिवर्सिटी, डेनमार्क; अल्बा ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, ग्रीस; ईएसडीईएस, ल्योन, फ्रांस; तेल अवीव यूनिवर्सिटी, इज़राइल; लीमा यूनिवर्सिटी, पेरू; वूसुंग यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया; लिनिअस यूनिवर्सिटी, स्वीडन; सूचो यूनिवर्सिटी, ताइवान; सैलफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूके; एफपीटी, वियतनाम; एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड; सीटीबीसी बिजनेस स्कूल, ताइवान तथा

यूनिवर्सिडैड ऑटोनोमा डी मैड्रिड; स्पेन के साथ गठबंधन किया है। आईआईएम काशीपुर एएसीबीएस (एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल ऑफ बिजनेस) और इक्यूयूआईएस (ईएमएफडी क्वालिटी इम्प्रूवमेंट सिस्टम) का सदस्य है।

इस संस्थान के पास एक समृद्ध पूर्व विद्यार्थी नेटवर्क है जो विविध पृष्ठभूमि के युवा प्रबंधन प्रोफेशनल्स को समेटे हुए है। इन सभी ने संस्थान की ब्रैंड इक्विटी को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे सक्रिय रूप से अपने समृद्ध अनुभव साझा करने, लाइव प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट प्रदान करने में संलग्न हैं। आईआईएम काशीपुर के प्रत्येक विद्यार्थी इसे आजीवन संजोये रखते हैं।

संस्थान एक प्रतिबद्ध कर्मचारी समूह द्वारा संचालित है जो कैम्पस तथा प्रत्येक कार्यालय में हितधारकों की सेवा करते हुए अपनी क्षमता के अनुसार कार्य करने के लिए अथक रूप से प्रयासरत हैं। हमारे अधिकांश कर्मचारियों ने आईआईएम काशीपुर की स्थापना और उसे आगे बढ़ाने में पर्याप्त समय एवं योगदान दिया है।

आईआईएम काशीपुर को वैश्विक मानकों का पालन करने हेतु अपने अनवरत प्रयास करने पर गर्व है। इसके पास एक मजबूत नीतिगत ढांचा है जो सभी हितधारकों की जरूरतों को पूरा करता है।

विद्यावाचस्पति
(डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी)

आईआईएम काशीपुर का विद्यावाचस्पति [डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी)] एक पूर्णकालिक आवासीय डॉक्टरेट कार्यक्रम है। इसे प्रोफेशनल्स की शैक्षणिक एवं शोध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य अध्येताओं को प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल विषयों की पहचान करने और शोध करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। पीएचडी के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि, बौद्धिक जिज्ञासा एवं विद्वतापूर्ण योगदान करनेवाले अनुशासित उम्मीदवारों की तलाश होती है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर के गुणवत्तापूर्ण कार्य के प्रकाशन के माध्यम से व्यक्तियों को उनके अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

इस कार्यक्रम के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- प्रबंधन के क्षेत्र में शोध करने के लिए अध्येताओं को प्रोत्साहित करना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन एवं वास्तविक दुनिया की प्रबंधन समस्याओं का समाधान खोजना।
- प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान एवं शोध करने के लिए विद्वानों को आवश्यक समझ एवं कौशल से सम्पन्न करना।
- प्रबंधन अनुसंधान एवं शिक्षण में करियर के लिए संभावित अध्येताओं के बीच विशेषज्ञता विकसित करना तथा इस तरह देश में उच्च गुणवत्ता वाले प्रबंधन संकाय की कमी को दूर करना।

इस कार्यक्रम में तीन चरण होते हैं:

- पाठ्यक्रम कार्य
- सर्वांगीण परीक्षा एवं मौखिक परीक्षा
- थीसिस कार्य

इस कार्यक्रम में शामिल होने पर, अध्येता दो शैक्षणिक वर्षों के दौरान छह टर्म में पढ़ाई करेंगे। पाठ्यक्रम पीएचडी विद्यार्थियों सीखने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग है। अनुभवी और विद्वान शिक्षाविदों के मार्गदर्शन में सभी नौ क्षेत्रों के लिए पाठ्यक्रम की सिफारिश की गई है। यह अनुशंसित पाठ्यक्रम संरचना प्रबंधन अनुसंधान को आधार, विभिन्न पद्धतियों की समझ एवं उपयोग, विषय संबंधित सिद्धांत और शोध, उन्नत ऐच्छिक, संबद्ध क्षेत्रों से शोध (अंतःविषयक शोध को प्रेरित करने के लिए), अकादमिक लेखन, शिक्षण प्रशिक्षण मॉड्यूल तथा कार्यशालाओं से संबंधित सहयोग प्रदान करता है। जबकि एक बुनियादी ढांचे का प्रस्ताव किया गया है, प्रत्येक क्षेत्र को उनकी आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक पाठ्यक्रमों की सिफारिश करने की छूट भी दी गई है। इस पाठ्यक्रम संरचना में क्रेडिट का विवरण नीचे दिया गया है।

उपर्युक्त 28 क्रेडिट में से, पहले एवं दूसरे वर्ष में 23 क्रेडिट प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। उपरोक्त मॉड्यूल के अलावा, प्रथम वर्ष ग्रीष्मकाल के दौरान, प्रत्येक अध्येता को शारीरिक रूप से या वर्चुअली प्रमुख घरेलू या अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थानों द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन स्कूलों में भाग लेकर बाह्य रूप से आयोजित कार्यप्रणाली कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह एक अगणनीय आवश्यकता है।

मॉड्यूल	न्यूनतम क्रेडिट (1 क्रेडिट = 25 घंटे)
रिसर्च फाउंडेशन एंड मेथडॉलॉजी पाठ्यक्रम	8 क्रेडिट
फाउंडेशन एमबीए पाठ्यक्रम	3 क्रेडिट
पीएचडी क्षेत्र कोर पाठ्यक्रम	4 क्रेडिट
पीएचडी क्षेत्र वैकल्पिक पाठ्यक्रम	3 क्रेडिट
पीएचडी संबद्ध क्षेत्र पाठ्यक्रम	2 क्रेडिट
सीआईएस एवं स्वतंत्र शोध परियोजना	3 क्रेडिट
शिक्षक प्रशिक्षण (द्वितीय वर्ष ग्रीष्मकाल)	1 क्रेडिट
टीए शिप (तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष)	4 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	28 क्रेडिट (न्यूनतम क्रेडिट - 700 घंटे)

31 मार्च 2021 को पीएचडी विद्यार्थियों का क्षेत्रवार विवरण

पीएचडी

- ओबी-एचआर **04**
- वित्त **07**
- आईटी **02**
- संप्रेषण **02**
- विपणन **06**
- ओपी-प्रबंधन **09**
- कूटनीतिक प्रबंधन **03**
- अर्थशास्त्र **03**

अर्हक सीजीपीए

प्रथम वर्ष के अंत में (अर्थात टर्म III के अंत में), सीआईएस/ग्रीष्मकालीन परियोजना के अंत में तथा दूसरे वर्ष के अंत में (यानी टर्म VI के अंत में) 10 पॉइंट स्केल (ए+: 10; ए: 9; बी+:8; बी: 7 एवं इसी तरह) अर्हक सीजीपीए कम से कम 7.0 होना चाहिए। इन उल्लिखित तीन चरणों में से किसी के अंत में कट-ऑफ सीजीपीए को पूरा करने में विफल रहने वाले अध्येताओं को कार्यक्रम से हटना आवश्यक होता है। इसके अलावा, पीएचडी अध्येताओं को भी समग्र आधार पर क्षेत्र स्तर के पाठ्यक्रमों में न्यूनतम 7.0 जीपीए को बनाए रखने तथा कार्यक्रम में जारी रखने के लिए उपर्युक्त तीन चरणों के अंत में समग्र आधार पर अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों में न्यूनतम 7.0 जीपीए को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। तदनुसार अर्हता प्राप्त करने में विफल रहने वाले अध्येताओं को कॉम्प्रेहेंसिव परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रवेश

पीएचडी के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि, बौद्धिक जिज्ञासा एवं विद्वतापूर्ण योगदान करनेवाले अनुशासित उम्मीदवारों की तलाश होती है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर के गुणवत्तापूर्ण कार्य के प्रकाशन के माध्यम से व्यक्तियों को उनके अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करने हेतु प्रतिबद्ध है। पीएचडी 2020-24 बैच के लिए कुल 135 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए 93 उम्मीदवारों को चुना गया था। कोविड-19 स्थिति के कारण प्रक्रिया ऑनलाइन आयोजित की गई थी। संप्रेषण, वित्त एवं लेखा, मानव संसाधन और संगठनात्मक व्यवहार, आईटी एवं सिस्टम तथा संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान के क्षेत्र में कुल 5 उम्मीदवारों को पीएचडी 2020-24 बैच में दाखिला दिया गया था।

इग्जेक्यूटिव एमबीए

इग्जेक्यूटिव एमबीए दो वर्षीय प्रबंधन में एक गहन स्नातकोत्तर कार्यक्रम है। इसे विशेष रूप से मध्यम और वरिष्ठ स्तर के प्रोफेशनल्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम एक विशेष कार्यक्रम है जो अभ्यास करने वाले अधिकारियों को ज्ञान एवं कौशल के साथ आज के तेजी से बदलते एवं प्रतिस्पर्धी वैश्विक कारोबारी माहौल में उत्कृष्टता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम पूरी तरह से कक्षा-आधारित एक कठोर कार्यक्रम है। कार्यक्रम का संचालन सप्ताहांत के दौरान किया जाता है क्योंकि यह प्रोफेशनल्स को उनकी प्रोफेशनल गतिविधि में हस्तक्षेप किए बिना अपने प्रबंधकीय कौशल को जल्दी से उन्नत करने का अवसर प्रदान करना है।

प्रतिभागी अपने विविध अनुभव को कक्षा में लाते हैं और वास्तविक दुनिया एवं लाइव परियोजनाओं पर काम करते हैं। यह कार्यक्रम सक्रिय रूप से प्रतिभागियों को कक्षा में सीखी गई अवधारणाओं को उनके कार्यस्थल पर लागू करने के लिए प्रेरित करता है। संक्षेप में, यह कार्यक्रम आपको बड़ी और सफल नेतृत्व भूमिकाओं में निर्बाध रूप से परिवर्तित करेगा।

उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का समग्र उद्देश्य अधिकारियों को उनके विकास के लिए उनके प्रबंधन एवं नेतृत्व कौशल को बढ़ाने में मदद करना तथा अपने संगठनों में प्रभावी रूप से अधिक योगदान देना है।

कार्यक्रम के कुछ निम्नलिखित विशिष्ट उद्देश्य हैं।

- मौजूदा और उभरती हुई तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए डिजिटल निपुणता विकसित करना।
- स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए उद्यमशीलता की भावना पैदा करना।
- विशेष रूप से व्यावसायिक अनुप्रयोगों में व्यावसायिक संचार में वृद्धि करना।
- अधिक आत्मविश्वास एवं क्षमता के साथ उनके संगठनात्मक विकास में योगदान करना।

मुख्य बिंदू

- डिजिटल निपुणता
- भविष्य के कौशल
- कैपस्टोन सिमुलेशन
- मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम पैक
- कार्यकारियों के लिए पाठ्यक्रम में लचीलापन

इग्जेक्यूटिव एमबीए 2020-22 बैच के लिए शुल्क संरचना					
विवरण	टर्म-I	टर्म-II	टर्म-III	टर्म-IV	कुल
ट्यूशन शुल्क	99000	99000	99000	99000	
पाठ्यक्रम सामग्री	3600	3600	3600	3600	
पुस्तकालय	2400	2400	2400	2400	
जमानती राशि (वापसी योग्य)	10000	—	—	—	
कुल (प्रथम वर्ष)	115000	105000	105000	105000	430000
इग्जेक्यूटिव एमबीए 2020-22 बैच					
विवरण	टर्म-V	टर्म-VI	टर्म-VII	टर्म-VIII	
ट्यूशन शुल्क	99000	99000	99000	99000	
पाठ्यक्रम सामग्री	3600	3600	3600	3600	
पुस्तकालय	2400	2400	2400	2400	
जमानती राशि (वापसी योग्य)	—	—	—	—	
कुल (द्वितीय वर्ष)	105000	105000	105000	105000	420000
	कुल शुल्क				**850000**

पाठ्यक्रम संरचना

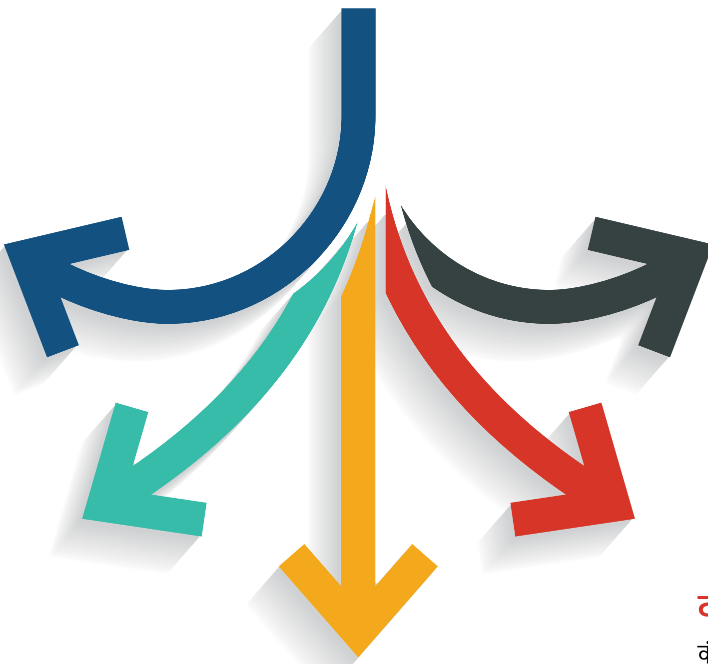

टर्म I
विपणन प्रबंधन I
व्यवसाय सांख्यिकी
इग्जेक्यूटिव संप्रेषण
संगठनात्मक व्यवहार
वित्तीय प्रतिवेदन एवं विश्लेषण

टर्म II
विपणन प्रबंधन II
प्रबंधन लेखांकन
प्रबंधकीय अर्थशास्त्र
कॉर्पोरेट संप्रेषण रणनीति
व्यापार सिमुलेशन
डिजाइन कार्य संगठन

टर्म III
निर्णय मॉडलिंग
मैक्रो-आर्थिक विश्लेषण एवं सार्वजनिक नीति
डिजिटल विपणन
प्रबंधन सूचना प्रणाली
महत्वपूर्ण विचार एवं पारस्परिक कौशल
व्यवसाय के लिए विश्लेषिकी

टर्म IV
कंपनी वित्त
संचालन एवं आपूर्ति श्रृंखला
प्रबंध
डिजाइन सोच एवं नवाचार
कंपनी कानून
संगठनों में कर्मचारी प्रबंधन

टर्म V
कैपस्टोन सिमुलेशन
बातचीत, मध्यस्थता, एवं सुलह
कूटनीतिक प्रबंधन
नेतृत्व
उद्यमी संगठन एवं समाज
परियोजनाओं का निर्माण एवं रिपोर्टिंग
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग

सांकेतिक वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- सामान्य प्रबंधन
- उद्यमिता
- प्रतिस्पर्धी परिदृश्य
- कॉर्पोरेट नैतिकता शासन
- क्रॉस-कल्चरल कौशल
- वैश्विक व्यापार
- सामाजिक उद्यमिता

- वित्तीय लेखांकन
- निवेश प्रबंधन
- व्यापार मूल्यांकन
- वित्तीय व्युत्पन्न एवं जोखिम प्रबंधन
- वित्तीय व्यवहार
- वित्तीय बाजारों में व्यापार रणनीतियाँ
- उद्यम पूंजी एवं निवेश बैंकिंग
- अग्रिम वित्तीय विवरण विश्लेषण
- वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन

• संचालन प्रबंधन तथा निर्णय विज्ञान • प्रौद्योगिकी प्रबंधन • परियोजना प्रबंधन • सेवा संचालन • प्रबंधन • गुणवत्ता प्रबंधन और छह सिग्मा • संचालन कूटनीति • व्यापार प्रक्रिया प्रबंधन	• संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन • प्रदर्शन प्रबंधन • मुआवज़ा एवं लाभ • श्रम कानून एवं औद्योगिक संबंध • संगठनात्मक परिवर्तन एवं विकास • प्रतिभा अभिग्रहण प्रबंधन • एचआर विश्लेषण • नेतृत्व
• रणनीति • व्यापार प्रतिदर्श • नवाचार एवं कॉर्पोरेट उद्यमिता • उभरते बाजारों के लिए रणनीतियाँ	• सूचना प्रौद्योगिकी • डेटा विज्ञान एवं मशीन लर्निंग • सोशल मीडिया एनलिटिक्स • व्यापार बुद्धिमत्ता एवं व्यापार विश्लेषणात्मक • उन्नत मशीन सीख • डिजिटल व्यवसाय तथा फ्रंटियर टेक्नोलॉजी • डेटा विज़ुअलाइज़ेशन • आईटी परियोजना प्रबंधन • व्यवसाय विश्लेषण आधार
• विपणन • डिजिलट विपरण • युक्तिपूर्ण ब्रैंड प्रबंधन • बिक्री वितरण • बी2बी विपणन • ग्रामीण विपणन • डिजाइन सोच एवं नवाचार	• संप्रेषण • मूवी प्रबंधन • मीडिया प्रबंधन • व्यवसाय प्रबंधन • अंतरराष्ट्रीय व्यापार
• अर्थशास्त्र • कृषि व्यवसाय • विकास एवं भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अर्थशास्त्र • उद्यमिता अर्थशास्त्र • सततता प्रबंधन • युक्तिपूर्ण लागत प्रबंधन	

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन

आईआईएम काशीपुर का लक्ष्य सामाजिक रूप से जिम्मेदार उन मार्गदर्शकों को विकसित करना है जो कार्यों, संस्कृतियों और भौगोलिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), संस्थान का प्रमुख कार्यक्रम होने के कारण उक्त लक्ष्य प्राप्त करने का मुख्य साधक है।

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन दो साल का पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है। यह कठोर पाठ्यक्रम ज्ञान के लिए एक जुनून एवं वास्तविक जीवन परिदृश्यों में उस ज्ञान को लागू करने की क्षमता पैदा करता है। कार्यक्रम सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास पर जोर देता है तथा नेतृत्व एवं अखंडता के मूल्यों को विकसित करता है।

प्रथम वर्ष के एमबीए मूल पाठ्यक्रमों को हाल ही में फिर से संरचित किया गया है ताकि उन्हें अधिक प्रासंगिक एवं अधिक व्यवसाय-केंद्रित बनाया जा सके। नए प्रारूप में, महत्वपूर्ण सोच और नवाचार पर एक रूप में बल दिया गया है। विद्यार्थीगण अब लीक से हटकर सोचने को मजबूर हैं।

उन्हें कई पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने आराम क्षेत्र (कंफोर्ट जोन) से बाहर आने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, नई संरचना आईआईएम काशीपुर के लक्ष्यों में से एक - नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करना - को भी ध्यान में रखती है। आईआईएम काशीपुर के एक अन्य लक्ष्य सामाजिक विकास तथा क्षेत्रीय आकांक्षाओं का सहयोग करने वाला एक वातावरण बनाने को भी नए फ्लेक्सीकोर अनुभवात्मक शिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से सहयोग दिया जा रहा है। विद्यार्थीगण उस क्षेत्र के विकास एवं वृद्धि में सक्रिय रूप से योगदान देंगे जहां हम फ्लेक्सीकोर पाठ्यक्रमों के माध्यम से संकाय मार्गदर्शन में स्थित हैं। इसलिए, यह नई मूल पाठ्यक्रम संरचना आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों को उनके प्रशिक्षण को और अधिक समकालीन बनाकर नई अर्थव्यवस्था में बेहतर मार्गदर्शक बनने के लिए विकसित करती है। साथ ही, यह संरचना उन्हें हमारे समाज में जमीनी स्तर की समस्याओं से भी अवगत कराती है कि उन्हें उन मुद्दों की परवाह क्यों करनी चाहिए।

नया प्रारूप प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में सीखने एवं अभ्यासों को बढ़ावा देने के लिए आईआईएम काशीपुर की कई रणनीतिक योजनाओं (व्यापार विश्लेषण का योग और अनुभवात्मक शिक्षण घटक की शुरूआत) में सहयोग करता है। इस नई संरचना में एक महत्वपूर्ण अपेक्षा यह है कि हर पाठ्यक्रम में, जहां भी संभव हो, संकाय इस बारे में बात करे कि उस पाठ्यक्रम की सीख भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं से कैसे संबंधित हो सकती है। इसी तरह, सभी पाठ्यक्रमों में, जब भी लागू हो, नैतिक विचारों और संप्रेषण कौशल को भी शामिल किया जाता है।

इस नई कार्यक्रम संरचना का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थी गतिविधियों तथा नियोजन वास्तविकताओं के बीच समाभिरूपता की मांग की जा रही है। संभावित समान लक्ष्यों या प्रत्याशित परिणामों के साथ, विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों के माध्यम से आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों के बीच तालमेल की अपेक्षा की जाती है।

संक्षेप में, नए पाठ्यक्रम के प्रारूप का उद्देश्य विद्यार्थियों को नई अर्थव्यवस्था को जानने और उन्हें दूरदर्शी मार्गदर्शकों में बदलने के लिए तैयार करना है। मुख्य पाठ्यक्रमों की इस संशोधित संरचना से ऐच्छिक विषयों के एक नए सेट की ओर बढ़ने की उम्मीद है जो नई भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों के लिए अधिक उपयुक्त होगा।

वर्तमान में प्रस्तुत ऐच्छिक विषयों के अलावा, ऐच्छिक विषयों का एक नया सेट विकसित करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। ऐच्छिक

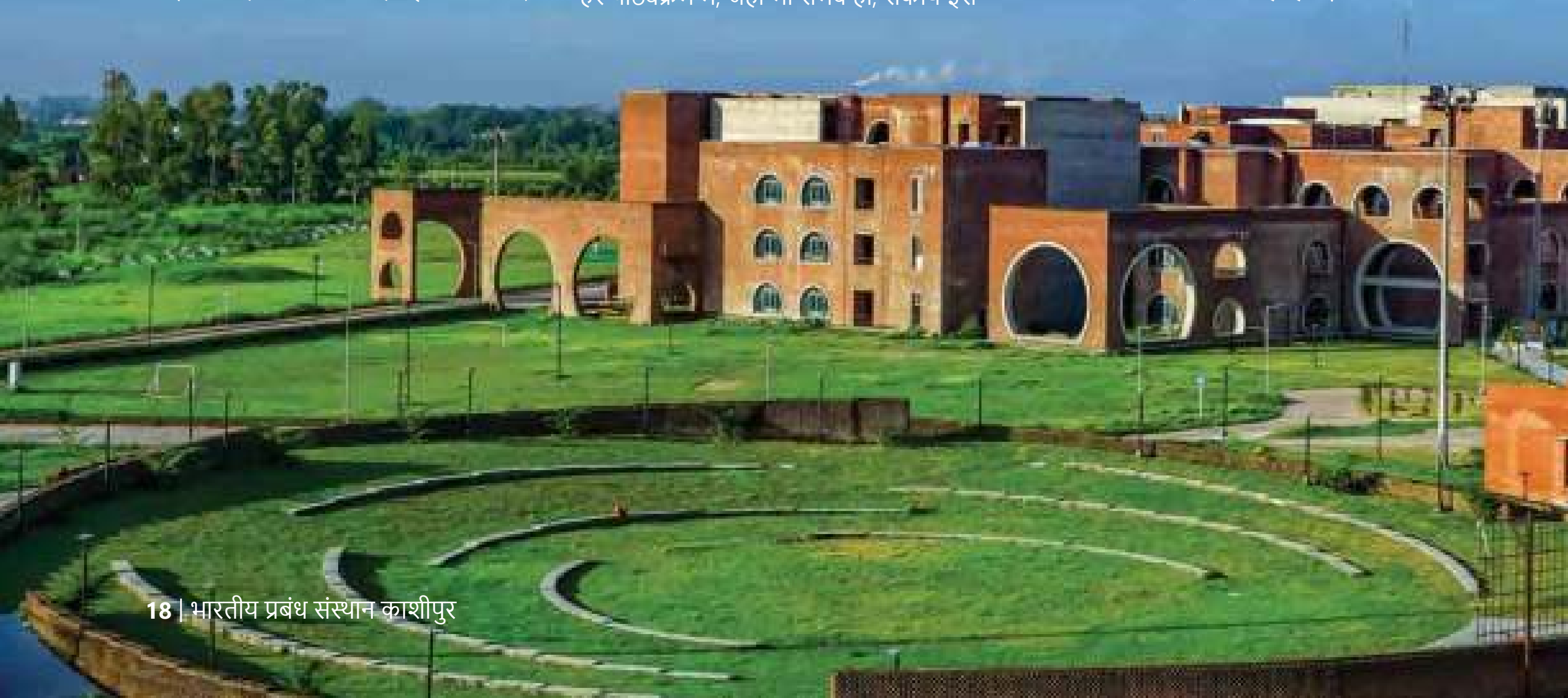

विषयों का यह नया सेट समाज एवं व्यापार में उभरते मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगा तथा नवीन और आकांक्षी होगा। ऐच्छिक एवं मुख्य पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विद्यार्थियों को पहले की तरह 'कोर्सेज ऑफ इंडिपेंडेंट स्टडीज (सीआईएस)' भी लेने की अनुमति होगी।

पाठ्यक्रम

एमबीए कार्यक्रमों को छह टर्म्स में बांटा गया है; पहले साल में तीन टर्म तथा दूसरे साल में तीन टर्म। प्रत्येक टर्म लगभग ग्यारह सप्ताह की अवधि का होता है। पहले तीन टर्म में सभी मुख्य पाठ्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें प्रबंधन सिद्धांत की एक सामान्य नींव बनाने के लिए तैयार किया गया है। ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के बाद, प्रतिभागियों को कक्षा में जो कुछ भी सीखा है उसका एक व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य बनाने तथा दूसरे वर्ष में वैकल्पिक और स्व-अध्ययन पाठ्यक्रम के माध्यम से गहन अंतर्दृष्टि के लिए खुद के लिए अभ्यास करने का अवसर मिलता है।

प्रस्तावित ऐच्छिक विषय

टर्म	क्रम सं.	पाठ्यक्रम	क्रेडिट्स
टर्म-I	1	व्यावसायिक आंकड़े	1.0
	2	वित्तीय लेखांकन	0.5
	3	वित्तीय बाजार	0.5
	4	सूक्ष्म अर्थशास्त्र	1.0
	5	विपणन प्रबंधन-I	1.0
	6	संगठनात्मक व्यवहार	0.5
	7	कार्यशाला- व्यवसाय के लिए गणनात्मक उपकरण	0.5
	8	कार्यशाला- लिखित एवं मौखिक संप्रेषण	0.5
	9	कार्यशाला- समालोचनात्मक विचार/अंतर्वैयक्तिक कौशल	0.5
		कुल टर्म-I क्रेडिट	**6.0**
टर्म-II	1	निर्णय मॉडलिंग	1.0
	2	संगठनात्मक डिजाइन	0.5
	3	प्रबंधन सूचना प्रणाली	1.0
	4	कंपनी वित्त	1.0
	5	विपणन प्रबंधन II	0.5
	6	संचालन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1.0
	7	सूक्ष्म अर्थशास्त्र एवं सार्वजनिक नीति	1.0
	8	उद्यमी संगठन एवं समाज	0.5
	9	व्यवसाय के वैधानिक पहलू	0.5
	10	कार्यशाला- समालोचनात्मक विचार/अंतर्वैयक्तिक कौशल	0.5
		कुल टर्म-II क्रेडिट	**7.5**
टर्म-III	1	नेतृत्व	0.5
	2	विपणन शोध	0.5
	3	व्यापार विश्लेषण	0.5
	4	संगठन में कर्मचारी प्रबंधन	1.0
	5	प्रबंधन लेखांकन	1.0
	6	कूटनीतिक प्रबंधन	1.0
	7	नेतृत्व संप्रेषण	0.5
	8	डिजाइन सोच एवं नवाचार	0.5
	9	व्यापार नैतिकता	0.5
	10	अनुभवात्मक शिक्षा। (पर्यावरण एवं सतत व्यवसाय अभ्यास + हिमालयन इनबाउंड / नमामि गंगे) क / (एमएसएमई विकास+ सामाजिक उद्यमिता) ख/ (ग्रामीण क्षमता को अनलॉक करना + उन्नत भारत निमज्जन) ग	0.5
		कुल टर्म-III क्रेडिट	**6.5**
		प्रथम वर्ष का कुल क्रेडिट	**20.0**
टर्म-IV	1	प्रबंधन अनुरूपता	0.5
टर्म-VI	2	अनुभवात्मक शिक्षा II	0.5
		कुल मुख्य पाठ्यक्रम	**21**

संप्रेषण क्षेत्र	विपणन क्षेत्र
◆ सोशल मीडिया प्रचार के लिए सामग्री विकास कूटनीति	◆ उन्नत मीडिया विपणन
◆ कॉर्पोरेट संचार एवं संकट प्रबंधन	◆ डिजाइन सोच अनुप्रयोग
◆ मीडिया एवं मनोरंजन व्यवसाय प्रबंधन	◆ व्यवसाय से व्यवसाय विपणन
◆ प्रबंधन के लिए फिल्में	◆ उपभोक्ता व्यवहार
अर्थशास्त्र क्षेत्र	**डिजिटल विपणन**
◆ उन्नत मौद्रिक अर्थशास्त्र	◆ विपणन विश्लेषण [एनलिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
◆ कृषि व्यवसाय उद्यमिता	◆ विपणन रणनीति
◆ प्रबंधकों के लिए प्रायोगिक अर्थमिति [एनलिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]	◆ मूल्य निर्धारण प्रबंधन
◆ निर्णय के लिए व्यवहारिक अर्थशास्त्र	◆ उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन
◆ आर्थिक विकास, विकास और भारतीय अर्थव्यवस्था	◆ खुदरा प्रबंधन
◆ स्थिरता प्रबंधन	◆ ग्रामीण विपणन
◆ व्यापार विश्लेषिकी और निर्यात-आयात व्यवसाय [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]	◆ बिक्री और वितरण प्रबंधन
वित्त एवं लेखांकन क्षेत्र	**सेवा प्रबंधन - विपणन एवं संचालन प्रबंधन परिप्रेक्ष्य का एकीकरण [संचालन के साथ क्रॉस लिस्टेड]**
◆ व्यवहार वित्त	◆ ओबी एवं एचआर क्षेत्र
◆ व्यापार मूल्यांकन	◆ कार्यस्थल पर विविधता एवं समावेशन
◆ वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन	◆ डिजिटल कार्यस्थलों में प्रदर्शन को प्रोत्साहन
◆ डिजिटल वित्त	◆ एचआर एनलिटिक्स [एनलिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
◆ उद्यमी वित्तीय प्रबंधन	◆ औद्योगिक संबंध एवं श्रम
◆ वित्तीय विश्लेषण [एनलिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]	◆ संगठनात्मक परिवर्तन का प्रबंधन
◆ वित्तीय डेरिवेटिव	◆ समझौता एवं संघर्ष प्रबंधन
◆ वित्तीय मशीन लर्निंग	◆ शक्ति एवं राजनीति
◆ वित्तीय जोखिम मापन एवं प्रबंधन	◆ संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए प्रतिभा प्रबंधन
◆ वित्तीय विवरण विश्लेषण और फोरेंसिक लेखांकन	◆ संचालन एवं निर्णय विज्ञान क्षेत्र
◆ निश्चित आय बाजार	◆ उन्नत डेटा विश्लेषण [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
◆ निवेश प्रबंधन	◆ उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण
◆ विलय एवं अधिग्रहण [रणनीति के साथ क्रॉस-लिस्टेड]	◆ लॉजिस्टिक्स प्रबंधन
◆ निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग	◆ प्रौद्योगिकी प्रबंधन
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	**संचालन रणनीति**
◆ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डीप लर्निंग [एनलिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]	◆ परियोजना प्रबंधन
◆ बिग डेटा मैनेजमेंट [एनलिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]	◆ गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिग्मा
◆ डेटा साइंस एवं मशीन लर्निंग [एनलिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]	◆ रणनीतिक सोर्सिंग प्रबंधन
◆ डेटा विज़ुअलाइज़ेशन [एनलिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]	◆ रणनीति क्षेत्र
◆ एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम [संचालन के साथ क्रॉस लिस्टेड]	◆ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
◆ व्यापार के लिए फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज	◆ प्रबंधन परामर्श
◆ सूचना और नेटवर्क सुरक्षा	◆ उभरते बाजारों के लिए रणनीतियाँ
◆ सूचना प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रबंधन	
◆ सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना प्रबंधन	
◆ सोशल मीडिया एवं वेब एनलिटिक्स [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]	

एमबीए 2020-2022 के लिए शुल्क संरचना

विवरण	टर्म-I	टर्म-II	टर्म-III	कुल	टर्म-IV	टर्म-V	टर्म-VI	कुल
प्रवेश शुल्क	25000	0	0	25000	0	0	0	0
ट्युशन शुल्क	125000	125000	125000	375000	125000	125000	125000	375000
कंप्यूटर शुल्क	10000	10000	10000	30000	10000	10000	10000	30000
पुस्तकालय शुल्क	10000	10000	10000	30000	10000	10000	10000	30000
छात्रावास शुल्क	52000	52000	52000	156000	52000	52000	52000	156000
छात्र कल्याण गतिविधि शुल्क	4000	4000	4000	12000	4000	4000	4000	12000
पुस्तकें और पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	38500	38500	38500	115500	38500	38500	38500	115500
दीक्षांत शुल्क	0	0	0	0	0	0	13000	13000
	264500	**239500**	**239500**	**743500**	**239500**	**239500**	**252500**	**731500**
अप्रतिदेय शुल्क								
चिकित्सा शुल्क	2000	0	0	2000	2000	0	0	2000
नियोजन शुल्क	0	12500	0	12500	0	0	12500	12500
पूर्व विद्यार्थी गतिविधि शुल्क	4500	0	0	4500	4500	0	0	4500
	6500	**12500**	**0**	**19000**	**6500**	**0**	**12500**	**19000**
वापसी योग्य शुल्क								
जमानती जमा	3000	3000	3000	9000	3000	3000	3000	9000
पुस्तकालय जमा	3500	0	0	3500	0	0	0	0
कंप्यूटर जमा	3500	0	0	3500	0	0	0	0
मेस जमा	4000	0	0	4000	0	0	0	0
	14000	**3000**	**3000**	**20000**	**3000**	**3000**	**3000**	**9000**
शुल्क का कुल योग	**285000**	**255000**	**242500**	**782500**	**249000**	**242500**	**268000**	**759500**

प्रवेश

एमबीए कार्यक्रम में प्रवेश विभिन्न मापदंडों पर उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित है। मापदंडों में कैट स्कोर, लिखित विश्लेषण परीक्षा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार (डब्ल्यू ए टी एवं पीआई) और उम्मीदवार के प्रोफाइल शामिल हैं।

डब्ल्यू ए टी एवं पीआई प्रक्रिया नौ आईआईएम, जैसे आईआईएम बोधगया, आईआईएम जम्मू, आईआईएम काशीपुर, आईआईएम रायपुर, आईआईएम रांची, आईआईएम सिरमौर, आईआईएम संबलपुर, आईआईएम त्रिची तथा आईआईएम उदयपुर के साथ सामान्य प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से आयोजित की जाती है।

संपूर्ण सीएपी प्रक्रिया के लिए कुल 16247 उम्मीदवारों को चुना गया था, जिसमें से 14224 उम्मीदवारों ने आईआईएम काशीपुर के लिए रुचि दिखाई थी और 288 उम्मीदवारों को एमबीए 2020-22 बैच के लिए आईआईएम काशीपुर में भर्ती कराया गया था। बोर्ड की स्वीकृति के अनुसार, महिला उम्मीदवारों को 15 अतिरिक्त सीटों के लिए प्रस्ताव भेजे गए थे। बारह महिला उम्मीदवारों ने अंततः अधिसंख्य सीटों के तहत पंजीकरण कराया।

एमबीए 2020-22 का बैच विभिन्न संस्कृतियों एवं जातीयता से संबंधित उत्साही और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का मिश्रण है। यह बैच देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों से बाहर निकलने वाले नए स्नातकों एवं अनुभवी प्रोफेशनल्स का एक स्वस्थ मिश्रण है जो प्रमुख राष्ट्रीय एवं बहु-राष्ट्रीय कंपनियों का हिस्सा रहे हैं। पहली बार आईआईएम काशीपुर ने एमबीए कार्यक्रम में एक विदेशी उम्मीदवार को प्रवेश दिया है।

एमबीए 2020-22 में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम कैट पर्सेंटाइल

श्रेणी	सामान्य	एनसी-अपिव	ईडब्ल्यूएस	अजा	अजजा	डीएपी
भर्ती विद्यार्थियों की संख्या	114	71	32	48	22	1
न्यूनतम कैट पर्सेंटाइल	94.6	75.48	75.3	55.20	40.25	73.04

एमबीए 2020-22 बैच में लिंग विविधता

पुरुष
236

महिला
52

एमबीए 2020-22 बैच में विषय विविधता

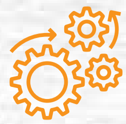
इंजीनियरिंग
153

गैर-इंजीनियरिंग
135

एमबीए 2020-22 बैच में श्रेणीवार विवरण

सामान्य	एनसी-अपिव	ईडब्ल्यूएस	अजा	अजजा	डीएपी
114	71	32	48	22	01

कार्य अनुभव

कार्य अनुभव	विद्यार्थियों की सं.
फ्रेशर्स	133
12 महीने से कम	24
12-24 महीने	100
24 महीने से अधिक	31

24 महीने से अधिक **31**

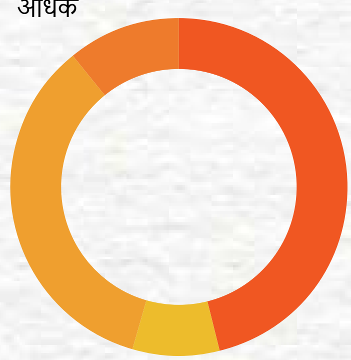

फ्रेशर्स **71**

12-24 महीने **100**

12 महीने से कम **24**

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनलिटिक्स)

आईआईएम काशीपुर में बिजनेस एनलिटिक्स में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन दो वर्ष का गहन और पूरी तरह से आवासीय कार्यक्रम है। इसे विशेष रूप से उन प्रतिभागियों के लिए तैयार किया गया है, जो बड़ी डेटा क्रांति का हिस्सा बनना चाहते हैं और डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में भविष्य के मार्गदर्शक के रूप में उभरना चाहते हैं।

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को वर्तमान व्यावसायिक परिदृश्य में बेहतर निर्णय लेने के लिए जटिल डेटा विश्लेषण करने में सक्षम बनाने के लिए सर्वांगीण रूप से सीखने का वातावरण प्रदान करता है। प्रबंधकीय एवं विश्लेषिकी विषयों का एक विवेकपूर्ण मिश्रण विद्यार्थियों को जटिल व्यावसायिक समस्याओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल से सम्पन्न बनाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार व्यापार लीडर्स को मजबूत प्रबंधकीय एवं विश्लेषणात्मक कौशल के साथ व्यापार तथा सामाजिक चुनौतियों को परिभाषित करने के लिए त्रुटिहीन संप्रेषण कौशल के साथ तैयार करना, पैटर्न की पहचान करना, अंतर्दृष्टि प्राप्त करना, व्यावसायिक रणनीतियों को विकसित करना तथा बेहतर प्रबंधन निर्णय लेने के लिए विश्लेषणात्मक उपकरणों तथा तकनीकों का उपयोग करना है।

दो वर्षीय एमबीए (एनलिटिक्स) कार्यक्रम को छह टर्म में बांटा गया है। पहले वर्ष में, प्रबंधन एवं विश्लेषिकी मूल पाठ्यक्रमों का एक आदर्श मिश्रण पढ़ाया जाएगा, जो विद्यार्थियों को प्रबंधन एवं विश्लेषणात्मक अवधारणाओं की नींव बनाने में मदद करेगा। दूसरे वर्ष में, विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के एनलिटिक्स उन्मुख वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से एनलिटिक्स की अधिक उन्नत जानकारी मिलेगी ताकि वे रचनात्मक विश्लेषण-संचालित व्यावसायिक समाधानों को समझ सकें और उनका निर्माण कर सकें। कार्यक्रम में एक शोध प्रबंध घटक भी शामिल है जो कार्यक्रम के दूसरे वर्ष की तीन टर्म तक संचालित होता है। यह घटक एक विद्यार्थी को उसकी रुचि के क्षेत्र को गहराई से पहचानने एवं तलाशने में मदद करता है, शोध प्रश्नों को परिभाषित करता है तथा फिर अनुसंधान करने की उसकी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए उपयुक्त शोध उपकरणों का उपयोग करता है, जिससे प्रक्रिया में ही मूल्यवान कौशल प्राप्त हो सके।

आईआईएम काशीपुर के संकाय के पास समृद्ध शिक्षण एवं उद्योग का अनुभव है। प्रैक्टिशनर्स कक्षा में पाठ्यक्रम और कार्यशालाओं के माध्यम से उद्योग का दृष्टिकोण लाते हैं। इस कार्यक्रम के तहत नामांकन करने वाले विद्यार्थियों के पास उद्योग के प्रदर्शन, व्यावसायिक समस्याओं से निपटने में व्यावहारिक अनुभव एवं चुनने के लिए ऐच्छिक की एक विस्तृत श्रृंखला का सही मिश्रण होगा।

प्रथम वर्ष एमबीए (एनलिटिक्स) पाठ्यक्रम

टर्म I			
पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे	टिप्पणी
संगठनात्मक व्यवहार	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
व्यावसायिक आंकड़े	1	25	एनलिटिक्स कोर
वित्तीय लेखांकन	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
वित्तीय बाजार	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
सूक्ष्म अर्थशास्त्र	1	25	प्रबंधन कोर
विपणन प्रबंधन I	1	25	प्रबंधन कोर
गणितीय फाउंडेशंस	1	25	एनलिटिक्स कोर
कार्यशाला- लिखित और मौखिक संप्रेषण	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
टर्म योग	**6**	**150**	
टर्म II			
निर्णय मॉडलिंग	1	25	एनलिटिक्स कोर
प्रबंधन सूचना प्रणाली	1	25	एनलिटिक्स कोर
कंपनी वित्त	1	25	प्रबंधन कोर
विपणन प्रबंधन II	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
संचालन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
व्यवसाय के कानूनी पहलू	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
बिजनेस कंप्यूटिंग - I	1	25	एनलिटिक्स कोर
व्यापार विश्लेषिकी का परिचय	1	25	एनलिटिक्स कोर
टर्म योग	**7**	**175**	
टर्म III			
संगठनों में कर्मचारी प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
कूटनीतिक प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
व्यवसाय कंप्यूटिंग II	1	25	एनलिटिक्स कोर
शोध विधियों पर संगोष्ठी	1	25	एनलिटिक्स कोर
डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	1	25	एनलिटिक्स कोर
डेटा प्रबंधन एवं बिग डेटा	1	25	एनलिटिक्स कोर
टर्म योग	**6**	**150**	
प्रथम वर्ष का कुल क्रेडिट = 19			

आईआईएम काशीपुर में संकाय के पास समृद्ध शिक्षण एवं उद्योग का अनुभव है। प्रैक्टिशनर्स कक्षा में पाठ्यक्रम और कार्यशालाओं के माध्यम से उद्योग के दृष्टिकोण को सामने लाते हैं। इस कार्यक्रम के तहत नामांकन करने वाले विद्यार्थियों के पास उद्योग के प्रदर्शन, व्यावसायिक समस्याओं से निपटने में व्यावहारिक अनुभव तथा चुनने के लिए ऐच्छिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला का सही मिश्रण होगा।

द्वितीय वर्ष के वैकल्पिक पाठ्यक्रम

टर्म IV			
पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे	टिप्पणी
प्रबंधकों के लिए एप्लाइड अर्थमिति	1	25	एनलिटिक्स कोर
डेटा साइंस एवं मशीन लर्निंग	1	25	एनलिटिक्स कोर
सोशल मीडिया एवं वेब एनलिटिक्स	1	25	एनलिटिक्स कोर
ऐच्छिक	1	25	एनलिटिक्स ऐच्छिक
ऐच्छिक	1	25	एनलिटिक्स / प्रबंधन ऐच्छिक
शोध निबंध- भाग क	1	25	एनलिटिक्स कोर
टर्म योग	**6**	**150**	एनलिटिक्स से न्यूनतम 5 क्रेडिट

टर्म V			
प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण	1	25	एनलिटिक्स कोर
एआई एवं डीप लर्निंग	1	25	एनलिटिक्स कोर
उन्नत डेटा विश्लेषण	1	25	एनलिटिक्स कोर
ऐच्छिक	1	25	एनलिटिक्स ऐच्छिक
ऐच्छिक	1	25	एनलिटिक्स / प्रबंधन ऐच्छिक
शोध निबंध- भाग ख	1	25	एनलिटिक्स कोर
टर्म योग	**6**	**150**	एनलिटिक्स से न्यूनतम 5 क्रेडिट
टर्म VI			
ऐच्छिक	1	25	एनलिटिक्स ऐच्छिक
ऐच्छिक	2	50	एनलिटिक्स / प्रबंधन ऐच्छिक
शोध निबंध- अंतिम	2	50	एनलिटिक्स कोर
टर्म योग	**5**	**125**	एनलिटिक्स से न्यूनतम 3 क्रेडिट
द्वितीय वर्ष की कुल क्रेडिट आवश्यकता = 17 **दो वर्षों की कुल क्रेडिट आवश्यकता = 36**			

एमबीए (एनलिटिक्स) के लिए प्रदत्त एनलिटिक्स वैकल्पिक पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का नाम	क्षेत्र
स्वास्थ्य रणनीति एवं विश्लेषिकी	विश्लेषिकी
खेल विश्लेषिकी	विश्लेषिकी
वित्तीय अर्थमिति	वित्तीय लेखांकन
इन्फोग्राफिक्स एवं एडवांस विज़ुअलाइज़ेशन का उपयोग कर विश्लेषिकी	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली
स्वचालित डेटा संग्रह	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली
क्लाउड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली
स्पार्क के साथ एमएल अनुप्रयोग	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली
सुदृढीकरण अध्ययन का उपयोग कर उन्नत एआई	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली
बहुभिन्नरूपी डेटा विश्लेषण	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान
आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषिकी	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान

एमबीए (एनलिटिक्स) के लिए प्रस्तुत एमबीए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का नाम	क्षेत्र
सूचना प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रबंधन	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली
बिक्रय एवं वितरण प्रबंधन	विपणन
उत्पाद एवं ब्रैंड प्रबंधन	विपणन
मूल्य निर्धारण प्रबंधन	विपणन
विपणन रणनीति	विपणन
सेवा प्रबंधन	ओएम एंड डीएस तथा विपणन
उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण	संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान
प्रबंधन परामर्श	रणनीति
अंतरराष्ट्रीय व्यापार	रणनीति

एमबीए (एनलिटिक्स) 2020-22 के लिए शुल्क संरचना

विवरण	टर्म-I	टर्म-II	टर्म-III	टर्म-IV	टर्म-V	टर्म-VI	कुल (₹)
प्रवेश शुल्क	25000	0	0	0	0	0	25000
ट्युशन शुल्क	125000	125000	125000	125000	125000	125000	750000
कंप्यूटर शुल्क	10000	10000	10000	10000	10000	10000	60000
पुस्तकालय शुल्क	10000	10000	10000	10000	10000	10000	60000
छात्रावास शुल्क	52000	52000	52000	52000	52000	52000	312000
छात्र कल्याण गतिविधि शुल्क	4000	4000	4000	4000	4000	4000	24000
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	38500	38500	38500	38500	38500	38500	231000
दीक्षांत शुल्क	0	0	0	0	0	13000	13000
उप कुल							**1475000**

अप्रतिदेय शुल्क

विवरण	टर्म-I	टर्म-II	टर्म-III	टर्म-IV	टर्म-V	टर्म-VI	कुल (₹)
चिकित्सा शुल्क	2000	0	0	2000	0	0	4000
नियोजन शुल्क	0	12500	0	0	0	12500	25000
पूर्व विद्यार्थी गतिविधि शुल्क	4500	0	0	4500	0	0	9000
उप कुल							**38000**

वापसी शुल्क

विवरण	टर्म-I	टर्म-II	टर्म-III	टर्म-IV	टर्म-V	टर्म-VI	कुल (₹)
जमानती जमा	3000	3000	3000	3000	3000	3000	18000
पुस्तकालय जमा	3500	0	0	0	0	0	3500
कंप्यूटर जमा	3500	0	0	0	0	0	3500
मेस जमा	4000	0	0	0	0	0	4000
उप कुल							29000
शुल्क का कुल योग							**1542000**

प्रवेश

आईआईएम काशीपुर ने बोर्ड से मंजूरी के बाद फरवरी 2020 में एमबीए (एनलिटिक्स) के पहले बैच के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की। प्रवेश नीति के अनुसार एमबीए (एनलिटिक्स) कार्यक्रम के लिए आवेदन कैट, जीआरई एवं जीमैट वैध स्कोरकार्ड धारकों से आमंत्रित किए गए थे। एमबीए (एनलिटिक्स) कार्यक्रम में प्रवेश विभिन्न मापदंडों पर उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित है। इस मापदंडों में कैट / जीआरई / जीमैट स्कोर तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) एवं उम्मीदवार के प्रोफाइल शामिल हैं।

कुल 1191 आवेदन प्राप्त हुए थे तथा 717 उम्मीदवारों को एमबीए (एनलिटिक्स) की पीआई प्रक्रिया के लिए चुना किया गया था। इन 717 उम्मीदवारों में से 552 पीआई प्रक्रिया के लिए उपस्थित हुए। कोविड-19 स्थिति के कारण चुने गए उम्मीदवारों की व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) प्रक्रिया ऑनलाइन आयोजित की गई थी।

कुल 59 उम्मीदवारों को एमबीए (एनलिटिक्स) 2020-22 बैच में भर्ती कराया गया था। इन 59 उम्मीदवारों के बैच में 29 महिला उम्मीदवारों को प्रवेश दिया गया। इसका मतलब यह है कि बैच में लगभग 50% छात्राएं शामिल हैं जो कि आईआईएम काशीपुर में लिंग विविधता मामले में एक रिकॉर्ड है।

एमबीए (एनलिटिक्स) 2020-22 में लिंग विविधता

पुरुष
30

महिला
29

एमबीए (एनलिटिक्स) 2020-22 बैच में विषय विविधता

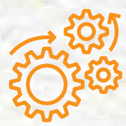

अभियांत्रिकी
50

गैर-अभियांत्रिकी
09

एमबीए (एनलिटिक्स) 2020-22 का श्रेणी-वार विवरण

सामान्य	एनसी-अपिव	अजा	अजजा	डीएपी	ईडब्ल्यूएस
25	15	06	06	01	06

कार्य अनुभव (महीने में)

कार्य अनुभव	विद्यार्थियों की सं.
फ्रेशर्स	12
12 महीने से कम	7
12-24 महीने	27
24 महीने से अधिक	31

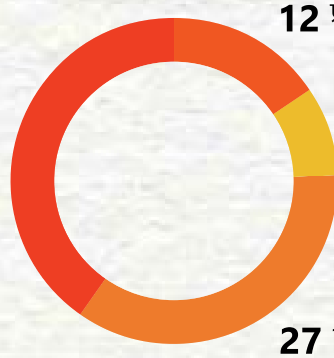

IIM KASHIPUR

2019-21

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

अंतिम अवस्थापन प्रतिवेदन

प्राक्कथन

हमें अपने प्रमुख कार्यक्रम मास्टर्स इन बिजनेस एडिमिनिस्ट्रेशन के वर्ष 2019-21 के अंतिम अवस्थापन प्रक्रिया के सफल समापन की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। आईआईएम काशीपुर ने वर्ष 2021 में अपनी यात्रा के 10 वर्ष में प्रवेश किया है। इसके साथ ही, मास्टर्स इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनलिटिक्स) को भी लॉन्च किया गया है।

इस वर्ष 127 कंपनियों ने सक्रियतापूर्वक इसमें हिस्सा लिया और विभिन्न प्रोफाइल में 268 प्रस्ताव दिए, जिनमें परामर्श, वित्त, आईटी एंड एनलिटिक्स, एचआर, ऑपरेशंस, विक्रय एवं विपणन तथा रणनीति शामिल थे। इसकी प्रोफाइल एनलिटिक्स, बीएफएसआई, परामर्श, एडटेक, शोध एवं सलाह, आईटी, ईकॉमर्स तथा विनिर्माण क्षेत्र तक विस्तारित है।

हमारे विद्यार्थीगण हमेशा से समस्याओं के समाधान तथा सृजनात्मक विचार कौशल में असाधारण रहे हैं। इसके साथ ही इन्होंने कई केस स्टडीज एवं प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की है। इनके प्रयास से संस्थान ने डेयर2कंपीट कॉम्पिटिटिव बी-स्कूल 2021 रैंकिंग में 4था स्थान हासिल किया है।

हमें अपने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता है और हम इस कठिन समय के दौरान निरंतर सहयोग देने के लिए उद्योग जगत के शुक्रगुजार हैं।

भवदीय

प्रो. वेंकटराघवन के
चेयरपर्सन - प्लेसमेंट्स
आईआईएम काशीपुर

अंतिम अवस्थापन 2019-21 के मुख्य बिंदू

प्लेसमेंट सीजन के आंकड़े

नियोजन के लिए पात्र विद्यार्थियों की संख्या	260
प्रतिभागी कंपनियों की संख्या	127
पीपीओ/पीपीआई की संख्या	36
औसत सीटीसी	14.05 एलपीए
प्रास्तावों की संख्या	268
मीडियन सीटीसी	12.72 एलपीए

अधिकतम सीटीसी
29.02 एलपीए

शीर्ष
10%
26.05 एलपीए (औसत)

शीर्ष
20%
22.56 एलपीए (औसत)

शीर्ष
30%
20.72 एलपीए (औसत)

सीजन की मुख्य बातें

39%
वृद्धि, पीपीओ/ पीपीआई में

32%
वृद्धि, भाग लेनेवाली कंपनियों की संख्या में

40+
नए नियोजक

4
डी2सी सर्वाधिक प्रतिस्पर्धी बी-स्कूल

अंतिम अवस्थापन 2019-21 के मुख्य बिंदू

क्षेत्रवार नियोजन

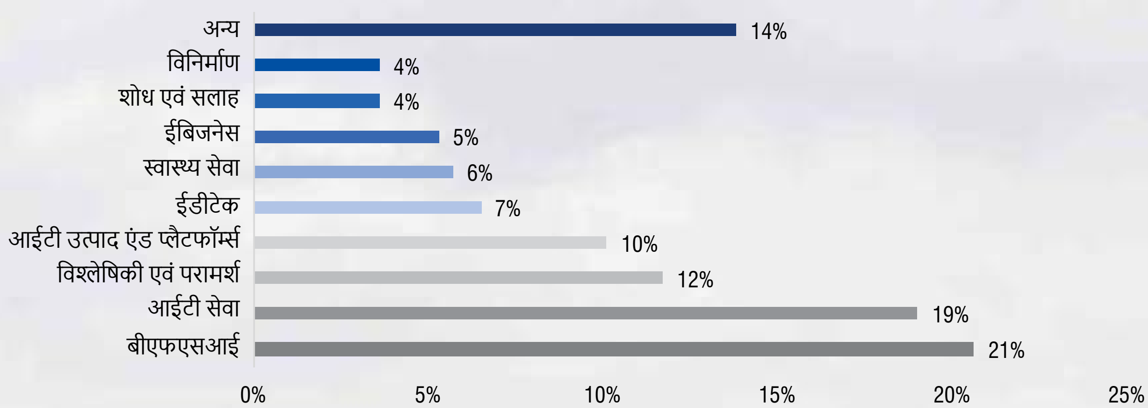

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

क्षेत्रवार नियोजन

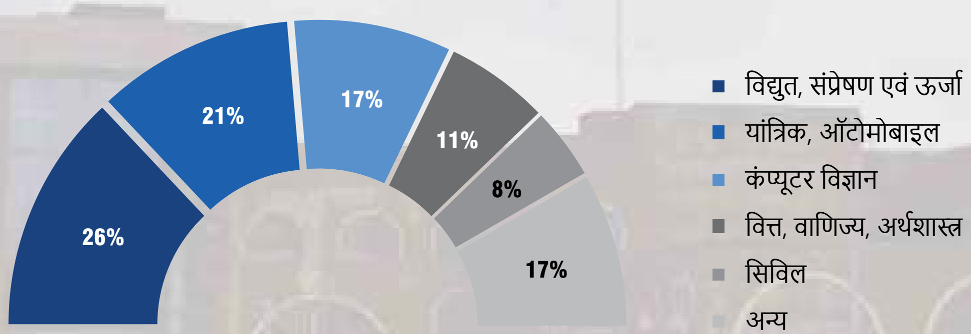

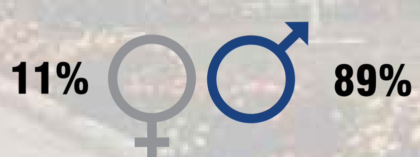

कार्य अनुभव

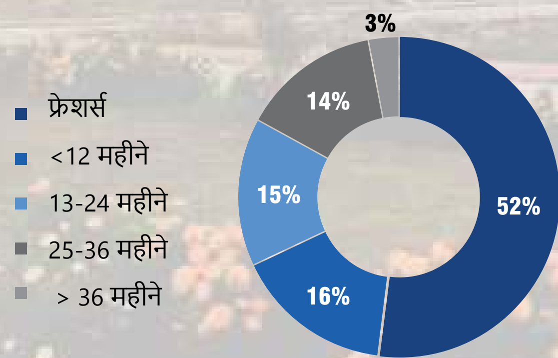

एनलिटिक्स

अधिकतम सीटीसी 21,40,000

उद्योग जगत की नामी-गिरामी कंपनियां जैसे इंफोसिस, इंफोसिस बीपीएम, एक्सेंचर, कॉग्नीजेंट, वर्चुसा, टेक महिंद्रा, एचसीएल, ट्रेडेंस, एमफैसिस, इंडिया मार्ट, ईवैल्यूसर्व, फरेया, माइंडट्री, हेक्सावेयर, फ्यूचर फर्स्ट, जेडएस एसोसिएट्स, फार्माएस, एमयू सिग्मा, जस्ट डायल, कॉगनेक्स्ट एआई, पर्सेप्टिव एनलिस्टिक्स, फैक्टस्पैन एनलिटिक्स, ब्रेन एंटरप्राइज, केल्टनकेट, इंटरफेस. एआई, बिड़लासॉफ्ट, नीनोपाल ने बीएफएस एनलिटिक्स, बीआई एनलिस्टिक्स, बिग डेटा सर्विसेज मैनेजमेंट, बिजनेस इंटेलिजेंस, रिसर्च, बिजनेस सॉल्यूशन एनैबलर, क्लाउड बिजनेस एनलिस्ट, डेटा एनलिटिक्स कंसल्टंट, फाइनैंशियल एनलिटिक्स, ग्रोथ हैकर, आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, ऑपरेशनल एनलिटिक्स, प्रोडक्ट क्वालिटी एनलिस्ट, सीनियर बिजनेस एनलिस्ट, सीनियर रिसर्च एनलिस्ट एवं टेक्निकल प्रोजेक्ट मैनेजर जैस प्रोफाइल ऑफर किए।

अंतिम अवस्थापन 2019-21 के मुख्य बिंदू

वित्त

विद्यार्थियों को विख्यात कंपनियों जैसे डेलॉइट, टाटा कैपिटल, फ्यूचर्स फर्स्ट, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, आरबीएल बैंक, एंजेल ब्रोकिंग, क्रिसिल, ट्रेस विस्टा, विवृति कैपिटल ने परिसंपत्तियां प्रबंधन, शाखा प्रबंधक, पूंजी बाजार विश्लेषक, कॉर्पोरेट बैंकिगं, क्रेडिट रिस्क प्रोफाइल, इक्विटिज रिसर्च, वित्तीय सलाहकार, वित्तीय नियंत्रक, वित्तीय विश्लेषिकी, वित्तीय रणनीति, आंतरिक ऑडिटर, इंटरनेशनल बैंकिंग, निवेश विश्लेषक, निवेशक संप्रेषण, बाजार जोखिम विश्लेषक, मर्जर्स एंड एक्विजिशन, प्राइवेट इक्विटी, रिलेशनशिप मैनेजर, खुदरा बैंकिंग, जोखिम मूल्यांकन, मिटिगेशन, ग्रामीण बैंकिंग, सीनियर बिजनेस एसोसिएट - फाइनैंशियल सर्विसेज, सीनियर फाइनैंशियल मार्केट्स रिसर्च एनैलिस्ट, ट्रेजरी एंड वेल्थ मैनेजमेंट में ऑफर प्रदान किए गए।

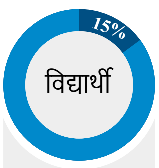

अधिकतम सीटीसी 23,20,000 लाख

विपणन

विपणन में लॉरियल, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, टाटा बीएसएल, टाटा पावर, स्क्वेयर यार्ड्स, गोदरेज एंड बायस, ब्लूस्टार, कैपिटल गुड्स, विवृत्ति कैपिटल, माइंडगेट, शाओमी, ऑफबिजने, बाईयूस, कैरियल लॉन्चर, स्कैलर एकेडेमी, टेल्टोनिका, एचडीएफसी बैंक, आरबीएल बैंक, इक्रैटी, डेलॉयट, इंटरफेस. एआई ने खास प्रोफाइल जैसे कृषि विपण, बी2बी विपणन, बी2सी विपणन, ब्रैंड प्रबंधक, कैम्पेन प्रबंधक, कैटगरी प्रबंधक, चैनल प्रबंधक, कॉर्पोरेट रिलेशंस इग्जेक्यूटिव, कस्टमर एक्विजिशन, कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट, डिजिटल मार्केटिंग एसोसिएट, डाइरेक्ट सेल्स ऑफिसर, एंटरप्राइज सेल्स मैनेजर, इनबाउंड सेल्स, की एकाउंट मैनेजर, मार्केट रिसर्च एसोसिएट, प्री-सेल्स कंसल्टंट, प्राइसिंग मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर- खुदरा शाखा, खुदरा विपणन, ग्रामीण विपणन, सेल्स डेवलपमेंट इग्जेक्यूटिव एवं स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग में ऑफर दिए।

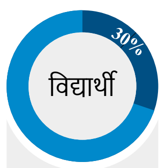

अधिकतम सीटीसी 29,00,000

अंतिम अवस्थापन 2019-21
डोमेन मुख्य बिंदू

संचालन

आईआईएम काशीपुर फ्लिपकार्ट, फॉक्सकॉन, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, आकाश इंस्टीट्यूट, जस्ट डायल, जयनिता, इंडिजीन, ई लास्टिक रन, 4 टीगो, ऑफबिजनेस, सेफएक्सप्रेस जैसे प्रमुख संगठनों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बना रहा, जिन्होंने फ्लीट प्रबंधक, लॉजिस्टिक्स, ऑपरेशंस कोऑर्डिनेटर, ऑपरेशनल प्लानिंग, शेड्यूलिंग प्रबंधक, ऑपरेशंस प्रबंधक, प्रोसेस इम्प्रूवमेंट हैंडलर, प्रोक्योरमेंट एनालिसिस, प्रोडक्ट ऑपरेशंस, सीनियर प्रोजेक्ट प्रबंधक, सर्विस डिलीवरी, प्रबंधक, सर्विस क्वालिटी मैनेजर, स्ट्रेटेजिक ऑपरेशनल प्लानिंग एसोसिएट तथा सामरिक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधक की भूमिकाओं की पेशकश की।

रणनीति एवं परामर्श

प्रमुख संगठन जैसे डेलॉइट, गार्टनर, जेडएस एसोसिएट्स, एचडीएफसी, शाओमी, आरईसीएल, ब्रेन एंटरप्राइज ने कॉर्पोरेट सलाहकार, कॉर्पोरेट रणनीति, वित्तीय सलाहकार, कार्यात्मक सलाहकार, नेतृत्व एवं समूह रणनीति, एमटी - रणनीति एलायंस, उत्पाद प्रबंधक, रणनीतिक परामर्श, रणनीतिक उत्पाद प्रबंधन तथा सेवा परिचालन सलाहकार के लिए रणनीति बाजार पहल जैसी भूमिकाओं की पेशकश की।

सामान्य प्रबंधन

टाटा कैपिटल, आदित्य बिड़ला सनलाइफ, एक रिटेलर एम इटाल एन इप्पॉन एस टेल, इनमॉर्फिस, शाओमी, आईसीआईसीआई बैंक, इंडियामार्ट, आरबीएल बैंक, ओ'एग्रीफार्म ने बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट, एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट, ग्रोथ ऑफिसर, अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय विकास, न्यू बिजनेस इनिशिएटिव, प्रोडक्ट इग्जेक्यूटिव, परियोजना प्रबंधन तथा सीनियर बिजनेस डेवलपमेंट कंस्टंट जैसी सामान्य प्रबंधन भूमिकाओं की पेशकश की।

मानव संसाधन

एचआर डोमेन में डेलॉइट, विवृति कैपिटल, आर्टेरिया, बाईजूज और अन्य की भागीदारी देखी गई। उन्होंने एचआर जनरलिस्ट, करियर डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव, कॉरपोरेट एचआर गवर्नेंस, ग्लोबल इनिशिएटिव मैनेजर, एचआर एडवाइजरी, इंडस्ट्रियल रिलेशंस मैनेजमेंट, स्ट्रैटेजिक पर्फॉर्मेंस, प्रतियोगिता प्रबंधन तथा एचआर एनैलिटिक्स जैसे प्रमुख विषयों की पेशकश की।

IIM KASHIPUR

2020-22

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

ग्रीष्मकालीन अवस्थापन प्रतिवेदन

प्राक्कथन

हमें अपने एमबीए एवं एमबीए (एनैलिटिक्स) कार्यक्रमों के वर्ष 2020-22 बैच के लिए ग्रीष्मकालीन नियोजन प्रक्रिया के सफल समापन की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। इसी वर्ष नवीनतम लॉन्च किए गए एमबीए (एनलिटिक्स) कार्यक्रम के विद्यार्थियों का पहला ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप भी रहा।

वर्ष 2020-22 का यह बैच काफी विविध रहा, जिसमें लगभग 40% विद्यार्थी गैर-अभियांत्रिकी पृष्ठभूमि से थे, जबकि 50% से अधिक विद्यार्थियों के पास कार्य अनुभव था। हमनें विभिन्न प्रोफाइल्स में ऑफर करनेवाली 114 कंपनियों की यहां सक्रिय उपस्थिति देखी, जिनमें परामर्श, वित्त, सामान्य प्रबंधन, एचआर, आईटी एंड विश्लेषिकी, ऑपरेशंस, विक्रय एवं विपणन तथा रणनीति शामिल था।

हमारे विद्यार्थीगण हमेशा से समस्याओं के समाधान तथा सृजनात्मक विचार कौशल में असाधारण रहे हैं। इसके साथ ही इन्होंने कई केस स्टडीज एवं प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की है। इनके प्रयास से संस्थान ने डेयर2कंपीट कॉम्पिटिटिव बी-स्कूल 2021 रैंकिंग में 4था स्थान हासिल किया है।

हमें अपने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता है और हम इस कठिन समय के दौरान निरंतर सहयोग देने के लिए उद्योग जगत के शुक्रगुजार हैं।

भवदीय

प्रो. वेंकटराघवन के
चेयरपर्सन - प्लेसमेंट्स
आईआईएम काशीपुर

ग्रीष्मकालीन अवस्थापन 2020-22 के मुख्य बिंदू

प्लेसमेंट सीजन के आंकड़े

बैच की कुल क्षमता	330
भाग लेनेवाली कंपनियों की संख्या	114
अधिकतम वृत्ति- एमबीए	3,30,000
अधिकतम वृत्ति - एमबीए (एनैलिटिक्स)	3,15,000
दिए गए प्रस्तावों की संख्या	373
औसत वृत्ति	80,649

औसत वृत्ति- एमबीएसी 80,781

औसत वृत्ति- एमबीए (एनलिटिक्स) 80,058

शीर्ष 10% 2,13,828

शीर्ष 25% 1,60,070

सीजन की मुख्य बातें

27% बैच की क्षमता में वृद्धि

160% विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि

40+ नए रिक्रूटर्स

10% औसत वृत्ति में वृद्धि

ग्रीष्मकालीन अवस्थापन 2020-22 मुख्य बिंदू

बैच सूचक

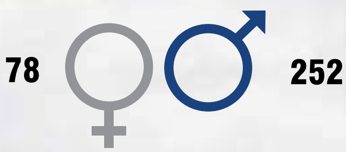

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

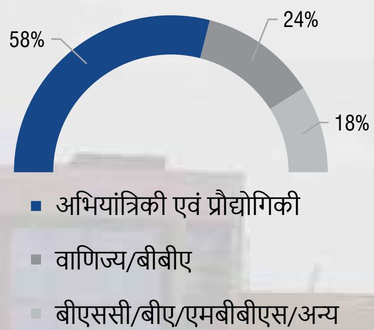

प्रोफेशनल पृष्ठभूमि

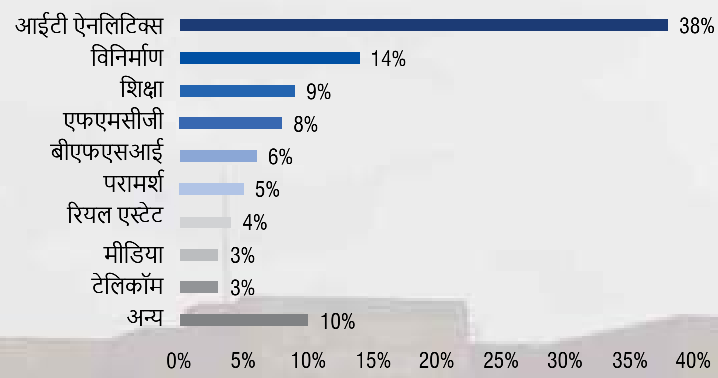

कार्य अनुभव

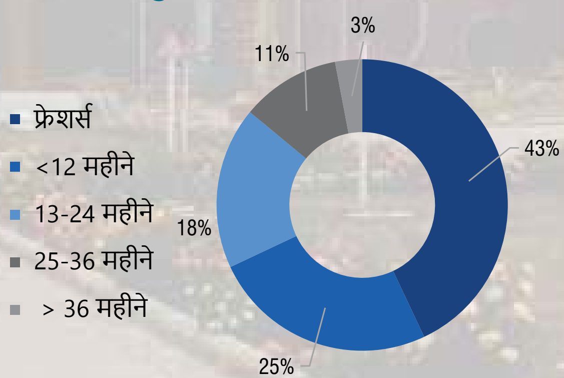

उम्र

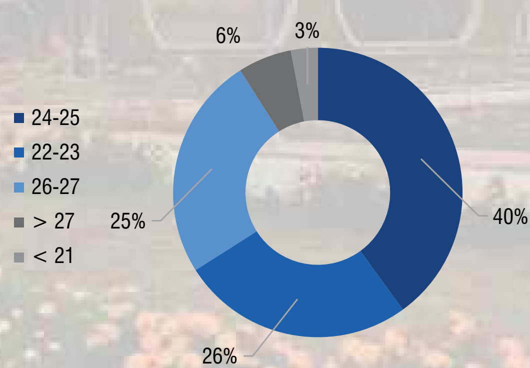

ग्रीष्मकालीन अवस्थापन 2020-22 मुख्य बिंदू

वित्त

विद्यार्थियों ने आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक, टाटा कैपिटल, केपीएमजी, नाबार्ड, एक्सिस बैंक, बजाज एलायंज, आरबीआई, सिडबी, ऑफबिजनेस, विवृत्ति कैपिटल एवं सन फर्मा जैसे संगठनों से पूंजी बाजार विश्लेषक, कॉर्पोरेट बैंकिंग, वित्तीय विश्लेषक, इक्विटी रिसर्च, इंटरनेशनल बैंक, इंवेस्टमेंट एनलिस्ट, मार्केट रिस्क एनलिस्ट, मर्जर एंड एक्विजिशन, प्राइवेट इक्विटी, रिस्क असेसमेंट, परिसंपत्ति प्रंबधन, क्रेडिट रिस्क प्रोफाइल, इंटरनल ऑडिटर तथा फाइनेंशियल स्ट्रैटेजी जैसी भूमिकाओं को प्राप्त किया।

विपणन

विद्यार्थियों को आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील बीएसएल, जियो, ऑफबिजनेस, इंवेस्ट इंडिया, श्रेबर फूड्स, आईटीसी, श्रीराम हाउसिंग फाइनैंस, बजाज एलायंज, फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज, गॉडफ्रे फिलिप्स, एसीसी, श्री मलानी फोम्स, जेके स्पाइसेज, टाटा आईएसडब्ल्यूपी एवं एयरटेल से बी2बी विपणन, बी2सी विपणन, डी2सी विपणन, ब्रैंड मैनेजमेंट, कैम्पेन मैनेजमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, की एकाउंट मैनेजमेंट, मार्केट रिसर्च, कॉर्पोरेट रिलेशंस, डाइरेक्ट सेल्स, कस्टमर एक्विजिशन, प्री-सेल्स, प्राइसिंग मैनेजमेंट, इनबाउंड सेल्स में भूमिकाएं प्राप्त हुईं।

आईटी एंड एनलिटिक्स

प्रतिष्ठित संगठन जैसे प्यूमा, सिस्को, मैक, एम्फैसिस, पेटीएम, नेटऐप, ऑफबिजनेस, आदित्य बिड़ला अल्ट्राटेक, मेडट्रॉनिक्, कैपजेमिनी, एंड्रीट्ज ने डेटा ऐनलिस्ट, बिग-डेटा मैनेजमेंट, आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, मार्केट ऐनलिस्ट, फाइनैंशियल ऐनलिस्ट, ग्रोथ हैकर, प्रोडक्ट ऐनलिस्ट, बिजनेस ऐनलिक्ट, क्वालिटी ऐनलिस्ट एवं डेटा मैनेजमेंट की प्रोफाइल में ऑफर प्रदान किए।

ग्रीष्मकालीन अवस्थापन 2020-22 मुख्य बिंदु

मानव संसाधन

मोंडेलेज इंटरनेशनल, डेलॉयट, नेटऐप, मोर्गन स्टेनली, जॉन डीरी, एयरटेल, टाटा आईएसडब्ल्यूपी एवं स्पीनी जैसे संगठनों ने कॉर्पोरेट एचआर गवर्नेंस, इंडस्ट्रियल रिलेशनशिप मैनेजमेंट, स्ट्रैटेजिक पर्फार्मेंस, टैलेंट एक्विजिशन इंटर्न, एचआर जेनरेलिस्ट, ग्लोबल इनिशिएटिव इंटर्न तथा कॉम्पेंसेशन मैनेजमेंट जैसे प्रोफाइल ऑफर कि।

रणनीति एवं परामर्श

डेलॉयट, पूमा, विप्रो, कारदेखो, शाओमी, सीआईबीसी, श्रेबर फूड्स, टीवीएस सप्लाई चेन सोल्यूशंस तथा ब्लैक ब्रिक्स एडवाइजर्स जैसी अग्रणी कंपनियों ने स्ट्रैटेजी कंसल्टंट, प्रोडक्ट मैनेजमेंट, कॉर्पोरेट एडवाइजरी इंटर्न, मैनेंटमैंट कंसलटंट, स्ट्रैटेजी मार्केट इनिशिएटिव तथा फाइनैंशियल कंसलटंट जैसे प्रोफाइल ऑफर किए हैं।

सामान्य प्रबंधन

अग्रणी संगठन जैसे टीवीएस क्रेडिट, ड्रूम, सिडबी, ओएनजीसी, इंवेस्ट इंडिया, लावा, रिलायंस रिटेल, एशियन पेंट्स पीपीजी, एडेलविस टोकियो एवं अक्षय पात्र फाउंडेशन ने परियोजना प्रबंधक, प्रोडक्ट इग्जेक्यूटिव, ई-कॉमर्स मैनेजमेंट तथा न्यू बिजनेस इनिशिएटिव्स जैसे प्रोफाइल ऑफर किए।.

परिचालन

सीजे डार्कल, टीवीएस सप्लाई चेन सोल्यूशंस, फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील बीएसएल, पोर्टर, बॉस्च एवं श्री मलानी फोम्स जैसे संगठनों ने लॉजिस्टिक्स इंटर्न, ऑपरेशंस प्लानिंग इंटर्न, प्रोक्योरमेंट ऐनलिस्ट, स्ट्रैटेजिक ऑपरेशनल प्लानिंग एसोसिएट, सप्लाई चेन इंटर्न, ई-कॉमर्म ऑपरेशंस इंटर्न, फ्लीट मैनेजमेंट इंटर्न एवं प्रो़डक्ट ऑपरेशंस में ऑफर प्रदान किए।

प्रतियोगिताओं में पुरस्कार

आईआईएम काशीपुर ने डेयर2कंपीट प्रतिस्पर्धी बी-स्कूल्स 2021 में 4था स्थान प्राप्त कर नई उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही, हमने केस अध्ययन की प्रतियोगिताओं के प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में पुराने आईआईएम एवं प्रतिष्ठित संस्थानों की लीग को जॉइन किया है।

हमारे पास 8 राष्ट्रीय विजेता, 5 राष्ट्रीय रनर अप, 24 राष्ट्रीय फाइनैलिस्ट एवं 12 सेमी-फाइनैलिस्ट हैं, जिन्होंने लॉरियल सस्टेनेबिलिटी चैलेंज, शाओमी एमआई समिट 2.0, वर्चुसा बिजनेस साइफर चैलेंज, कारईजी स्पार्क, टीवीएस क्रेडिट ऐनलिटिक्स चैलेंज एवं अन्य कई प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में स्थान हासिल किया है।

D2C COMPETITIVE B-SCHOOLS 2021

Campus:					
Stars:	226	222	213	212	190

NATIONAL WINNERS:

Strategy Challenge · Sustainability Challenge · Business Cipher Challenge · ET Prime Intellect · Bada Aasan Hai · Spark · Fintech Championship

NATIONAL RUNNER UP:

Analytics Challenge · Livewire 1.0 · Campus Challenge 2.0 · Mi Summit 2.0

NATIONAL 2nd RUNNER UP:

Analytics Challenge · Cafta · Campus Connect 1.0

NATIONAL FINALISTS:

Boardroom Challenge · Comstrat · Imagination Challenge · Bottoms Up · Campus Edition '19 · Relead 3.0 · Case Competition

NATIONAL SEMI-FINALISTS:

Wired 4.0 · Stratethon · Ingenious · Campus Challenge · Resolvr Case Study · Boardroom Challenge · Campus Connect 1.0

हमारे नियोजक 2020-22

सेंटर ऑफ एक्सलेंस इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट (सीओईपीपीजी)

सेंटर ऑफ एक्सलेंस इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट (सीओईपीपीजी) की स्थापना नीति निर्माताओं, सरकारी एजेंसियों, नागरिक समाज, उद्योग और शिक्षाविदों के बीच अध्येता शोध, सार्वजनिक नीति अध्ययन और क्षमता निर्माण गतिविधियों के लिए एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए की गई है।

वर्ष 2014 में अपनी स्थापना के बाद से, इस सेंटर ने आपदा प्रबंधन, सतत् प्रबंधन (ग्रीन एमबीए), न्यायिक सेवा वितरण, खुली पहुंच के माध्यम से कानूनी शिक्षा, कॉर्पोरेट क्षेत्र में लिंग विविधता और महिलाओं के प्रति हिंसा खत्म करने जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में कई प्रमुख परियोजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं। इस सेंटर ने विषयगत सार्वजनिक नीति विश्लेषणों के आधार पर कार्रवाई अनुसंधान, प्रशिक्षण और सलाहकार सेवाओं को मिलाकर विश्व बैंक, आईसीएसएसआर, शास्त्री इंडो-कनाडियन संस्थान, राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं की श्रृंखलाओं को क्रियान्वित किया है।

उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2020-2021

गत वर्षों की भांति वर्ष 2020-2021 के दौरान, सीओईपीपीजी से जुड़े संकाय सदस्य ने उत्तराखंड सरकार द्वारा शुरू किए गए उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण (भाग II) में योगदान दिया। राज्य अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय तथा सार्वजनिक नीति एवं सुशासन केंद्र के द्वारा प्रतिवेदन को अनुमोदित किया गया। उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण के इस संस्करण में, केंद्र ने राज्य भर में किए गए एक हितधारक सर्वेक्षण के आधार पर शिक्षा क्षेत्र में कोविड महामारी के प्रभाव की समीक्षा की।

परियोजनाएं एवं भागीदारी

वर्ष 2020-21 के दौरान, सीओईपीपीजी को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्कीम ऑफ फंड फॉर रिजेनरेशन ऑफ ट्रेडिशनल इंडस्ट्रीज अर्थात् पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए निधि योजना (स्फूर्ती) के लिए तकनीकी एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। यह केंद्र पारंपरिक उद्योगों को अधिक उत्पादक और लाभदायक बनाने के लिए क्षेत्र में कारीगरों के विभिन्न समूहों की पहचान करेगा और उन्हें बढ़ावा देगा। इससे निरंतर रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए केंद्र द्वारा सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित करने की भी उम्मीद है। इस केंद्र ने उत्तराखंड के

पिथौरागढ़ जिले के बिन-मुनाकोट ब्लॉक में रेवती एसेंशियल द्वारा च्युरा बटर के क्लस्टर विकास पर प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट और नैदानिक अध्ययन की प्रारंभिक तैयारी पूरी कर ली है।

अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में केंद्र ने दुनिया भर के अन्य विश्वविद्यालयों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया है तथा साउथ एशियन नेटवर्क फॉर पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एसएएनपीए) का संस्थापक सदस्य बन गया है जिसे 2020 में दक्षिण एशिया और उसके बाहर शोध, क्षमता निर्माण, प्रसार को बढ़ावा देने तथा क्षिण एशिया और उसके बाहर लोक प्रशासन के क्षेत्रों में क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी को मजबूत करने के लिए ज्ञान समुदाय के नेटवर्क के रूप में शामिल किया गया था।

जारी परियोजनाएं

यह केंद्र रायर्सन यूनिवर्सिटी (कनाडा) की साझेदारी में लैंगिक विविधता पर सहयोगात्मक अनुसंधान कर रहा है। यह निम्न दो प्रमुख परियोजनाओं को भी कार्यान्वित कर रहा है, जिसमें पूर्वी भारत में विच-हंट पर आईसीएसएसआर इंप्रेस प्रोजेक्ट एवं नीति विश्लेषण तथा कानून मंत्रालय की विधि सुधार परियोजना "भारत में अधिवक्ताओं के लिए निरंतर कानूनी शिक्षा" शामिल है।

नवाशय- डिजाइन इनोवेशन सेंटर

आईआईएम काशीपुर का डिजाइन इनोवेशन सेंटर अपने स्थापना काल 2018-19 से ही इनोवेशन को बढ़ावा दे रहा है। यह समाज के हर क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करके नवाचार, डिजाइन थिंकिंग एवं रचनात्मक समस्या समाधान की संस्कृति विकसित करने में लगा है। उत्तर-पश्चिम हिमालयी क्षेत्र एवं अन्य राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए नवाचार की ललक को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियाँ (कार्यशालाएँ / शिखर सम्मेलन) आयोजित की गई हैं।

डीआईसी द्वारा एमबीए एवं इग्जेक्यूटिव एमबीए में डिजाइन थिंकिंग एवं इनोवेशन पर पाठ्यक्रम का परिचालन

डीआईसी आईआईएम काशीपुर के एमबीए, एमबीए ऐनलिटिक्स एवं एम्प; इग्जेक्यूटिव एमबीए विद्यार्थियों के लिए "डिजाइन थिंकिंग एंड एम्प; इनोवेशन" पर प्रमुख कार्यक्रम का परिचालन कर रहा है। यह पाठ्यक्रम 350 विद्यार्थियों की कुल क्षमता के साथ वर्ष 2020-22 के आईआईएम काशीपुर बैच के एमबीए एवं इग्जेक्यूटिव एमबीए विद्यार्थियों के लिए पूर्णकालीन पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जाता है। यह विद्यार्थियों को डिजाइन थिंकिंग और नवाचार के बारे में ज्ञान प्रदान करेगा कि किसी संगठन की समस्या-समाधान क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए इन अवधारणाओं को कैसे लागू किया जा सकता है। यह जटिल समस्याओं से निपटने में बेहद उपयोगी है जो कि अस्पष्ट परिभाषित या अज्ञात हैं, जिसे आवश्यक मानवीय जरूरतों को समझकर, मानव-केंद्रित तरीकों से समस्याओं का समाधान कर, विचार-मंथन सत्रों में कई उपाय कर बनाकर, एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाकर प्रोटोटाइप और परीक्षण कर साकार किया जा सकता है।

डीआईसी टीम द्वारा उद्यमियों/स्टार्ट-अप के लिए सत्र

नवाशय डीआईसी टीम के संकाय सदस्यों ने उद्यमिता शोध, विकास एवं प्रशिक्षण के क्षेत्रों में विकास, उदय, दृष्टि जैसे स्टार्ट-अप कार्यक्रमों के लिए विभिन्न व्याख्यान / वेबिनार आयोजित किए हैं। सत्र का संचालन फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड आंट्रप्रनर्शिप डेवलपमेंट (एफआईईडी), आईआईएम काशीपुर के इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा किया गया था, जिसमें भारत के उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को पोषण और मजबूत करने की पहल है।

सोशल इनोवेशन प्लेटफॉर्म- काशीपुर डेवलपमेंट फोरम (केडीएफ)

काशीपुर में 21 मार्च 2021 को आयोजित हुई बैठक में काशीपुर को एक मॉडल शहर और उत्तराखंड के ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए आईआईएम काशीपुर ने स्थानीय प्रशासन के साथ काशीपुर डेवलपमेंट फोरम के साथ भागीदारी की है। आईआईएम काशीपुर से नवाशय डीआईसी उस अभियान का हिस्सा होगा जो पहुंच को बढ़ाएगा तथा क्षेत्र में डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन के ज्ञान को प्रसारित करने में नवाशियन की मदद करेगा।

इनोवेशन चैलेंज-कोविडस्केप: एक बेहतर कल की ओर

डीआईसी ने डीआईसी, आईआईटी रुड़की और डिजाइन इनोवेशन सेंटर सहयोगियों के साथ मिलकर डीआईसी के सभी विद्यार्थियों के लिए **"कोविडस्केप: एन एस्केप टू ए बेटर टुमॉरो"** नामक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य लॉकडाउन के बाद समाधान के लिए उपकरणों और रणनीतियों को विकसित करना है। इसे संस्थानों, कॉलेजों, स्कूलों, कचरा प्रबंधनों और सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए कोविड-

19 महामारी के मुद्दों का समाधान करना है। इस आयोजन में डीआईसी, आईआईएम काशीपुर से 12 टीमों ने भाग लिया तथा हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि **डीआईसी की दो टीमों को दो महीने के साक्षात्कार, सीएडी मॉडल के प्रोटोटाइप** आदि के लिए एक कठोर प्रक्रिया के बाद विजेता और विशेष जूरी पुरस्कार मिला है। डीआईसी ने प्रोटोटाइप विकास के लिए टीमों को 3 डी प्रिंटिंग और डिजाइनिंग सहायता प्रदान की है।

टीम काशीरथी- ढक्कन

आईआईएम काशीपुर के इग्जेक्यूटिव बैच (2018-2020) की एक टीम जिसका नाम "काशीरथी" है, को शिक्षा मंत्रालय (एम ओ ई) द्वारा 85,000 रुपये का वित्त पोषण अनुदान मिला। यह अनुदान डीआईसी, आईआईटी रुड़की द्वारा वितरित किया जाता है। शैक्षणिक संस्थानों में कोविड के बाद की स्थिति को संभालने के लिए "ढक्कन" नामक प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए अनुदान प्रदान किया जाता है। इस टीम ने एक ऐसा उपकरण विकसित किया है जो 2 मीटर की सुरक्षित दूरी का उल्लंघन करते ही लोगों को सचेत कर सकता है। यह एक बटन के आकार का सेंसर-आधारित अलार्म सिस्टम है। इस डिवाइस को ढक्कन (डीसीएन - डोंट कम नियर) नाम दिया गया है।

टीम इंस्पायर- बैक टू क्लासरूम इनिशिएटिव

आईआईएम काशीपुर के एमबीए विद्यार्थियों की एक टीम "इंस्पायर" को शिक्षा मंत्रालय द्वारा 58,500 रुपये का वित्त पोषण अनुदान प्राप्त हुआ है। यह अनुदान डीआईसी, आईआईटी रुड़की द्वारा वितरित किया जाता है। शैक्षणिक संस्थानों में कोविड के बाद की स्थिति को संभालने के लिए "बैक टू क्लासरूम इनिशिएटिव" नामक प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए अनुदान प्रदान किया जाता है। विकसित डिवाइस देश भर के स्कूलों और कॉलेजों दोनों में विद्यार्थियों के लिए एक सुरक्षित कक्षा का वातावरण बना सकता है, जिसमें पराबैंगनी कीटाणुनाशक विकिरण प्रौद्योगिकी का उपयोग करके बैक्टीरिया, वायरस और विभिन्न हानिकारक रोगजनकों के प्रसार को कम किया जा सकता है।

डिजाइन थिंकिंग एवं इनोवेशन का 6 महीने का ऑनलाइन कार्यक्रम

यह सेंटर आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों को डिजाइन सोच एवं नवाचार मार्गदर्शन प्रदान करने में शामिल है। यह केंद्र स्कूलों, आईटीआई और कॉलेजों को कार्यशालाएं और प्रशिक्षण सुविधा प्रदान करता है। इस कदम को आगे बढ़ाते हुए केंद्र ने अकादमिक, उद्योग, स्नातकों के लिए डिजाइन थिंकिंग एवं इनोवेशन के 6 महीने के ऑनलाइन कार्यक्रम का प्रस्ताव दिया है।

फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड आंट्रप्रनर्शिप डेवलपमेंट (एफआईईडी)

फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर का इनक्यूबेशन सेंटर है। यह एक सेक्शन 8 कंपनी है, जिसका उद्देश्य उत्तराखंड और उसके बाहर उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को पोषित एवं मजबूत करना है। इस निजी कंपनी का स्वामित्व एवं सञ्चालन आई आई ऍम काशीपुर द्वारा स्वयं के प्रांगण में किया जाता है।

एफआईईडी कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से परियोजनाएं परिचालित करता है और स्टार्टअप उत्तराखंड के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में काम करता है। इन परियोजनाओं के अलावा, एफआईईडी एकल उद्यमिता विकास कार्यक्रम उत्तराखंड राज्य में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए परिचालित तथा राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करता है।

उत्तराखंड एक कृषि राज्य होने के कारण, एफआईईडी मुख्य रूप से एग्री टेक में है। हालाँकि, यह अन्य क्षेत्रों के लिए एफआईईडी को निष्क्रिय नहीं बनाता है। इसके बजाय, एफआईईडी मुख्य रूप से निम्नलिखित छह क्षेत्रों से स्टार्टअप को प्रोत्साहित और इनक्यूबेट करता है:

- कृषि
- प्रौद्योगिकी
- पर्यटन एवं आतिथ्य
- कला एवं शिल्प
- आयुर्वेद एवं
- शिक्षा

वर्ष 2025 तक भारत में अग्रणी इन्क्यूबेटरों में से एक बनने के मिशन के साथ, एफआईईडी स्टार्टअप्स को मेंटरिंग, फंडिंग और विकास के लिए एक व्यापक वातावरण प्रदान करने का प्रयास करता है।

वर्ष 2020-21

वित्तीय वर्ष 2020-21 की शुरुआत कोविड 19 महामारी के प्रकोप के साथ हुई। केंद्र सरकार ने 24 मार्च 2020 को आधिकारिक लॉकडाउन लगा दिया था। देश भर के संस्थान अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिए गए। आवाजाही पर प्रतिबंध के कारण, इनक्यूबेशन सेंटर ने अपनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सहारा लिया तथा उत्तराखंड राज्य और उसके बाहर उद्यमिता को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को पूरा किया।

अप्रत्याशित रूप से, वर्ष 2020-21 के महामारी वर्ष में, एफआईईडी ने लॉकडाउन से उत्पन्न कठिनाइयों और देश को जकड़ने वाली महामारी के डर के बावजूद बहुत कुछ हासिल किया। एफआईईडी की उपलब्धियों के कुछ मुख्य अंश नीचे दिए गए हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

हालांकि, महामारी के कारण कैम्पस में इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अनुमति नहीं थी, फिर भी एफआईईडी ने कुछ साहसिक कदम उठाए तथा निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन करके काशीपुर और उसके आसपास अपने पांव पसारे हैं।

साहस एवं सक्षम कार्यक्रम

साहस एवं सक्षम कार्यक्रम भारत सरकार की आरकेवीवाई रफ्तार योजना के तहत आते हैं, जिसका प्रबंधन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किया जाता है। एफआईईडी ने आरकेवीवाई रफ्तार योजना के तहत अप्रैल 2020 में साहस और सक्षम कार्यक्रम शुरू किए। एफआईईडी को मिले 670 आवेदनों में से, इसने 50 उच्च क्षमता वाले कृषि स्टार्टअप का चयन, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन किया।

सहस एवं सक्षम कार्यक्रम कोविड 19 के कारण ऑनलाइन हो गया।

कार्यक्रम के अंत में 50 में से 15 स्टार्टअप को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से 5 से 25 लाख रुपये के बीच राशि प्राप्त हुई। स्टार्टअप्स की कुल संचयी निधीयन राशि रु 2.05 करोड़ रही।

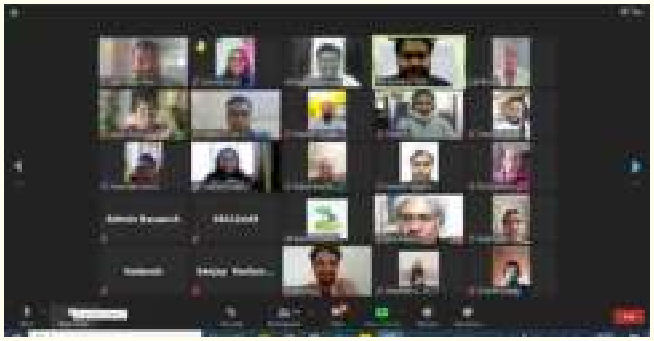

दृष्टि कार्यक्रम

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग परियोजना के तहत 'दृष्टि' एक इंक्यूबेशन कार्यक्रम है। दृष्टि को अप्रैल में लॉन्च किया गया था और प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 अगस्त 2021 को शुरू हुआ था। इसमें प्राप्त 430 आवेदनों में से 90 स्टार्टअप को उद्यमिता पर दो महीने के ग्रिलिंग सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। स्टार्टअप्स द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पिच प्रस्तुतियों के बाद, अंततः विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के समक्ष एफआईईडी का प्रतिनिधित्व करने के लिए 16 स्टार्ट-अप्स का चयन किया गया। ये 16 स्टार्ट-अप तकनीकी रूप से बहुत उन्नत थे, और उनके उत्पाद बाजार में हैं। ये पहले से ही प्रति वर्ष औसतन 17 लाख का राजस्व अर्जित कर रहे हैं। इन सभी 16 स्टार्टअप को फिलहाल एफआईईडी में इनक्यूबेट किया जा रहा है।

19 अगस्त, 2020 को दृष्टि कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर प्रो. कुलभूषण बलूनी और प्रो. सफल बत्रा

उदय कार्यक्रम

एफआईईडी ने उत्तराखंड ग्राम्य विकास समिति (यूजीवीएस) की छत्रछाया में किसानों के लिए एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। यह उत्तराखंड राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्व बैंक की एक आईएफएडी परियोजना है। उदय कार्यक्रम में कुल 280 प्रतिभागियों ने भाग लिया और ये उत्तराखंड के 12 जिलों से थे। यह कार्यक्रम रुद्रपुर में 17 दिसंबर 2020 एवं 25 जनवरी 2021 के बीच आयोजित किया गया। कोविड महामारी के कारण, पूरे कार्यक्रम को चार चरणों में विभाजित किया गया था और सख्त सोशल डिस्टैंसिंग के मानदंडों का पालन किया गया था।

इस कार्यक्रम में सैद्धांतिक अध्ययन (आईआईएम काशीपुर के प्रोफेसरों द्वारा लिया गया), व्यावहारिक अनुभव (वास्तविक समय के उद्यमियों द्वारा) तथा विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों (सरकारी अधिकारियों द्वारा संचालित) के माध्यम से एक झलक का सर्वोत्तम संभव मिश्रण था।

रुद्रपुर में उदय कार्यक्रम

विकास कार्यक्रम

विकास के दूसरे बैच में 20 प्रतिभागी थे, जिनमें मुख्य रूप से युवा शामिल थे। इन 20 प्रतिभागियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण सत्र पूरा किया। ये प्रतिभागी स्थानीय उद्योगपति, व्यवसायी, बैंकर और उद्यमी रहे, जो उद्यमिता को भी एक विकल्प के रूप में देखना चाहते हैं। सप्ताहांत कार्यक्रम फरवरी और मार्च के बीच दो महीने के लिए था। ये कक्षाएं रविवार को आयोजित की जाती थीं। यह कार्यक्रम काम करने वाले अनुभवी कर्मियों के लिए था। इसने निश्चित रूप से मिथकों की पकड़ को खत्म कर दिया तथा प्रतिभागियों को नवाचार के नए आयामों को प्राप्त करने के लिए और अधिक मंथन के लिए प्रेरित किया है।

प्री-इनक्यूबेशन कार्यक्रम

एफआईईडी स्टार्टअप उत्तराखंड के सहयोग से 4 फरवरी से 10 फरवरी 2021 के बीच एक प्री-इनक्यूबेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम को एफआईईडी एवं स्टार्टअप उत्तराखंड दोनों द्वारा बढ़ावा दिया गया था, जो आइडिया स्टेज में असफल हो गए हैं और यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि उद्यमिता को करियर के रूप में आगे बढ़ाया जाए या नहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि ये नवोदित उद्यमी आत्मविश्वास या आशा न खोएं और फिर से उद्यमिता की अपनी यात्रा शुरू करें।

कार्यक्रम में 10 सत्र हुए तथा लगभग 40+ प्रतिभागी कार्यक्रम में शामिल हुए।

महिला उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम

महिला दिवस (8 मार्च, 2021) के अवसर पर, आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने निम्न संस्थानों से महिला विद्यार्थियों के लिए एक ऑनलाइन उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

- डीआईटी यूनिवर्सिटी
- आईएमएस यूनियन
- देव भूमि
- इंजीनियरिंग कॉलेज

इसका कार्यक्रम में सुश्री दिव्या रावत, सौम्या फूड्स की मालकिन और मशरूम की खेती के लिए काफी प्रसिद्ध, जिसके कारण उनका नाम 'द मशरूम गर्ल' हुआ तथा सुश्री पूजा कौल, ऑर्गेनिको की संस्थापक और 30 साल से कम उम्र के फोर्ब्स के विजेताओं में से एक है, मुख्य वक्ता रहीं। उन्होंने अपनी वास्तविक उद्यमिता यात्रा को बताकर से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा युवा महिलाओं को इस तरह से प्रेरित किया कि कैसे एक महिला सितारों तक पहुंचने के लिए बेड़ियों को तोड़ सकती है। कार्यक्रम का आयोजन स्टार्टअप उत्तराखंड के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए और इसे बेहद सफल बनाया।

एफआईईडी की अन्य गतिविधियाँ

एफआईईडी में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अलावा, एफआईईडी ने पिछले वर्ष विभिन्न डोमेन क्षेत्रों से कुल 74 स्टार्टअप को इनक्यूबेट किया। एफआईईडी ने 36 कृषि आधारित स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट किया, जिनसे वित्त वर्ष 2020-21 में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से 5 (2.95 + 2.05) करोड़ रु. का फंड जुटाने में मदद की।

एफआईईडी ने डीएसटी परियोजना के तहत 36 टेक स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट किया। जनवरी 2022 में होने वाली इन्वेस्टर्स मीट में इन स्टार्टअप्स को निजी निवेशकों के सामने प्रस्तुति के लिए सीधा प्रवेश मिलेगा, जब ये स्टार्टअप अगले स्तर पर चले जाएंगे। एफआईईडी ने स्टार्टअप उत्तराखंड में एफआईईडी की नोडल एजेंसी के माध्यम से आवेदन करने वाले स्टार्टअप्स के पूल से दो स्टार्टअप को भी इनक्यूबेट किया।

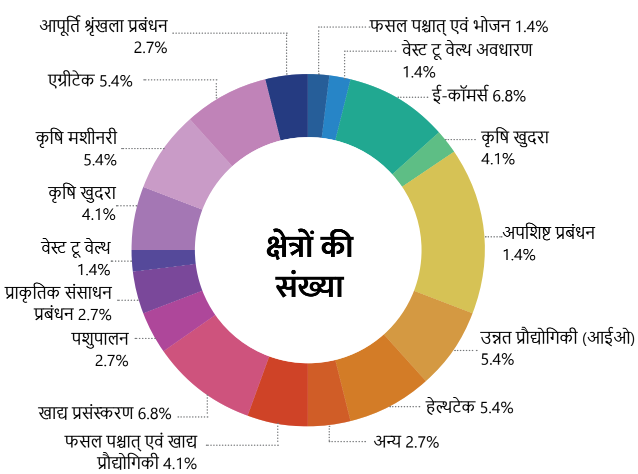

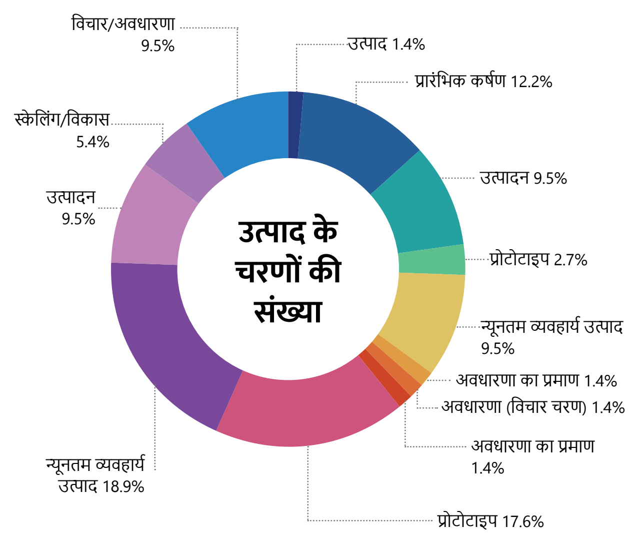

एफआईईडी में 74 स्टार्टअप की प्रोफाइल

इसके साथ ही, एफआईईडी और अल्फा वेंचर्स ने स्टार्ट-अप में इक्विटी फंडिंग में लिए सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एफआईईडी ने अल्फा वेंचर्स को कृषि के क्षेत्र में सात स्टार्ट-अप की सिफारिश की। निवेश करने वाली कंपनी ने पांच स्टार्ट-अप को चुना गया और अभी भी उनके साथ इक्विटी शेयरिंग पर बातचीत चल रही है। अल्फा वेंचर्स एफआईईडी से स्टार्ट-अप में 2 करोड़ रुपये के निवेश पर विचार कर रही है। ।

एफआईईडी को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से स्टार्ट-अप के लिए 1.23 करोड़ रुपये का अनुदान मिला। एफआईईडी ने 2019–20 आरकेवीवाई रफ्तार कार्यक्रम में चुने गए 22 स्टार्ट-अप के साथ 1.23 करोड़ रुपये की पहली किस्त वितरित की। स्टार्ट-अप को उनकी दूसरी किस्त रु. 2021-22 के अंत में 1.18 करोड़ की दूरी किस्त मिली।

इस बीच, एफआईईडी को स्टार्ट-अप उत्तराखंड के लिए नोडल एजेंसियों में से एक के रूप में मान्यता दी गई है, जिसके अंतर्गत स्टार्ट-अप उत्तराखंड योजना के तहत पंजीकृत स्टार्ट-अप्स को एफआईईडी द्वारा चयनित, प्रशिक्षित, वित्त पोषित और सलाह दी जाएगी।

सीएसआर निधि: परिवर्तन योजना के तहत एचडीएफसी स्मार्टअप कार्यक्रम

एफआईईडी ने स्मार्टअप प्रोग्राम में हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (एचडीएफसी) के साथ हाथ मिलाया है। स्मार्टअप प्रोग्राम एचडीएफसी का सीएसआर ड्राइव है, जो की टेक स्टार्टअप्स के व्यवसाय विस्तार के लिए निधि सृजन करने का माध्यम है।

एचडीएफसी बैंक की 'परिवर्तन' योजना, जो कि बैंक की सामाजिक पहलों के लिए एक योजना है, जिसका उद्देश्य समुदायों की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करके उनके भीतर स्थायी परिवर्तन करना है। इसके अन्य कार्यक्रमों में, कौशल विकास एक ऐसा क्षेत्र है जिसे बैंक विशेष रूप से भारत के युवाओं के लिए बेहतर आजीविका विकल्पों के विकास के लिए महत्वपूर्ण मानता है।

इस कार्यक्रम तथा भारत सरकार के "कौशल भारत" पहल के अनुरूप, एचडीएफसी एक मजबूत उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करता है जो भारत में स्टार्टअप व्यवसायों के विकास के लिए अनुकूल है। इस पहल के तहत, बैंक प्रमाणित बिजनेस इन्क्यूबेटरों के माध्यम से चुनिंदा सामाजिक रूप से इच्छुक स्टार्टअप्स को उनके विकास के महत्वपूर्ण चरणों में प्रोत्साहित करता है और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एफआईईडी इन इन्क्यूबेटरों में से एक है।

वित्त वर्ष 2020-21 में एचडीएफसी ने एडु-टेक सेक्टर में ही निवेश करने का फैसला किया था। एफआईईडी ने एडुटेक क्षेत्र से सात आवेदकों को विचार के लिए एचडीएफसी के पास भेजा। इन स्टार्टअप्स की गहन समीक्षा के बाद, एचडीएफसी ने अंतिम निधियन के लिए दो स्टार्टअप्स: लामामिया और फंडू क्लासेस का चयन किया।

प्रशिक्षु का नाम	कंपनी का नाम	क्षेत्र	स्थिति	वित्त पोषित राशि
सौंदर्या कटियार	लामामिया प्रा. लि.	एडुटेक	प्रारंभिक ट्रैक्शन	23.5 लाख
जसप्रीत अरोड़ा	फर्स्ट प्रिंसिपल ई-लर्निंग प्रा. लि.	एडुटेक	प्रारंभिक ट्रैक्शन	23.5 लाख

वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन: उत्तिष्ठा

आईआईएम काशीपुर में वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन 'उत्तिष्ठा' ने पिछले साल नई ऊंचाइयों को स्पर्श किया। हालांकि पूरे कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन मोड में किया गया था। इस कार्यक्रम में दुनिया भर के 45+ वक्ताओं एवं निवेशकों ने एक साथ आकर उन युवा मस्तिष्कों को प्रबुद्ध और समृद्ध किया, जिन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लिया था। स्कूली विद्यार्थियों से लेकर स्टार्टअप संस्थापकों तक सभी ने इस आयोजन की सराहना की और प्रत्येक हितधारक की जरूरतों को पूरा किया। पंजाब नेशनल बैंक इसका टाइटल स्पॉन्सर था।

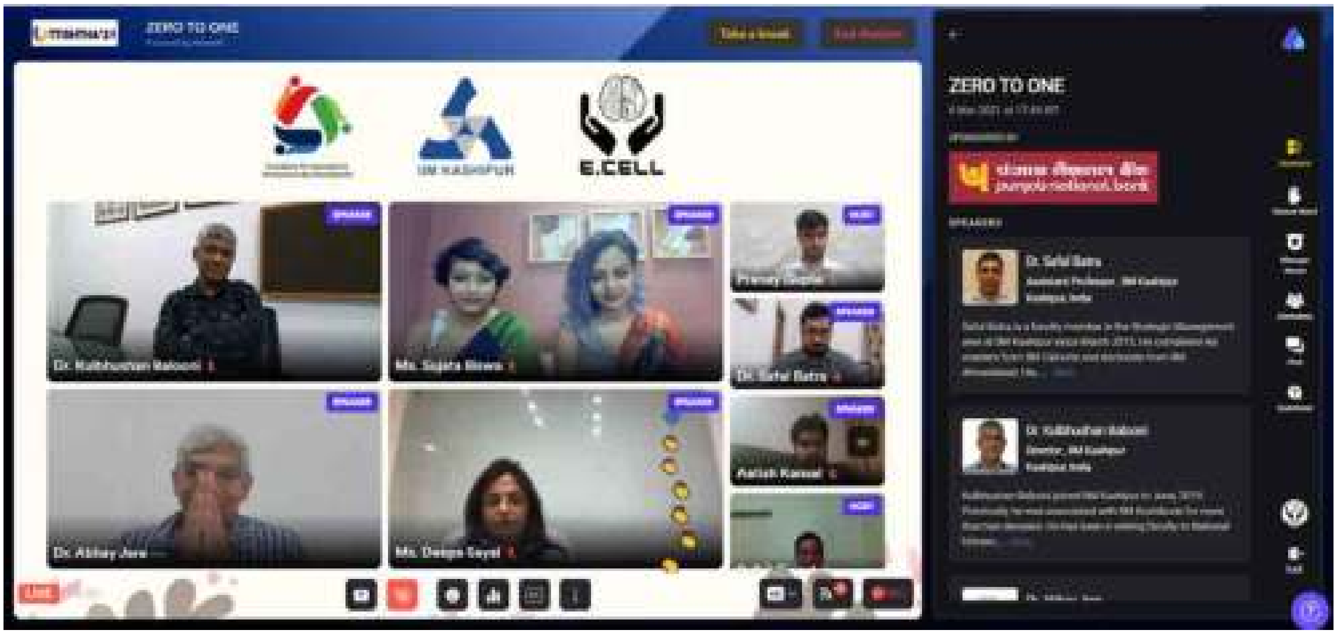

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति मुख्य रूप से दुनिया भर में सम्मानित विश्वविद्यालयों के साथ अंतरराष्ट्रीय साझेदारी बनाने एवं बनाए रखने का कार्य करती है। इस समिति का मुख्य उद्देश्य विभिन्न सांस्कृतिक एवं भौगोलिक सीमाओं को पार करते हुए शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग के माध्यम से शिक्षा और संस्कृति का निर्बाध आदान-प्रदान सुनिश्चित करना है। इसे सहयोगी संस्थानों में पेश किए जाने वाले कार्यक्रमों सहित कई क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।

सहयोग एवं विनिमय

आईआईएम काशीपुर शिक्षा एवं शोध के क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग के माध्यम से शैक्षणिक और सांस्कृतिक विनिमय विकसित करने के लिए अपने लगातार बढ़ते भागीदार संस्थानों के साथ अपने सहकारी संबंधों को मजबूत करता है। मुख्यतः आईआईएम काशीपुर और उसके सम्मानित भागीदारों ने समझौता ज्ञापन में निम्न निर्णय लिया:

- अपने संस्थानों में प्रस्तावित कार्यक्रमों सहित क्षेत्रों में सहयोग करना
- निम्नलिखित प्रकार के व्यावसायिक शिक्षा से संबंधित गतिविधियों या कार्यक्रमों के माध्यम से:
- विद्यार्थियों का अल्पकालिक विनिमय;
- संकाय का आदान-प्रदान; तथा
- संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों का विकास

वर्ष 2020 से, अब तक हमने निम्नलिखित संस्थानों के साथ सहयोग किया है:

- सीटीबीसी बिजनेस स्कूल ताइवान
- यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड (यूएएम), स्पेन

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में आईआईएम काशीपुर में पंद्रह अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जारी हैं।

सहयोगी विश्वविद्यालय एवं उनके हस्ताक्षर करने की तिथि

विश्वविद्यालय	एमओयू पर हस्ताक्षर की तिथि	एमओयू की वैधता
एस्डेस ल्यों, फ्रांस	13-11-2013 नवीनीकरण तिथि 14-02-2019	2019-2024
एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड	19-01-2016	2016-2021
अल्बा बिजनेस स्कूल, ग्रीस	20-02-2017	2017-2022
अलबोर्ग यूनिवर्सिटी, डेनमार्क	22-02-2017	2017-2022
इंटरनैशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ इंटरप्राइजेज, स्लोवेनिया	29-12-2017	2018-2023
कॉलर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, तेल अवीव यूनिवर्सिटी, इज़राइल	20-02-2018	2018-2023
वूसोंग यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया	13-07-2018	2018-2023
सैलफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम	08-01-2019	2019-2022
लिनिअस यूनिवर्सिटी, स्वीडन	16-08-2019	2019-2024
सूचो यूनिवर्सिटी, ताइवान	21-08-2019	2019-2024
कर्दन यूनिवर्सिटी, अफगानिस्तान	15-09-2019	2019-2024
तुरिबा यूनिवर्सिटी, लातविया	18-09-2019	2019-2024
यूनिवर्सिटी ऑफ लीमा	18-11-2019	2019-2024
सीटीबीसी बिजनेस स्कूल ताइवान	12-02-2020	2020-2025
यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड (यूएएम), स्पेन	03-03-2021	2021-2025

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रस्तुत प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) छोटी अवधि और लंबी अवधि के कार्यक्रम हैं, जिन्हें कार्यकारी अधिकारियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये कार्यक्रम या तो खुले कार्यक्रम हो सकते हैं जहां विभिन्न संगठनों के अधिकारी आईआईएम काशीपुर के संकाय द्वारा डिजाइन किए गए विशिष्ट कार्यक्रमों में भाग लेते हैं या संकाय उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को समझने के बाद संगठन के लिए एक अनुकूलित कार्यक्रम तैयार कर सकते हैं। आईआईएम काशीपुर एक बेहतर उद्योग-अकादमिक संबंध बनाने के प्रति प्रतिबद्ध है। आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रस्तुत एमडीपी के पोर्टफोलियो में सभी डोमेन में विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है ताकि इग्जेक्यूटिव्स को बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाया जा सके। आईआईएम काशीपुर में एमडीपी को वर्तमान व्यापार गतिशीलता के संयोजन के साथ डिजाइन किया गया है और प्रमुख व्यावसायिक बुनियादी विषयों जैसे प्रबंधकीय प्रभावशीलता, रणनीति, टीम निर्माण, लागत प्रबंधन, बिक्री और विपणन कौशल, संगठनात्मक परिवर्तन का प्रबंधन, आदि जैसे उभरते मुद्दों जैसे बिग डेटा, रचनात्मकता एवं नवाचार, डिजाइन सोच और नेतृत्व के आसपास केंद्रित किया गया है। ये कार्यक्रम या तो 'खुले नामांकन' या 'प्रायोजित' प्रकृति के हैं।

इस अध्यापन में विभिन्न प्रकार की शिक्षण विधियां शामिल हैं, जैसे केस स्टडीज, सिमुलेशन, रोल प्ले, क्लोज्ड ग्रुप ऐनलिसिस तथा अप्लाइड लर्निंग प्रोजेक्ट्स, सिद्धांत और व्यवहार पर व्याख्यान सत्र आदि। ये सत्र अनिवार्य रूप से संवादात्मक होते हैं, और प्रतिभागियों को सवाल उठाने, अवसरों की पहचान करने, जटिल समस्याओं को हल करने, परिचालन प्रदर्शन विकसित करने, उत्पादकता बढ़ाने और इस प्रक्रिया में स्थायी प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसे सत्रों के परिणामस्वरूप प्राप्त ज्ञान और अंतर्दृष्टि में उच्च-प्राथमिकता प्रबंधन चुनौतियों के लिए तत्काल अनुप्रयोग हैं। नतीजतन, प्रतिभागियों के साथ-साथ प्रायोजक संगठन को निवेश पर तेजी से और स्थायी-लाभ प्राप्त होता है।

अनुभवी प्रोफेसर, जो कॉर्पोरेट वास्तविकताओं से परिचित हैं, कार्यक्रमों का नेतृत्व करते हैं। कॉर्पोरेट जगत के विशेषज्ञों और चिकित्सकों को भी प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

सुविधानुसार कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर विभिन्न संगठनों, कॉर्पोरेट, केंद्र एवं राज्य दोनों स्तर पर सरकारी निकायों / विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, तकनीकी संस्थानों, ग्राहकों के व्यक्तिगत संगठनों से विशिष्ट कार्यकारी शिक्षण एवं / या कॉर्पोरेट प्रशिक्षण को संबोधित करने के लिए विशेष सुविधाजनक डिज़ाइन कार्यक्रम भी प्रदान करता है। इस प्रारूप के तहत, अपने कर्मचारियों की क्षमताओं को बढ़ाने या व्यावसायिक जीवन में उनके सामने आने वाली विशिष्ट समस्याओं को दूर करने के लिए उन्हें प्रशिक्षित करने हेतु ग्राहक संगठन के सहयोग से पाठ्यक्रम तैयार किए जाते हैं। ये कार्यक्रम पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और स्थान पर निर्धारित हैं। ऐसे कार्यक्रम डोमेन-विशिष्ट हो सकते हैं जैसे बिक्री एवं विपणन, संचालन, वित्त, रणनीति, नेतृत्व या अंतर-विषयक, जिसमें कई कार्यात्मक क्षेत्रों का इष्टतम मिश्रण शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2020-21 में आईआईएम काशीपुर द्वारा निम्नलिखित इन-कैंपस प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं:

कार्यक्रम का नाम	ग्राहक संगठन	अवधि
निर्णय लेने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)	19.08.2020 – 20.08.2020
राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू)	टीईक्यूआईपी III के तहत व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम IX	28.10.2020 – 30.10.2020
राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू)	टीईक्यूआईपी III के तहत व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम X	22.02.2021 – 24.02.2021
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) उत्तराखंड	उत्तराखंड के प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम - बैच 2	15.03.2021 – 19.03.2021
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) उत्तराखंड	उत्तराखंड के प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम - बैच 3	22.03.2021 – 26.03.2021

इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम (ऑनलाइन प्रारूप)

अवसरों को भुनाने के लिए, कार्यरत प्रबंधकों को क्रॉस-फ़ंक्शनल स्किल्स, रणनीतिक दृष्टि और बेहतर प्रबंधन विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। आधुनिक समय के संगठनों के प्रबंधकों और कार्यपालकों को उद्योग के रुझानों से अवगत रहने और उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए अपने कौशल को लगातार सुधारने तथा अपने व्यावसायिक कौशल को उन्नत करने की आवश्यकता है।

आईआईएम काशीपुर में इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम (कार्यकारी विकास कार्यक्रमों) को सभी स्तरों पर कार्यरत प्रबंधकों के बीच गुणवत्ता प्रबंधन शिक्षा को प्रभावी ढंग से देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये कार्यक्रम अनुभवी प्रोफेशनल्स को आज की सबसे जटिल व्यावसायिक चुनौतियों से निपटने के लिए शक्तिशाली ज्ञान, उपकरण और संसाधनों से लैस करते हैं। इसमें आईआईएम काशीपुर के प्रख्यात संकाय और उद्योग के विशेषज्ञ (विशेषज्ञों) द्वारा व्याख्यान दिए जाते हैं। ये कार्यक्रम मुख्य रूप से कक्षा अभ्यास, प्रस्तुतियों, टेक-होम अभ्यास, सिमुलेशन और केस स्टडी के संयोजन के माध्यम से पढ़ाए जाते हैं। पाठ्यक्रम का आयोजन एवं प्रयोग इस तरह से किया जाता है कि प्रतिभागी इनका अनुसरण विभीन्न व्यवसायिक पहलुओं में कर सकें।

ये कार्यक्रम मिश्रित कार्यक्रम हैं जिनमें ऑनलाइन और ऑन-कैंपस मॉड्यूल दोनों शामिल हैं। ऑनलाइन मॉड्यूल के लिए, शिक्षा का प्राथमिक तरीका लाइव व्याख्यान के माध्यम से होता है जो इंटरनेट के माध्यम से प्रतिभागियों के डेस्कटॉप/लैपटॉप या कक्षाओं (डी2डी मोड) में ऑनलाइन वितरित किया जाता है। ऑन-कैंपस मॉड्यूल आईआईएम काशीपुर परिसर में कक्षाओं में डिलीवर किए जाते हैं। ऑन-कैंपस मॉड्यूल की अवधि पाठ्यक्रम की मांग के अनुसार दो से पांच दिन हो सकती है।

वित्तीय वर्ष 2020-21 में आईआईएम काशीपुर द्वारा निम्नलिखित इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम प्रस्तुत किया गया था

कार्यक्रम का नाम	ऑनलाइन साझेदार	अवधि
फाइनेंशियल डेटा ऐनलिटिक्स बैच III (एफडीए III) में इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम	नुलर्न (ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्रा. लि.)	14.06.2020 - 06.12.2020
लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट बैच V (एलएससीएम V) में इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम	सेफएजुकेट लर्निंग प्रा. लि.	07.06.2020 – 15.12.2020
स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट में इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम बैच VIII (एसएम VIII)	नुलर्न (ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्रा. लि.)	13.09.2020 – 24.01.2021
स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट में इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम बैच IX (एसएम IX)	नुलर्न (ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्रा. लि.)	14.02.2021 – 06.06.2021
डिजिटल मार्केटिंग ऐनलिटिक्स में इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम बैच III (डीएमए III)	नुलर्न (ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्रा. लि.)	14.02.2021 – 25.0.20/21
अप्लाएड फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट में इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम बैच V (एएफआरएम V)	नुलर्न (ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्रा. लि.)	14.03.2021- 25.09.2021
डिजिटल मार्केटिंग ऐनलिटिक्स बैच IV (डीएमए IV) में इग्जेक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम	नुलर्न (ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्रा. लि.)	14.03.2021- 25.09.2021

संकाय एवं शिक्षाविद्

क्षेत्र	नाम
संप्रेषण	प्रो. बहरुल इस्लाम
	प्रो. स्मारक समरजीत
अर्थशास्त्र	प्रो. अतुलन गुहा
	प्रो. अभ्रदीप माइती
	प्रो. वैभव भमोरिया
वित्तीय लेखांकन	प्रो. के.एन. बधानी
	प्रो. कुणाल
	प्रो. आशीष कुमार
	प्रो. दिलीप कुमार
	प्रो. सूरज कुमार
	प्रो. धरणी
आईटी एवं सिस्टम	प्रो. मयंक शर्मा
	प्रो. के वेंकटराघवन
	प्रो हरीश कुमार
	प्रो. राजीव कुमार
विपणन	प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती
	प्रो. मधुरिमा देब
	प्रो. माला श्रीवास्तव
	प्रो. कुमकुम भारती
	प्रो. उत्कर्ष
	प्रो. प्रीति नरवाल
संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन	प्रो. राकेश कुमार अग्रवाल
	प्रो. देवजानी चटर्जी
	प्रो. ए वी रमन
	प्रो. मृदुल माहेश्वरी
	प्रो. राहुल अशोक कांबले
	प्रो. रामेश्वर शिवदास तुरे
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. कुणाल के गांगुली
	प्रो. सब्यसाची पात्रा
	प्रो. अलका आर्य
	प्रो. सुनील कुमार जौहर
	प्रो. देवेंद्र कुमार पाठक
	प्रो विवेक रॉय
	प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव
	प्रो. रचिता गुप्ता
रणनीति	प्रो. सफल बत्रा
	प्रो विवेक कुमार
	प्रो. शोभा तिवारी

विजिटिंग संकाय सदस्यगण

संकाय	शिक्षा	प्रोफेशनल अनुभव
प्रो. असित बर्मा	पीएच.डी., प्रबंधन अध्ययन संकाय, मद्रास विश्वविद्यालय	वर्तमान में वे आईएफआईएम बिजनेस स्कूल, बैंगलोर में मार्केटिंग एवं डिजिटल क्षेत्र में प्रोफेसर हैं
प्रो. हर्षवर्धन समालिया	पीएच.डी. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर, भारत - 2010	एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएम शिलांग
प्रो. विवेकानंद	एमबीए, मोनाश यूनिवर्सिटी मेलबर्न	विवेक आनंद 17 साल के अनुभव के साथ डेटा विज़ुअलाइज़ेशन सलाहकार हैं
प्रो. ऋषि सांवल	पीजीडीएम-आईआईएम अहमदाबाद-1999 - 2001; बी टेक (मैकेनिकल) आईआईटी बॉम्बे -1995 - 1999	प्रबंधन संस्थानों में अतिथि/अतिथि संकाय के रूप में प्रबंधन शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना
प्रो. नीरज द्विवेदी	भारतीय प्रबंध संस्थान, लखनऊ	प्रोफेसर, भारतीय प्रबंध संस्थान, लखनऊ
प्रो. आशुतोष कुमार सिन्हा	बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी, इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद, भारत, 1991, सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम, भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान, रांची, भारत, 2001, प्रबंधन में साथी कार्यक्रम (कॉर्पोरेट रणनीति एवं नीति क्षेत्र), आईआईएम बैंगलोर, भारत, 2004 - 2011	एसोसिएट प्रोफेसर (रणनीतिक प्रबंधन क्षेत्र) -भारतीय प्रबंध संस्थान, लखनऊ
प्रो. विशाल कुमार गुप्ता	पीएच.डी. (स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट विद् एम्फैसिस ऑन आंट्रप्रेन्योरशिप), यूनिवर्सिटी ऑफ मिसौरी	प्रबंधन विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ अलबामा, टस्कलोसा, एएल (यूएसए) एसोसिएट प्रोफेसर अगस्त 2017-वर्तमान
प्रो वेंकटेश के	पीजीडी, आईआईएम बैंगलोर	प्रोडक्ट इनोवेटर; मार्केटर; प्रौद्योगिकीविद्; सह-संस्थापक, फी प्लाजा एलएलपी, एक लाभदायक फिनटेक स्टार्टअप; निदेशक, कोलैबोरिटिव इन्फोटेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, एक सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी कंपनी
प्रो. मथुकुट्टी एम मोनिपल्ली	पीएचडी (1983) यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर, यूके	भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद: प्रोफेसर, 2000-14 (अधिवर्षिता)
प्रो. राहुल के शुक्ला	डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी, अंग्रेजी (संप्रेषण)	एक्सएलआरआई-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर, झारखंड, भारत में सामान्य प्रबंधन क्षेत्र में बिजनेस कम्यूनिकेशन के सहायक प्रोफेसर।
प्रो. यामिनी कृष्णा	पीएच.डी. फिल्म स्टडीज एंड विजुअल कल्चर, द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी (ईएफएलयू), दिसंबर 2019 में जमा	अंशकालिक संकाय, अन्नपूर्णा इंटरनेशनल स्कूल ऑफ फिल्म एंड मीडिया (एआईएसएफएम), हैदराबाद (जुलाई 2019 से वर्तमान तक)
प्रो. निभा भंडारी	एम.ए., पीजीडीएचआरएम, पीएच.डी.	डॉ निभा भंडारी एमडीआई गुड़गांव में बिजनेस कम्युनिकेशंस में संकाय हैं।
प्रो. मानस पॉल	पीएच.डी., आईजीआईडीआर मुंबई	वर्तमान में आईएमटी गाजियाबाद में अर्थशास्त्र, पर्यावरण और नीति क्षेत्र के प्रोफेसर और क्षेत्र अध्यक्ष

संकाय	शिक्षा	प्रोफेशनल अनुभव
प्रो. शुभलक्ष्मी सरकार	अर्थशास्त्र में पीएच.डी. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से (2007)	सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र क्षेत्र, 2008 से, प्रबंधन विकास संस्थान, गुड़गांव
श्री राहुल नैनवाल	ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, राजनीति, सार्वजनिक नीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध में फोकस के साथ सेंट क्रॉस कॉलेज में नेतृत्व और उत्कृष्टता पर शेवनिंग गुरुकुल फैलोशिप (2019), इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आणंद, भार, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल मैनेजमेंट	इंडियन स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी (आईएसपीपी); विजिटिंग फैकल्टी: 2019- वर्तमान, सेंटर फॉर अर्बन एंड रिलीजनल एक्सलेंस (क्योर) दिल्ली सलाहकार-जून 2019 -वर्तमान
प्रो विश्वनाथ पिंगली	पीएच.डी., अर्थशास्त्र विभाग, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, 2007 एमए (अर्थशास्त्र), नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, 2002 एम.एस. (क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स), भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कलकत्ता, 2001	एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
प्रो सोमदीप चटर्जी	अर्थशास्त्र में पीएचडी; यूनिवर्सिटी ऑफ ह्युस्टन (टीएक्स, यूएसए) अर्थशास्त्र में एमए; जादवपुर यूनिवर्सिटी (कोलकाता) अर्थशास्त्र में बीए (ऑनर्स); जादवपुर विश्वविद्यालय (कोलकाता)	आईआईएम लखनऊ में सहायक प्रोफेसर

शोध प्रकाशन, परियोजनाएं एवं संगोष्ठी श्रृंखलाएं

शोध प्रकाशन

- अभिषेक, बी., गुप्ता, पी., कौशिक, एम., किशोर, ए., कुमार, आर., शर्मा, ए., एवं वर्मा, एस. (2020). इंडियाज फुड सिस्टम इन द टाइम ऑफ कोविड-19. एकनामिक एंड पोलिटिकल वीक्ली, 55(15), 12-14.
- आदिल, एम., नसीर, एम., सादिक़, एम., एवं भारती, के. (2020). एसएसटीक्युअल मॉडेल: असेसमेंट ऑफ एटीएम सर्विस क्वालिटी इन ऐन एमर्जिंग एकॉनमी. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एक्सलेन्स, 22(1), 114-138.
- अली, ए., एवं बधानी, के. एन. (2020). बिटा-अनॉमली: एविडेन्स फ्रॉम द इंडियन ईक्विटी मार्केट. एशिया-पेसिफिक फाइनैन्षियल मार्केट्स, 28(1), 55-78.
- अमोनकर, आर., रॉय, वी., एवं पटनायक, डी. (2021, अप्रैल). इंटरमोडल सर्विस सप्लाइ चैन एंड सीपॉर्ट लॉजिस्टिक्स पर्फॉर्मेन्स. सप्लाइ चैन फोरम: ऐन इंटरनॅशनल जर्नल, 22(2), 171-187.
- अनवर, आई., सलीम, आई., इस्लाम, के. एम. बी., थॉउडेम, पी., एवं ख़ान, आर. (2020). एंट्रेपरेन्यूरियल इंटेन्षन अमाँग फीमेल यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स: एग्ज़ॅमिनिंग द मॉडारेटिंग रोल ऑफ एंट्रेप्रेन्योरियल एजुकेशन. जर्नल फॉर इंटरनॅशनल बिजनेस एंड आंट्रप्रेन्योरशिप डेवेलपमेंट, 12(4), 217-234.
- आर्या, ए., एवं सिंह, एस. (2021). डेवेलपमेंट ऑफ टू-स्टेज पॅरलेल-सीरीस सिस्टम विद् फज़्ज़ी डेटा: ए फज़्ज़ी डी अप्रोच. सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 25(4), 3225-3245.
- चौबे, एस., एवं कर्मकार, जी. पी. (2021). आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स टेक्नीक्स एंड देयर अप्लिकेशन इन आयिल एंड गॅस इंडस्ट्री. आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स रिव्यू, 54(5), 3665-3683.
- दास, डी., कननाधसन, एम., एवं भट्टाचार्य, एम. (2020). आयल प्राइस शॉक्स एंड एमर्जिंग स्टॉक मार्केट्स रिविज़िटेड. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ एमर्जिंग मार्केट्स, https://doi.org/10.1108/IJO-EM-02-2020-0134.
- देब, एम. (2020). ऐन एंपिरिकल इन्वेस्टिगेशन ऑन हेरिटेज डेस्टिनेशन पोज़िशनिंग एंड लायल्टी. करेंट इश्यूस इन टूरिसम, https://doi.org/10.1080/13683500.2020.1803806.
- देब, एम. (2021). द इंपॅक्ट ऑफ स्केप्टिसिसम इन कॉस-रिलेटेड मार्केटिंग कँपेन्स ऑन ऑडियेन्सस' बिहेवियरल इंटेन्षन्स विद् रिलाइजियासिटी ऐज अ मॉडारेटर. इंटरनॅशनल रिव्यू ऑन पब्लिक एंड नॉन-प्रॉफिट मार्केटिंग, https://doi.org/10.1007/s12208-021-00278-3.
- देब, एम., एवं लोमो-दवीड, ए. (2020). ऑन द हिडोनिक वर्सस यूटाइलिटेरियन मेसेज अपील इन बिल्डिंग बाइयिंग इंटेन्षन इन द लक्जरी होटल इंडस्ट्री. जर्नल ऑफ हॉस्पिटालिटी एंड टूरिसम मैनेजमेंट, 45, 615-621.
- देब, एम., एवं लोमो-डेविड, ए. (2021). डिटर्माइनॅंट्स ऑफ वर्ड ऑफ माउथ इंटेन्शन फॉर ए वर्ल्ड हेरिटेज साइट: द केस ऑफ द सन टेंपल इन इंडिया. जर्नल ऑफ डेस्टिनेशन मार्केटिंग एवं मैनेजमेंट, 19, https://doi.org/10.1016/j.jdmn2020.100533.
- देब, एम., शर्मा, वी. के., एवं अमावटे, वी. (2021). सीआरएम, स्केप्टिसिसम एंड पॅट्रनेज इंटेन्षन—द मीडियेटिंग एंड मॉडारेटिंग रोल ऑफ सॅटिस्फॅक्श एंड रिलाइजियासिटी. जर्नल ऑफ स्ट्रॅटेजिक मार्केटिंग, https://doi.org/10.1080/0965254j.2020.1733048.
- देवी वाई., एवं गांगुली, कुणाल. (2021). सोशियल मीडीया इन ऑपरेशन्स एंड सप्लाइ चैन मैनेजमेंट: ए सिस्टमॅटिक लिटरेचर रिव्यू टू एक्सप्लोर द फ्यूचर. ऑपरेशन्स एंड सप्लाइ चैन मैनेजमेंट आन इंटरनॅशनल जर्नल, 14(2), 232 – 248.
- धीर, ए., कोष्टा, एन., गोयल, आर. के., साक्षिता, एम., एवं आलमोटारी, एम. (2021). बिहविओरल रीज़निंग थियरी (बीआरटी) पर्स्पेक्टिव्स ऑन ए-वेस्ट रिसाइकलिंग एंड मैनेजमेंट. जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 280, https://doi.org/10.1016/j.jclepro.2020.124269.
- फ़ातिमा, एस., एवं इस्लाम, के. एम. बी. (2021). नेगोशियेटिंग जेंडर स्पेसस इन मेनस्ट्रीम बॉलीवुड नॅरेटिव्स. मिज़जाइनी अक्रॉस ग्लोबल मीडीया, 203.
- गौर, जे., एवं भारती, के. (2021). मॉडलिंग स्टार्ट-अप बॅरियर्स एंड सल्यूशन्स यूज़िंग फज़्ज़ी अनलिटिक हाइयरार्की प्रोसेस (एएचपी) एंड फज़्ज़ी टोप्सिएस. साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 28(1).
- गौर, जे., एंड भारती, के. (2020). एट्रिब्यूशन मॉडलिंग इन मार्केटिंग: लिटरेचर रिव्यू एंड रिसर्च एजेंडा. अकैडेमी ऑफ मार्केटिंग स्टडीस जर्नल, 24(4), 1-21.
- गोस्वामी, ए. के., अग्रवाल, आर. के., एवं गोस्वामी, एम. (2020). इन्फ्लुयेन्स ऑफ नॅशनल कल्चर ऑन नालेज मैनेजमेंट प्रोसेस: लिटरेचर रिव्यू एंड रिसर्च .. बेंचमार्किंग: आन इंटरनॅशनल जर्नल, 28(4), 1186-1212.
- गोस्वामी, एम., अग्रवाल, आर. के., एवं गोस्वामी, ए. के. (2020). एथिकल लीडरशिप इन ऑर्गनाइज़ेशन्स: एविडेन्स फ्रॉम द फील्ड. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ एथिक्स एंड सिस्टम्स, 37(1), 122-144.

- गुमपर्थी, वी. पी., एवं श्रीवास्तव, एम. (2020). मैनेजमेंट एसेन्षियल्स: ए रेसिपी फॉर बिजनेस सक्सेएस. साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 27(2), 232-235.
- गुप्ता, ए., बत्रा, एस., एवं गुप्ता, वी. के. (2020). जेंडर, कल्चर, एंड इंप्लिसिट थियरीस एबाउट आंट्रप्रन्योर्स: ए क्रॉस-नॅशनल इन्वेस्टिगेशन. स्माल बिजनेस एकनॉमिक्स, https://doi.org/10.1007/s11187-020-00434-9.
- गुप्ता, पी., सचान, ए., एवं कुमार, आर. (2020). डिफरेंट स्टेजस ऑफ द ए-सर्विस डेलिवरी सिस्टम प्रोसेस: बिलीफ–आटिट्यूड–इंटेन्षन फ्रेम्वर्क. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ रीटेल एवं डिस्ट्रिब्यूशन मैनेजमेंट, 48(7), 687-706.
- गुप्ता, आर., एवं भामोरिया, वी. (2021). 'गिव मे सम रेल': ऐन एंक्वाइरी इंटो पज़्ज़ील ऑफ डिक्लाइनिंग फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रते. मैनेजमेंट एंड लेबर स्टडीस, 46(1), 7-23.
- गुप्ता, आर., एवं त्रिवेदी, एस. (2020). एक्सप्लोरिंग द बॅकयार्ड ऑफ एनकोविड: डिटर्माइनँट्स ऑफ डेथ टोल इन पैनडेमिक्स. एशिया पेसिफिक जर्नल ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट, 15(3), 110-117.
- जैन, ए., एवं माहेश्वरी, एम. (2020). ऐन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन इंटरजेनरेशनल लर्निंग इन इंडियन इट वर्कस्पेएस. साउथ एशियन जर्नल ऑफ ह्मन रिसोर्सस मैनेजमेंट, 7(2), 233-256.
- जोइस, ए., एवं चक्रवर्ती, एस. (2020). कंप्लेसेन्सी लीडिंग टू रेड्यूस्ड कॉंपिटेटिव इंटेन्सिटी इन द इंडियन इन्फर्मेशन टेक्नालजी सर्वीसज़ सेक्टर रिज़ल्टिंग इन डाइमिनिश्ड मार्केट ऑपर्चुनिटी. ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, https://doi.org/10.1177/0972150920926957.
- कौशिक, वी., कुमार, ए., गुप्ता, एच., एवं दीक्षित, जी. (2020). ए हाइब्रिड डिसिशन मॉडेल फॉर सप्लाइयर सिलेक्शन इन ऑनलाइन फ़ॅशन रीटेल (ओएफआर). इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ लजिस्टिक्स रिसर्च एंड अप्लिकेशन्स, https://doi.org/10.1080/13675567.2020.1791810.
- कोष्टा, एन., बशीर,एच. ए., एवं समद, टी. ए. (2020). फॉरेन ट्रेड, फाइनान्षियल डेवेलपमेंट, एग्रिकल्चर, एनर्जी कन्सुंप्षन एंड CO2 एमिशन: टेस्टिंग एकक अमॉंग एमर्जिंग एकॉनमीएस. इंडियन ग्रोथ एंड डेवेलपमेंट रिव्यू, https://doi.org/10.1108/IGDR-10-2019-0117.
- कुलश्रेष्ठ, अनुराग, वेंकटराघवन कृष्णस्वामी, एवं मयंक शर्मा (2020) "बायसियन बिलस्टम अप्रोच फॉर टूरिज्म डिमँड फोरकॅस्टिंजी." ऐनल्स ऑफ टूरिसम रिसर्च, 83, https://doi.org/10.1016/j.annals.2020.102925.
- कुमार, ए. (2020). एंपिरिकल इन्वेस्टिगेशन ऑफ हरडिंग इन क्रयपतोकुर्रेंसी मार्केट अंडर डिफरेंट मार्केट रेजीम्स. रिव्यू ऑफ बहविओरल फाइनान्स, https://doi.org/10.1108/RBF-01-2020-0014.
- कुमार, ए., बधानी, के. एन., बौरी, ए., एवं सईद, टी. (2020). हरडिंग बिहेवियर इन द कमॉडिटी मार्केट्स ऑफ द एशिया-पेसिफिक रीजन. फाइनान्स रिसर्च लेटर्स, https://doi.org/10.1016/j.frl.2020.101813.
- कुमार, ए., विश्वकर्मा, एन. के., अदलखा, ए., एवं मुखर्जी, के. (2020). हाउ सक्सेस्फुल हॅव द लॉकडाउन्स बिन इन कंट्रोलिंग द (कोविड-19/सार्स-सीओवी-2) पँडेमिक-आ सिम्युलेशन-बेस्ड एनॅलिसिएस. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ मॉडलिंग, सिम्युलेशन, एंड साइंटिफिक कंप्यूटिंग, https://doi.org/10.1142/s1793962320410020.
- कुमार, एन., एवं गांगुली, के. के. (2020). एक्सटर्नल डिफेयूषन ऑफ बी2बी ए-प्रोक्यूर्मेंट एंड फर्म फाइनान्षियल पर्फॉर्मेन्स: रोल ऑफ इन्फर्मेशन ट्रॅन्स्परेन्सी एंड सप्लाइ चैन कोआर्डिनेशन. जर्नल ऑफ एंटरप्राइज़ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, https://doi.org/10.1108/JEIM-02-2020-0060.
- कुमार, एन., एवं गांगुली, कुणाल. (2021). इंपॅक्ट ऑफ प्रोफेशनलिसम ऑफ वर्कप्लेस लर्निंग सपोर्ट टीम ऑन लर्निंग आउट कम. जर्नल ऑफ वर्कप्लेस लर्निंग, डोई 10.1108/JWL-04-2020-0067.
- कुमार, आर., कुमार, आर., सचान, ए., एवं गुप्ता, पी. (2020). ऐन एग्ज़ॅमिनेशन ऑफ द ए-गवर्नमेंट सर्विस वॅल्यू चैन. इन्फर्मेशन टेक्नालजी एवं पीपल, https://doi.org/10.1108/ITP-09-2018-0438.
- कुमार, आर., सचान, ए., एवं दत्ता, टी. (2020). एग्ज़ॅमिनिंग द इंपॅक्ट ऑफ ए-रीटेलिंग कन्वीनियेन्स डाइमेन्षन्स ऑन विहैविरल इंटेन्षन: द मीडियेटिंग रोल ऑफ सॅटिस्फॅक्षन. जर्नल ऑफ इंटरनेट कॉमर्स, 19(4), 466-494.
- कुमार, एस., एवं प्रसन्ना, के. (2020). लिक्विडिटी कॉमनॅलिटी ऑन नॅशनल स्टॉक एक्सचेंज: साइज़ एंड सेक्टर एफेक्ट. अप्लाइड एकनॉमिक्स लेटर्स, 1-14.
- कुमार, वी., एवं श्रीवास्तव, ए. (2021). मॅपिंग द एवोल्यूशन ऑफ रिसर्च थीम्स इन बिजनेस एथिक्स: ए को-वर्ड नेटवर्क अनॅलिसिएस. वाइन जर्नल ऑफ इन्फर्मेशन एंड नालेज मैनेजमेंट सिस्टम्स, https://doi.org/10.1108/vJIKMS-10-2020-0199.
- माहेश्वरी, एम., समाल, ए., एवं भामोरिया, वी. (2020). रोल ऑफ एंप्लायी रिलेशन्स एंड हरम इन ड्राइविंग कमिटमेंट टू ससटेनबिलिटी इन मसमे फर्म्स. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्टिविटी एंड पर्फॉर्मेन्स मैनेजमेंट, 69(8), 1743-1764.
- माइती, ए. (2021). एफेक्ट ऑफ कॉर्प्रल पनिशमेंट ऑन यंग चिल्ड्रेन'स एजुकेशनल आउट्कम्स. एजुकेशन एकनॉमिक्स, 1-13.
- मनचंदा, एम., एवं देब, एम. (2021). ऑन एम-कॉमर्स अडॉप्षन एंड आग्मेंटेड रिलिटी: ए स्टडी ऑन अपॅरल बाइयिंग यूज़िंग एम-कॉमर्स इन इंडियन कॉंटेक्स्ट. जर्नल ऑफ इंटरनेट कॉमर्स, https://doi.org/10.1080/15332861.2020.1863023.
- मतीन, ए., श्रीवास्तव, ए., एवं चटर्जी, ए. के. (2020). स्ट्रॅटेजिक सेलेक्शन ऑफ वम रिप्लेनाइशमेंट पॉलिसी विद् एमिशन कॉस्ट्स: ऐन ऐनलिटिकल अप्रोच. डिसिशन साइन्सस, 47(4), 401-414.

- मंडल, जे., एवं चक्रवर्ती, एस. (2021). इनसाइट्स एंड अनॅटमी ऑफ ब्रांड एक्सपीरियेन्स इन ऐप-बेस्ड रीटेलिंग (ईआरबीएक्स): क्रिटिकल प्ले ऑफ फिज़िकल एविडेन्स एंड एंजाय्मेंट. जर्नल ऑफ रीटेलिंग एंड कन्ज़्यूमर सर्वीसज़, 60, https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2021.102484.
- मुरुगेसन, वी. एस., जौहर, एस. के., एवं स्क्रेरा, ए. एच. (2021). अप्लाइयिंग सिम्युलेशन इन लीन सर्विस टू एन्हॅन्स द ऑपरेशनल सिस्टम इन इंडियन पोस्टल सर्विस इंडस्ट्री. आनल्स ऑफ ऑपरेशन्स रिसर्च, 1-25.
- नरवाल, पी., नायक, जे. के., एवं राई, एस. (2021). एसेसिंग कस्टमर्स' मोरल डिसेंगेज्मेंट फ्रॉम रेसिप्रोसिटी कन्सर्न्स इन पर्टिसिपेटिव प्राइसिंएच. जर्नल ऑफ बिजनेस एथिक्स, 1-18. https://doi.org/10.1007/s10551-021-04782-8.
- ओमानवर, एस. पी., एवं अग्रवाल, आर. के. (2021). सर्वेंट लीडरशिप, ऑर्गनाइज़ेशनल आइडेंटिफिकेशन एंड टर्नोवर इंटेन्षन: आन एंपिरिकल स्टडी इन हॉस्पिटल्स. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ ऑर्गनाइज़ेशनल अनॅलिसिस, https://doi.org/10.1108/IJOA-08-2020-2374.
- ओमानवर, एस., एवं चटर्जी, डी. (2020). फॉरटिस: रिस्ट्रक्चरिंग सर्विस एक्सलेन्स ट्रैनिंग इन इंडियन हेल्थकेयर इंडस्ट्री. ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, https://doi.org/10.1177%2f0972150920929196.
- पाठक, डी. के., शंकर, आर., एवं चौधरी, ए. (2021). पर्फॉर्मेन्स असेसमेंट फ्रेम्वर्क बेस्ड ऑन कॉंपिटेटिव प्राइयारिटीस फॉर सस्टेनबल फ्रेट ट्रॅन्स्पोर्टेशन सिस्टम्स. ट्रॅन्स्पोर्टेशन रिसर्च पार्ट द: ट्रांसपोर्ट एंड एन्वाइरन्मेंट, 90, https://doi.org/10.1016/j.trd.2020.102663.
- क़मर, वाई., एवं समद, टी. ए. (2021). ह्मन रीसोर्स अनलयटिक्स: ए रिव्यू एंड बिब्लियोमेट्रिक अनॅलिसिएस. पर्सनेल रिव्यू, https://doi.org/10.1108/pr-04-2020-0247.
- राई, एस. एस., अंसारी, ई. ए., गांगुली, के., गिरी, एस., एवं राई, एस. (2021). लीन प्रॅक्टिसस इन हॉमएस्टे ऑपरेशन्स: ए केस स्टडी. जर्नल ऑफ क्वालिटी अश्यूरेन्स इन हॉस्पिटालिटी एवं टूरिसम, 22(4), 395-424.
- रॉय, वी. (2021). कॉनट्रास्टिंग सप्लाइ चैन ट्रेसेबिलिटी एंड सप्लाइ चैन विज़िबिलिटी: आर द इंटरचेंजबल?,इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ लजिस्टिक्स मैनेजमेंट, 32(3), 942-972.
- रॉय, वी., एवं स्कॉनहर, टी. (2020). इंप्लिकेशन्स ऑफ सेक्टोरल लजिस्टिकल केपबिलिटीस फॉर एक्सपोर्ट कॉंपिटिटीव्नेस: ए पब्लिक पॉलिसी पर्स्पेक्टिव फॉर इंटरवेन्षन्स इन द लजिस्टिक्स सेक्टर. आईईईई ट्रॅन्सॅक्षन्स ऑन इंजिनियरिंग मैनेजमेंट, https://doi.org/10.1109/TEM.2020.3024240.
- सचदेव, एल., माहेश्वरी, एम., एवं जोसेफ, जे. (2020). " विमन-ऐज-एंप्लायीस" एंड द रिप्रोडक्षन ऑफ रेजीम्स ऑफ एक्सक्लूषन. इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशन्स, 55(4).
- सादिक़, एम., पॉल, जे., एवं भारती, के. (2020). डिसपोज़िशनल ट्रेट्स एंड ऑर्गॅनिक फुड कन्संप्षन. जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 266, https://doi.org/10.1016/j.jclepro.2020.121961.
- साहू, ए. के., पाधी, आर. के., एवं धीर, ए. (2020). एनविजनिंग द फ्यूचर ऑफ विहैविरल डिसिशन-मेकिंग: ए सिस्टमॅटिक लिटरेचर रिव्यू ऑफ विहैविरल रीज़निंग थियरी. ऑस्ट्रालेषियन मार्केटिंग जर्नल (एएमजे), 28(4), 145-159.
- साहू, ए. के., पाधी, आर. के., दास, डी., एवं गौतम, ए. (2021). इंप्रूविंग फाइनान्षियल एंड एन्वाइरन्मेंटल पर्फॉर्मेन्स थ्रू एमएफके: ए सेम केस स्टडी. जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 279, https://doi.org/10.1016/j.jclepro.2020.123751.
- समाल, ए., एवं चटर्जी, डी. (2020). रीथिंकिंग ऑर्गनाइज़ेशनल चेंज: टुवर्ड्स ए कॉन्सेप्च्यूयल फ्रेम्वर्क. साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 27(2), 30-53.
- सामंता, ए. के., वारप्रसाद, जी., एवं पाधी, आर. (2021). ए सिस्टमॅटिक रिव्यू ऑफ एंपिरिकल स्टडीज परटेनिंग टू लीन, सिक्स सिग्मा एंड लीन सिक्स सिग्मा क्वालिटी इंप्रूव्मेंट मेथडॉलजीस इन पीडिट्रिक्स. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एक्सलेन्स, 23(1), 18-32.
- संगुरी, के., एवं मुखर्जी, के. (2021). फोरकॅस्टिंग ऑफ इंटरमिटएंट डिमॅंड्स अंडर द रिस्क ऑफ इन्वेंटरी ऑब्सलेसएन्स. जर्नल ऑफ फोरकॅस्टिंग, https://doi.org/10.1002/FoR2761.
- संगुरी, के., भूयन, ए., एवं पात्रा, एस. (2020). ए सेमॅंटिक सिमिलॅरिटी अड्जस्टेड डॉक्युमेंट को-साइटेशन अनॅलिसिस: ए केस ऑफ टूरिसम सप्लाइ चैन. साइंटोमेट्रिक्स, 125(1), 233-269.
- संगुरी, के., गांगुली, के., एवं पांडे, ए. (2021) मॉडेलिंग द बॅरियर्स टू लो ग्लोबल वॉरमिंग पोटेन्षियल रेफ्रिजरेंट्स अडॉप्षन इन डेवेलपिंग कंट्रीज़: ए केस ऑफ इंडियन रेफ्राइजरेशन इंडस्ट्री. जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 280, https://doi.org/10.1016/j.jclepro.2020.124357.
- सिंधु, पी., एवं भारती, के. (2020). मॅपिंग कस्टमर एक्सपीरियेन्स: ए टैक्सोनॉमिकल स्टडी यूज़िंग बिब्लियोमेट्रिक विष्वलाइज़ेशन. वाइन जर्नल ऑफ इन्फर्मेशन एंड नालेज मैनेजमेंट सिस्टम्स, https://doi.org/10.1108/VJIKMS-11-2019-0178.
- सिंह, ए. के., एवं मुखर्जी, के. (2021). ए पेनाल्टी-रिवॉर्ड सिस्टम फॉर प्रो-एन्वाइरन्मेंटल प्रॉजेक्ट एक्सेक्यूशन. अप्लाइड एकनॉमिक्स लेटर्स, https://doi.org/10.1080/13504851.2020.1870918.
- सिंह, एच., एवं चक्रवर्ती, एस. (2020). डिफाइनिंग द रिलेशन्षिप बिट्वीन कन्स्यूमर्स एंड रीटेलर्स थ्रू यूज़र-जेनरेटेड कॉंटेंट: इनसाइट्स फ्रॉम द रिसर्च लिटरेचर. इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ रीटेल एवं डिस्ट्रिब्यूशन मैनेजमेंट, 49(1), 41-60.

- सिंह, वी. पी., एवं गांगुली, के. (2020). आ सपोर्टिंग फ्रेम्वर्क फॉर एस्टीमेटिंग नो फॉल्ट फाउंड कॉस्ट: डेवेलपमेंट एंड अप्लिकेशन इन द एरक्रॅफ्ट मृो इंडस्ट्री. जर्नल ऑफ क्वालिटी इन मेंटेनेन्स इंजिनियरिंग, https://doi.org/10.1108/JQME-01-2020-0005.
- श्रीवास्तव, ए., कुमार, आर., गुप्ता, एस. के., रशीद, एम., एवं उमराव, एल. एस. (2021). नॉवेल टेक्नीक टू डिटेक्ट नेटवर्क एरर ओर मॉडिफिकेशन ऑफ वोट्स ड्यूरिंग ट्रॅन्समिशन इन ऑनलाइन वोटिंग सिस्टएम. जर्नल ऑफ डिसक्रीट मॅथेमॅटिकल साइन्सस एंड क्राइप्टोग्रफी, https://doi.org/10.1080/09720529.2020.1794514.
- श्रीवास्तव, एम., एवं गोसाईं, ए. (2020). इंपॅक्ट ऑफ सर्विस फेल्यूर अट्रिब्यूशन्स ऑन डिससटिस्फैक्शन: रिविज़िटिंग आट्रिब्यूशन थियरी. जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च, 20(2), 99-112.
- स्वामी, वी., एवं धारणी, एम. (2021). थ्रेशहोल्ड्स इन फाइनान्स–ग्रोथ नेक्सस: एविडेन्स फ्रॉम जी-7 एकॉनमीएस. ऑस्ट्रेलियन एकनामिक पेपर्स, 60(1), 1-40.
- तंगवेलु, एम., कृष्णस्वामी, वी., एवं शर्मा, एम. (2020). कॉंप्रेहेन्सिव इन्फर्मेशन सेक्यूरिटी अवेर्नेस (सीआईएसए) इन सेक्यूरिटी इन्सिडेंट मैनेजमेंट (सिम): ए कॉन्सेप्च्वलिज़ेशन. साउत एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 27(2).
- त्रेहन, डी., एवं शर्मा, आर. (2020). असेसिंग अड्वर्टाइज़्मेंट क्वालिटी ऑन सी2सी सोशियल कॉमर्स प्लॅटफॉर्म्स: ऐन इन्फर्मेशन क्वालिटी अप्रोच यूज़िंग टेक्स्ट माइनिंग. ऑनलाइन इन्फर्मेशन रिव्यू, 45(1), 46-64.
- उत्कर्ष, पांडे, ए., अस्टा, ए., स्पीगल्मन, ए., एवं सुटन, ए. (2020). एक्सप्लोरेशन ऑफ फाइनान्शियल स्ट्रेस इंडिकेटर्स इन ए डेवेलपिंग एकॉनमी. स्ट्रॅटेजिक चेंज, 29(3), 285-292.
- वेंकटरामन, ए., एवं वेंकटरामन, ए. (2020). लॉकडाउन एवं मे...!! रिफ्लेकशन्स ऑफ वर्किंग विमन ड्यूरिंग द लॉकडाउन इन वडोदरा, गुजरात-वेस्टर्न इंडिया. जेंडर, वर्क एवं ऑर्गनाइज़ेशन, https://doi.org/10.1111/gwao.12572.

शोध परियोजनायें

वाह्य रूप से वित्त पोषित

- ऐसेसिंग द इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन टूरिज्म सेक्टर ऑफ उत्तराखंड एंड स्ट्रैटेजी फॉर वे फॉरवर्ड
- प्रो. आर के पाधी (पीआई) और प्रो. कुणाल गांगुली (सह-पीआई)

आंतरिक रूप से वित्त पोषित

- कन्स्यूमर्स" ओरियेंटेशन टुवर्ड्स द सेफ्टी ऑफ एन्वाइरन्मेंट: ए स्टडी ऑफ उत्तराखंड स्टेट."

  प्रो. कुमकुम भारती
- - पर्फॉर्मेन्स अप्रेज़ल ऐंड द इंडियन आईटीईएस सॉफ्टवेर एंप्लाई ऐन एथनोग्रॅफिक स्टडी.

  प्रो. ए वी रमन

शोध संगोष्ठी श्रृंखला

- बॉन्ड बिजनेस स्कूल एवं यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग के एसोसिएट एडिटर डॉ. रजत रॉय ने 22 दिसंबर, 2020 को "प्रयोगात्मक डिजाइन" पर पहली शोध संगोष्ठी में प्रस्तुति दी।
- शुलिच स्कूल ऑफ बिजनेस, यॉर्क यूनिवर्सिटी के प्रो. रसेल डब्ल्यू. बेल्क ने 13 फरवरी, 2021 को "गुणात्मक अनुसंधान" पर संगोष्ठी में दो घंटे की प्रस्तुति दी।
- हांगकांग यूनिवर्सटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रो. उत्पल भट्टाचार्य ने 16 जनवरी, 2021 को "वित्त में अनुसंधान संगोष्ठी" पर संगोष्ठी में दो घंटे की प्रस्तुति दी।

वेबिनार

- क्लेरिवेट एनैलिटिक्स ने 27 अगस्त, 2020 को वेब ऑफ साइंस एंड एंडनोट इन रिसर्च - आईआईएम काशीपुर के उपयोग के संबंध में एक में प्रस्तुति दी।
- ईएमआईएस ने 17 नवंबर, 2020 को अपने डेटाबेस एवं उपयोग का अवलोकन प्रदान करने के लिए एक वेबिनार में प्रस्तुति दी।
- टर्निटिन वर्कशॉप 29 दिसंबर, 2020 को।
- क्लैरिवेट एनालिटिक्स द्वारा 9 जनवरी, 2021 को जेसीआर (जर्नल साइटेशन रिपोर्ट) का प्रदर्शन।
- क्लैरिवेट एनालिटिक्स ने 12 मार्च, 2021 को जेसीआर (जर्नल साइटेशन रिपोर्ट) के उपयोग के संबंध में एक वेबिनार का आयोजन किया।

आईसीटी संरचना

इंटरनेट

संसथान का नेटवर्क को सिंगल-मोड फाइबर ऑप्टिक केबल कनेक्टिविटी के साथ डिज़ाइन किया गया है, और आंतरिक नेटवर्क फॉर्टिगेट 1000D और सिस्को एमई 3800X राउटर से लैस है। अकादमिक ब्लॉक वाई-फाई और वायर्ड लैन के माध्यम से आंतरिक रूप से जुड़ा हुआ है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) द्वारा प्रदत्त समर्पित 1 जीबीपीएस लाइन, जो कि पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) द्वारा उपलब्ध कराई गई 400 एमबीपीएस लाइन की एक बैकअप लाइन एवं एसटीएन टेलीविजन नेटवर्क (एसटीएन) द्वारा 100 एमबीपीएस लाइन की तीसरी बैकअप लाइन चौबीस घंटे का उपयोग करती है। छात्रावास के ए, बी, सी, डी, ई और एफ ब्लॉक, संकाय निवास, शैक्षणिक ब्लॉक और भोजन क्षेत्र 24x7 इंटरनेट और इंट्रानेट के साथ-साथ आईपीबीएक्स से जुड़े हुए हैं।

कैंपस लाइसेंसिंग

लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर के उपयोग को कारगर बनाने के लिए, आईआईएम काशीपुर ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक कैंपस समझौता किया है। प्रबंधकीय निर्णय के लिए इस्तेमाल किए जा रहे अन्य पैकेजों के साथ-साथ सांख्यिकीय और अर्थमितीय विश्लेषणों के लिए भी यही किया गया है। ईमेल सेवाओं के लिए शिक्षा के लिए गुगल वर्कस्पेस फॉर एजुकेशन का उपयोग किया जा रहा है।

सर्वर

आवश्यक सामग्रियों के साथ दो टॉवर सर्वरों और पांच रैक सर्वर विभिन्न प्रकार की सर्वर जरूरतों होस्ट करते हैं। सर्वर में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सर्वर 2012 R2 और उबंटू सर्वर्स ऑपरेटिंग सिस्टम स्थापित हैं। पुस्ताकलय के लिए लिबसिस विंडोज़ सर्वर पर स्थापित है। स्टैटा स्टैटिस्टिकल सॉफ्टवेयर स्थापित किया गया है और अर्थमिति मॉडल का अनुमान लगाने के लिए उपयोग किया जाता है। उपयोगकर्ता एक वीपीएन के माध्यम से पुस्तकालय परिसर के बाहर पुस्तकालय डेटाबेस का उपयोग कर सकता है। विक्टोरिया यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया से लाइसेंस प्राप्त एसएपी का उपयोग विद्यार्थियों को हाथों-हाथ ईआरपी का एक्सपोजर कराने के लिए किया जा रहा है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

दूरस्थ स्थानों पर व्यक्तियों / कंपनियों के साथ प्लेसमेंट संबंधी गतिविधि, साक्षात्कार और बातचीत आईपी नेटवर्क का उपयोग करके उच्च-रिज़ॉल्यूशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई।

कक्षाएं

कक्षाओं को सुंदर ढंग से डिजाइन किया गया है और उच्च गति के वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी एवं कक्षा के बेहतर अनुभव के लिए हाई-डेफिनिशन प्रोजेक्टर से लैस होते हैं। इसके अलावा, वाई-फाई और एवी सिस्टम की सुविधाएं क्लासरूम A1, A2, B1, B3, C1, C3, D1, D2, E1 और E2 तक विस्तारित हैं।

स्टूडियोज

कोविड 19 महामारी के समय में ऑनलाइन कक्षाओं को करने के लिए, एआईओ सिस्टम, डिजिटल राइटिंग पैड, मॉनिटर स्क्रीन और माइक्रोफोन के साथ हेडसेट के साथ दस स्टूडियो स्थापित किए गए थे। ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के लिए जूम प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया था।

ब्लूमबर्ग लैब

आईआईएम काशीपुर में ब्लूमबर्ग एल.पी. के सहयोग से अपने परिसर में 12 ब्लूमबर्ग टर्मिनल हैं। ये टर्मिनल विद्यार्थियों को वास्तविक समय के वित्तीय बाजार डेटा मूवमेंट की निगरानी एवं विश्लेषण करने में सक्षम बनाते हैं और दुनिया भर के उद्योगों एवं अर्थव्यवस्थाओं के बारे में ज्ञान प्रदान करते हैं।

आईटी रिसोर्स डेटाबेस

डब्ल्यूएआरसी ऑनलाइन, ब्लूमबर्ग टर्मिनल।

सॉफ्टवेयर

एसएपी, एसपीएसएस, टर्निटिन, नवीवो, माइक्रोसॉफ्ट लाइसेंस, स्टाटा, मैक्सक्यूडीए, ई-व्यू, लिंगो सुपर, एनलॉजिट।

सॉफ्टवेयर एवं सुरक्षा

संस्थान परिसर में लगभग 850 संकायों / कर्मचारियों / विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को आईटी ने संभाला।

पुस्तकालय

आईआईएम काशीपुर, पुस्तकालय (लर्निंग रिसोर्स सेंटर) एक विशाल भवन में स्थित है, जिसमें मुख्य रूप से प्रबंधन एवं संबद्ध विषयों से संबंधित 8865 मुद्रित पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकालय में अच्छी संख्या में मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक संसाधन हैं जिनमें पुस्तकें, जर्नल, डेटाबेस, ऑडियो-विजुअल सामग्री, सीडी/डीवीडी, ई-जर्नल, रिपोर्ट, केस स्टडीज, शोध प्रबंध आदि शामिल हैं। ज्ञान संसाधनों और नवीन सूचना सेवाओं के अपने आधुनिक संग्रह के साथ पुस्तकालय अकादमिक समुदाय के लिए उनकी बौद्धिक गतिविधियों में एक आवश्यक भूमिका का निर्वाह करता है।

आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्याधुनिक तकनीकी अनुप्रयोगों के साथ एक संकर पुस्तकालय है, जो अपने पाठकों को सीडी-रोम डेटाबेस जैसी सेवाएं प्रदान कर रहा है। इसके साथ ही, ऑनलाइन डेटाबेस संस्थान के नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। उपयोगकर्ता ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुंच सकते हैं, और अपने स्वयं के कंप्यूटर टर्मिनलों से पुस्तकालय सामग्री की वास्तविक समय की उपलब्धता का पता लगा सकते हैं। पुस्तकालय उच्चतम प्रोफेशनल मानकों के लिए निर्धारित सूचना सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है। पुस्तकालय सूचना के सृजन, भंडारण, प्रसंस्करण और प्रसार के लिए सभी आधुनिक तकनीकों को अपनाता है।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने में, पुस्तकालय अपने ग्राहकों को सेवाएं प्रदान कर रहा है जैसे वेब ओपेक सेवाएं, इंटर लाइब्रेरी संसाधन शेयरिंग ऑटोमैटेड सर्कुलेशन, ईमेल अलर्ट सेवाएं, साइबर लैब सेवाएं और आधुनिक पुस्तकालय के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक अन्य सेवाएं।

यह पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर लिबसिस-10 (नवीनतम संस्करण) का उपयोग करके पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है। निगरानी और अन्य कार्यों के लिए आरएफआईडी प्रणाली पहले ही स्थापित की जा चुकी है। पुस्तकालय आईआईएम काशीपुर नेटवर्क के हाई-स्पीड इंटरनेट और इंट्रानेट से जुड़ा है जो अकादमिक समुदाय की बौद्धिक गतिविधियों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस संबंध में उल्लेखनीय है कि पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं को आवंटित पुस्तकालय बजट के भीतर से सभी पठन सामग्री और सर्वोत्तम पुस्तकालय सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

सूचना संसाधन

विवरण	वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान योग गई सामग्रियों की संख्या	31.3.2021 की स्थिति के अनुसार संख्या
मुद्रित पुस्तकें	379	8865
ई बुक्स	-	7963
आवधिक पत्रिकाओं के बाउंड वॉल्यूम	-	382
शोध निबंध	4	7
परियोजना प्रतिवेदन	-	628
सीडी/डीवीडी	-	103
पत्रिकाओं के लिए वर्तमान सदस्यता प्रिंट+ ऑनलाइन	5	18665
समाचार पत्र प्रिंट	-	9

आईआईएम, काशीपुर की व्यवस्थाओं के माध्यम से पूर्ण पाठ ई-जर्नल पहुंच

आईआईएम काशीपुर असीमित उपयोग के लिए कई पूर्ण-पाठ ऑनलाइन जर्नल डेटाबेस की सदस्यता ले रहा है। विवरण नीचे दिया गया है।

संसाधनों की सूची: असीमित उपयोग के लिए पूर्ण पाठ पहुंच

प्रकाशक	शीर्षकों की सं.
इमेराल्ड "ऑनलाइन ई-शोध सिंधु 312 ई पत्रिकाओं का संग्रह	310
विले ऑनलाइन जूनियर कोर और कस्टम संग्रह का डेटाबेस	535
इंफॉर्म्स पब्स सूट	16
साइंस डायरेक्ट, एक ऑनलाइन जर्नल्स डेटाबेस (04 विषय संग्रह)	1066
एब्सको बिजनेस सोर्स अल्टीमेट एक ऑनलाइन डेटाबेस	8119
टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस	415
एबीआई इंफॉर्म कंपलिट	9113
सेज मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन स्टडीज विषय संग्रह	120

असीमित उपयोगकर्ताओं के लिए ई-डेटाबेस पूर्ण-पाठ पहुंच का ग्राफिकल प्रस्तुतिकरण

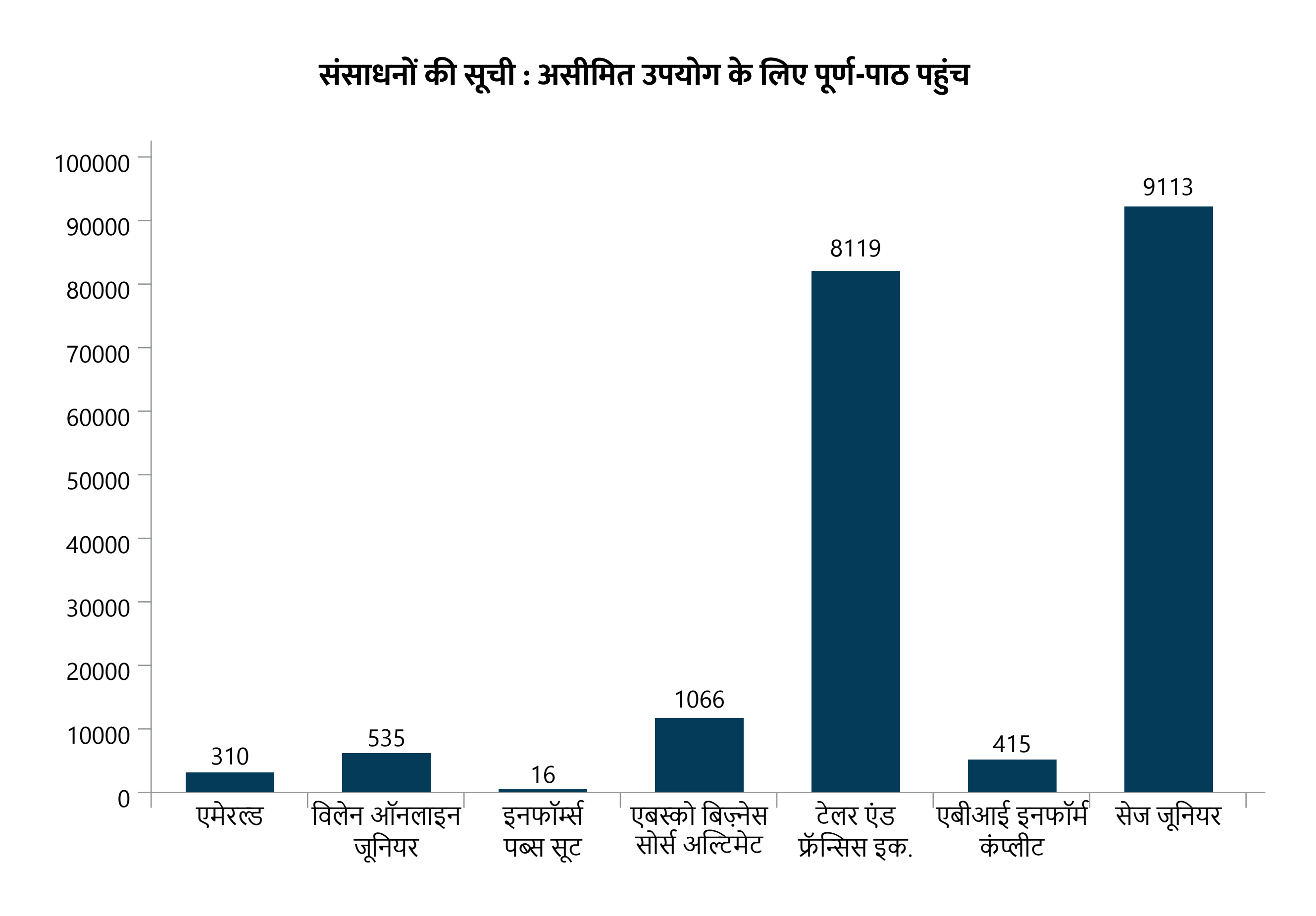

ग्रंथ सूची / तथ्यात्मक डेटाबेस

भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर के पास असीमित उपयोग के लिए कई ग्रंथ सूची/तथ्यात्मक डेटाबेस तक पूर्ण पहुंच है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

ग्रंथ सूची डेटाबेस की सूची

शीर्षक	रुचि का क्षेत्र	संसाधन/शीर्षक कवर किया
ईबीएससीओ डेटाबेस	प्रबंधन और संबद्ध क्षेत्र	8119
स्कोपस	सम-समीक्षित साहित्य का सबसे बड़ा सार एवं उद्धरण डेटाबेस	मूस संग्रह में कुल पत्रिकाओं की सं.: 21,894
वेब ऑफ़ साइंस	सम-समीक्षित साहित्य का सबसे बड़ा सार एवं उद्धरण डेटाबेस	कुल पत्रिकाओं की सं.: 34,888

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग के आंकड़े

पूर्ण पाठ संसाधन

एमराल्ड "ऑनलाइन ई-शोध सिंधु 310 ई जर्नल्स संग्रह, विले ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस ऑफ कोर और कस्टम कलेक्शन, इनफॉर्म्स पब्स सूट, साइंस डायरेक्ट, ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स अल्टीमेट, प्रेस रीडर, टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस, स्कोपस, वार्क, सेज मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन स्टडीज सब्जेक्ट कलेक्शन, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज़, इंडियास्टेट.कॉम एब्सको डिस्कवरी सर्विसेज, एबीआई इंफॉर्म कम्प्लीट, सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक, प्रोवेस फॉर इंटरएक्टिव क्वेरींग, इकोनॉमिक आउटलुक, सीएमआईई-टीपी सीपीडीएस, वेब ऑफ साइंस, वेंचर इंटेलिजेंस पीई-वीसी डील, कैबेल्स जर्नल्स व्हाईटलिस्ट फॉर बिजनेस सेट ऑनलाइन, कंपस्टैट डेटाबेस, एमआईएमआई" (माइका इंडियन मार्केट इंटेलिजेंस), सुप्रीम कोर्ट के मामले, जिसमें उपयोग विवरण लॉगरिदमिक स्केल पर आंकड़े में प्रस्तुत किए गए हैं।

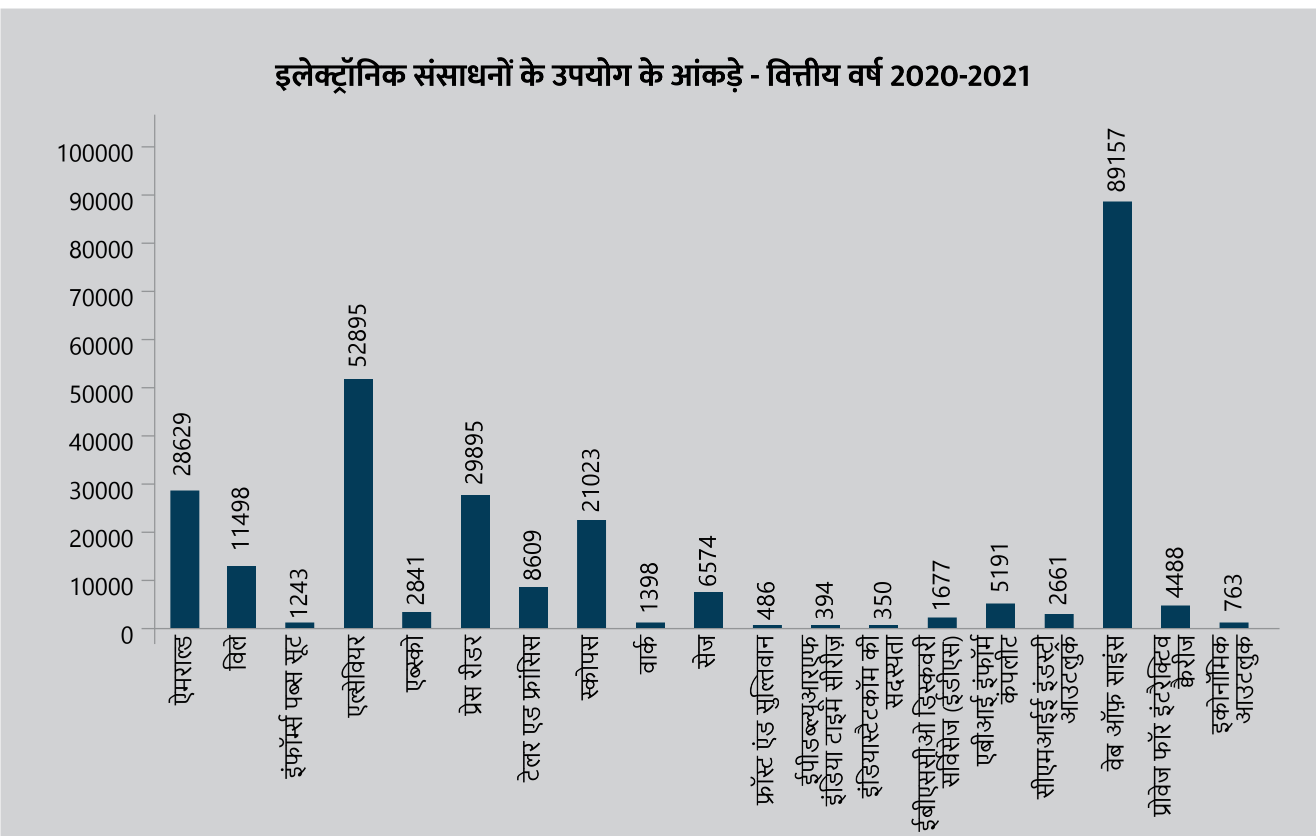

उपरोक्त डायग्राम से स्पष्ट है कि वेब ऑफ साइंस, एल्सेवियर, एमराल्ड, प्रेस रीडर, स्कोपस, टेलर एंड फ्रांसिस, विले, एबीआई इनफॉर्म और सेज डेटाबेस का उपयोगकर्ताओं द्वारा अत्यधिक उपयोग किया गया है।

अनवरत आधार पर ऑनलाइन ई-पुस्तकों का संग्रह

आईआईएम काशीपुर, पुस्तकालय ने प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों से अपने संग्रह में 7936 (सात हजार नौ सौ छत्तीस) से अधिक दुर्लभ पुस्तकों वाली सेंगेज, एब्स्को, ऑक्सफोर्ड हैंडबुक, पालग्रेव एनसाइक्लोपीडिया, सेज और स्प्रिंगर ई-पुस्तकों की सदस्यता ली है। सभी प्रमुख वैश्विक प्रकाशकों से इसके संबद्ध विषय अर्थात अर्थशास्त्र, वित्त, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, मानविकी आदि हैं। संग्रह में स्थायी आधार पर दुनिया के प्रसिद्ध लेखक के मूल कार्यों का डिजीटल संस्करण शामिल है, जो इसके संग्रह में पूर्ण पहुंच के आधार पर पूर्ण पहुंच और डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

उपयोगकर्ताओं को अधिक संतुष्ट करने और अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए उनकी तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए, आईआईएम काशीपुर, पुस्तकालय ने ई-पुस्तकों के अपने संग्रह को समृद्ध किया है। अब हमारे पास इसके संग्रह में 7963 ई-पुस्तकें अनवरत पहुंच के आधार पर पूर्ण पहुंच और डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय सेवाएं

वेब ओपेक: पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि सहित संपूर्ण पुस्तकालय संग्रह को वेब सक्षम ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से सर्च किया जा सकता है। उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर टर्मिनलों से पुस्तकालय सामग्री की वास्तविक समय उपलब्धता का पता लगाने के लिए ओपेक का उपयोग कर सकते हैं।

इंटर लाइब्रेरी लोन/संसाधन की शेयरिंग पुस्तकालय में अन्य प्रमुख पुस्तकालयों के साथ दस्तावेज प्राप्त करने के लिए डेलनेट के माध्यम से सहकारी व्यवस्था है, जो आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं हैं। फैकल्टी और शोधकर्ता इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

सक्रिय सूचना सेवाएं: पुस्तकालय शैक्षणिक समुदाय को विशिष्ट सूचना सेवाएं प्रदान करता है जैसे आगामी सम्मेलनों के संबंध में अलर्ट, सीएएस, एसडीआई, आदि।

आज की सुर्खियां: आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय यूआरएल (लिंक) द्वारा सभी संकाय सदस्यों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और कर्मचारी सदस्यों को प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्रों की सुर्खियां प्रदान करता है।

अन्य सेवाएं

- श्रव्य-दृश्य सुविधा
- ग्रंथ सूची
- स्वचालित सर्कुलेशन
- ई-मेल अलर्ट सेवा
- ओरिएंटेशन कार्यक्रम
- स्वचालित सर्कुलेशन
- सामान्य जागरूकता सेवा
- साइबर लैब
- डेटाबेस खोज सेवा
- संदर्भ सेवा

महत्वपूर्ण कार्यक्रम और प्रदर्शनियाँ

आईआईएम काशीपुर, पुस्तकालय ने निम्नलिखित कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन किया

कार्यक्रम / प्रदर्शनियां	अवधि
प्रबंधन एवं संबद्ध विषयों पर पुस्तक प्रदर्शनी	14.12.2020 से 29.01.2021
एल्सेवियर टूल्स-साइंसडाइरेक्ट एंड स्कोपस का उपयोग करके अनुसंधान योजना कौशल को बढ़ाने पर वेबिनार का आयोजन	15.03.2021
ओपनएथेंस एवं डिस्कवरी सेवाओं का उपयोग करके शोध सहायता सेवाओं पर ऑनलाइन-कार्यशाला (वेबिनार)	21.08.2021

यौन उत्पीड़न का निवारण

संस्थान के पास कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के लिए शून्य सहनशीलता की नीति है तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की निवारण, निषेध और प्रतितोष पर एक नीति तथा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों की निवारण और प्रतितोष के लिए नियम अपनाए गए हैं। संस्थान कुल, जाति, लिंग, धर्म, रंग, राष्ट्रीयता, विकलांगता आदि की परवाह किए बिना समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी महिलाएं (स्थायी, अस्थायी, संविदात्मक और प्रशिक्षु) और साथ ही संस्थान के कार्यालय परिसर में आने वाली कोई भी महिला या महिला सेवा प्रदाता इस नीति के अंतर्गत शामिल हैं। शारीरिक, मौखिक या मनोवैज्ञानिक यौन उत्पीड़न से मुक्त कार्य वातावरण बनाए रखने की दृष्टि से सभी कर्मचारियों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाता है।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की निवारण (पीओएसएच) पर एक वेबिनार 6 नवंबर 2020 को आयोजित किया गया था, जिसमें सुश्री वंदना दुष्यंत वाले, लॉक्यूबेटर सत्र की अतिथि वक्ता थीं।

वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान को यौन उत्पीड़न की एक शिकायत मिली थी। वर्ष के दौरान 90 दिनों से अधिक समय से कोई शिकायत लंबित नहीं थी। वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान रिपोर्ट किए गए मामलों में से एक का निष्पादन कर, लिखित माफी का आदेश पारित किया गया।

विद्यार्थी परिषद

विद्यार्थी परिषद कॉलेज का सर्वोच्च शासी विद्यार्थी निकाय है जो सभी गतिविधियों और विद्यार्थी निकायों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करके कॉलेज में विद्यार्थियों के कल्याण के लिए जिम्मेदार है। यह निकाय विद्यार्थियों का, विद्यार्थियों द्वारा और विद्यार्थियों के लिए है। यह विद्यार्थियों के जीवन के शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम क्षेत्रों को एकीकृत करके संस्थान के शैक्षणिक मिशन के लिए कक्षा के बाहर के अनुभव को जोड़ता है तथा विद्यार्थियों की बौद्धिक, सार्वजनिक सेवा और नेतृत्व रुचि को उनकी भविष्य की आकांक्षाओं के साथ शामिल करता है। यह विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रशासकों और अन्य भागीदारों के साथ आईआईएम काशीपुर समुदाय के अंदर और बाहर दोनों जगह सहयोग करता है ताकि विद्यार्थियों के लिए जीवन और सीखने की गुणवत्ता को सहज एवं पूरक बनाया जा सके। यह विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रशासकों और अन्य भागीदारों के साथ आईआईएम काशीपुर समुदाय के अंदर और बाहर दोनों के साथ सहयोग करता है ताकि विद्यार्थियोंके लिए जीवन और सीखने की गुणवत्ता को आसान और पूरक बनाया जा सके। इसके अलावा, यह विद्यार्थियों के लिए सक्रिय भागीदारी और प्रतिबिंब के माध्यम से सीखने के अवसर पैदा करता है जहां वे कर सकते हैं:

- विद्यार्थी परिषद संस्थान के अंदर और बाहर विद्यार्थियों के प्रथम प्रतिनिधि के रूप में कार्य करती है और यह सुनिश्चित करती है कि सभी गतिविधियां संस्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप हों।
- संस्थान में विद्यार्थी जीवन में सुधार से संबंधित सभी मामलों के लिए प्रशासन में सभी अध्यक्षों, प्रमुखों और अन्य लोगों के साथ समन्वय है, जिसमें शिक्षाविद, सुविधाएं, बुनियादी ढांचा, छात्रावास, मेस, सुरक्षा, बाहरी लगाव आदि शामिल हैं।
- वे कॉलेज के अंदर और बाहर सभी विद्यार्थी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि संस्थान की छवि एवं विद्यार्थियों के हितों को हमेशा बरकरार रखा जाए।

कोविड -19 पहल के एक भाग के रूप में, विद्यार्थी परिषद ने विद्यार्थी मामलों की समिति के साथ सीएसआर गतिविधियों के एक भाग के रूप में आवश्यक खाद्यान्न वितरित किया।

- उन्हें विद्यार्थी निकायों और/या व्यक्तिगत विद्यार्थियों के बीच किसी भी संघर्ष के साथ ही उन सभी जिम्मेदारियों के साथ जो किसी अन्य विद्यार्थी निकाय के अंतर्गत नहीं आती हैं, का समाधान करना पड़ता है।
- वे संस्थान के भीतर विद्यार्थी समुदाय के बीच सभी विद्यार्थी निकाय गतिविधियों के लिए भी जिम्मेदार हैं और उनके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी विद्यार्थी निकायों के बीच संपर्क सेतु के रूप में कार्य करते हैं।
- विद्यार्थी परिषद संस्थान द्वारा दी गई निधियों के उचित उपयोग के लिए भी जिम्मेदार है, जो बाहरी निकायों से प्रायोजक के रूप में प्राप्त या संस्थान के विद्यार्थियों से एकत्र की जाती है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि बजट के खर्च में उचित प्रक्रिया का पालन नियमित वित्तीय लेखा परीक्षा करके की जाती है।
- कॉलेज में उचित अनुशासन का रखरखाव।
- नियमित अंतराल पर विद्यार्थियों और विद्यार्थी निकायों की चिंताओं को समझना और उन्हें आवश्यक माध्यमों से हल करना।
- वित्तीय ऑडिट और विद्यार्थी निकायों द्वारा व्यय के निरीक्षण के साथ विद्यार्थियों और विद्यार्थी निकायों के प्रदर्शन की समीक्षा करना।
- सभी विद्यार्थी निकायों की संरचना की समीक्षा करना और बदलते परिवेश के कारण आवश्यकतानुसार परिवर्तन करना।
- किसी भी विद्यार्थी निकाय में व्यक्तियों के चयन में निष्पक्ष प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने के साथ-साथ पूरे वर्ष कॉलेज में गतिविधियों और कार्यक्रमों का समान वितरण।
- विद्यार्थी परिषद को, वर्ष में एक बार, सभी विद्यार्थी निकायों की संरचना की समीक्षा करनी होती है और उस विशेष विद्यार्थी निकाय, चाहे कोई हो, के अध्यक्ष के समन्वय से, विकसित वातावरण के कारण उनकी संरचना, कार्यप्रणाली और प्रतिनिधित्व में परिवर्तन करना पड़ता है। इसमें समितियों/क्लबों का विलय या एक नए विद्यार्थी निकाय का निर्माण शामिल हो सकता है, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं है।
- विद्यार्थी परिषद, विशेष रूप से अध्यक्ष और महासचिव समितियों/क्लबों/प्रकोष्ठों/कोर एवं/या व्यक्तिगत विद्यार्थियों के बीच किसी भी संघर्ष को हल करने के लिए जिम्मेदार हैं।
- विद्यार्थी परिषद के सभी विद्यार्थी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार होने के कारण, कॉलेज के भीतर एवं बाहर सभी विद्यार्थी गतिविधियों के बारे में संज्ञान लेना होता है। यह सभी आयोजनों के लिए आयोजन समिति/क्लब/प्रकोष्ठ/कोर द्वारा पहले से अध्यक्ष, महासचिव, अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष को रिपोर्ट करना अनिवार्य बनाता है। रिपोर्टिंग में गतिविधि/कार्यकलाप की अवधारणा, गतिविधि/कार्यक्रम के लिए आयोजन टीम की चयन प्रक्रिया तथा गतिविधि/कार्यक्रम प्रस्ताव के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है।

वर्ष 2020-21 में विद्यार्थियों निकायों की निम्नलिखित संरचना थी

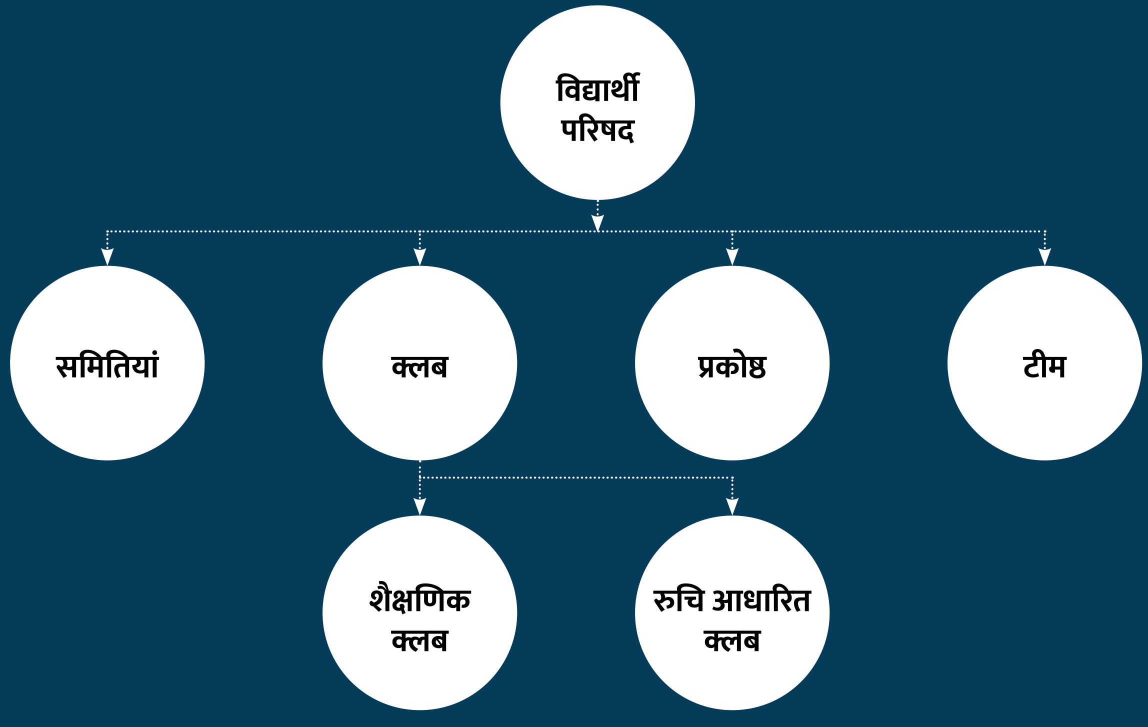

समितियां

शैक्षणिक समिति

अकादमिक समिति एमबीए एवं एमबीए-ऐनलिटिक्स कार्यालय तथा विद्यार्थियों के बीच आईआईएम काशीपुर में कक्षाओं एवं अन्य सभी शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए एक संपर्क है। सभी सदस्य सामूहिक रूप से अकादमिक समिति की दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों के संचालन के लिए जिम्मेदार हैं।

मुख्य कर्तव्य एवं जिम्मेदारी

- एमबीए एवं एमबीए-ऐनलिटिक्स कार्यालय एवं संकायों में बैच की रुचि का प्रतिनिधित्व करना
- हितधारकों को उचित स्तरों पर सुशाशन बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करके संस्थान में अकादमिक संस्कृति की बेहतरी की दिशा में कार्य करना
- विदेशी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय करना
- दूसरे वर्ष की शुरुआत से पहले ऐच्छिक चयन तथा उसे अंतिम रूप देने के लिए समन्वय

गतिविधियां / कार्यक्रम

एमबीए सीरीज

यह एक अकादमिक समिति की पहल है जिसका उद्देश्य आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों को गैर-कॉर्पोरेट लेंस से प्रबंधन को समझने का अवसर प्रदान करना है। इस आयोजन के हिस्से के रूप में, हमने विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित प्रख्यात हस्तियों के साथ वार्ता की है, जैसे,

- डॉ. अनिल सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
- श्री अमित लोढ़ा, पुलिस महानिरीक्षक, भारतीय पुलिस सेवा
- कैप्टन विनय सिंह, भारतीय नौसेना रिजर्व सूची

इन दिग्गजों ने हमारे साथ अपने जीवन की घटनाओं को साझा किया और बताया कि कैसे प्रबंधन ने उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इसके साथ ही, हम यह समझने में सक्षम हैं कि प्रबंधन के व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से क्या प्रभाव पड़ सकते हैं।

पूरे वर्ष बैच के लिए समान अध्ययन सत्रों का आयोजन करना

अकादमिक समिति की सोशल मीडिया के माध्यम से संकायों के अनुभवों, अकादमिक क्षेत्र में प्रवृत्तियों और अकादमिक अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए की जाने वाली हर गतिविधि को साझा करने के लिए शामिल करना।

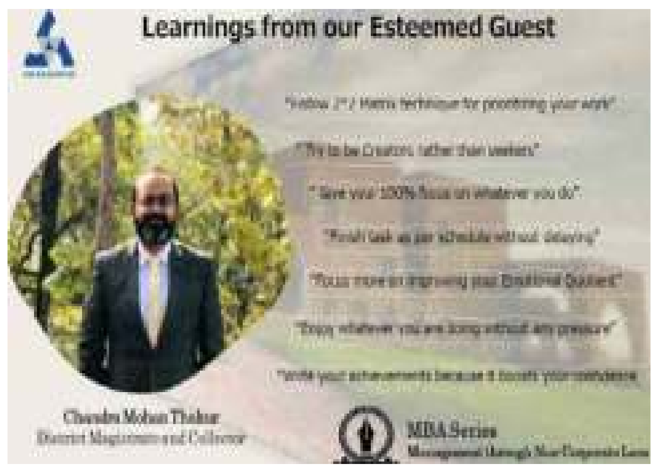

शैक्षणिक समिति द्वारा निर्धारित आईआईडीई कार्यशाला तथा पीयर लर्निंग सत्र

पूर्व विद्यार्थी संबंध समिति

पूर्व विद्यार्थियों, विद्यार्थियों, संकायों और आईआईएम काशीपुर परिवार के अन्य सदस्यों के बीच मिलनसार संबंधों को मजबूत करने के लिए पूर्व विद्यार्थी संबंध समिति (अल्मनाई रिलेशंस कमिटी) की स्थापना की गई थी। इस समिति का उद्देश्य संस्थान निर्माण के दौरान हमारे पूर्व विद्यार्थियों के नेटवर्क के विशाल उद्योग कार्य क्षेत्र और अनुभव को बढ़ावा देना, पोषित करना है।

पूर्व विद्यार्थी संबंध समिति हमारे पूर्व विद्यार्थियों के साथ सभी प्रकार की वार्ता को सुविधाजनक बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। हमारे पूर्व विद्यार्थियों को उनकी यादों को ताजा करने और उनके मातृ संस्थान के साथ उनके संबंध को बढ़ाने में सहयोग करते हुए समिति उन्हें हर साल अग्नित्रय (आईआईएम काशीपुर का प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम) के दौरान घर वापसी (हमोकमिंग) के लिए अपने कैम्पस में वापस आमंत्रित करती है। इसके अलावा, समिति लगातार देश भर के विभिन्न शहरों में आयोजित 'सिटी मीट्स' जैसे अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से अपने पूर्व विद्यार्थियों तक पहुंचने की कोशिश करती है।

इस साल, चल रही महामारी के कारण, हमने अपने विभिन्न सोशल मीडिया अभियानों और वर्चुअल चर्चा के माध्यम से पूर्व विद्यार्थियों को जोड़ा है। हमारे त्रैमासिक न्यूजलेटर सारथी का उद्देश्य अपने पूर्व विद्यार्थियों को आईआईएम काशीपुर में होने वाली घटनाओं से अपडेट रहने में मदद करना है। यह समिति पूर्व विद्यार्थी मेंटरशिप प्रोग्राम, अल-स्पीक गेस्ट लेक्चर सीरीज, अल-प्रेप वेबिनार सत्र, पैनल चर्चा और पूर्व ऐल्युमनी अनप्लग्ड पॉडकास्ट श्रृंखला जैसी कई पहलों के माध्यम से मौजूदा बैचों को लाभान्वित करने के लिए भी प्रयासरत है। एआरसी एलुमनी पोर्टल का प्रबंधन भी करता है ताकि हमारे पूर्व विद्यार्थी अपने साथी पूर्व विद्यार्थियों के साथ जुड़े रहें तथा अपने मातृ संस्थान के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ावा दें। समिति वर्तमान में एक पूर्व विद्यार्थी संघ की स्थापना सहित कई नये पहलुओं पर काम कर रही है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- **वर्चुअल रियूनियन**

  हमारे चेयरपर्सन प्रो. कुणाल गांगुली के विजन के अनुरूप और न्यू नॉर्मल को अपनाने के लिए, टीम एआरसी ने पीजीपी (एमबीए) और ईपीजीपी (एमबीए-डब्ल्यूएक्स) के पूर्व विद्यार्थियों के बैचों के लिए वर्चुअल रियूनियन शुरू किया। ये बैठकें संस्थान के निर्माण और पूर्व विद्यार्थियों को उनके मातृ संस्थान और उनकी अपेक्षाओं को समझने पर गहन चर्चा का माध्यम रहा।

- **मार्गदर्शन कार्यक्रम**

  पूर्व विद्यार्थी मार्गदर्शन कार्यक्रम विशिष्ट क्षेत्रों और भूमिकाओं में ज्ञान विशेषज्ञों के साथ आमने-सामने चर्चा करता है। यह न केवल वर्तमान विद्यार्थियों को पूर्व विद्यार्थियों के व्यक्तिगत और प्रोफेशनल दोनों तरह के अनुभवों से सीखने और दायरे से आगे निकलने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि उन्हें अपने नेटवर्क का विस्तार करने का भी मौका देता है।

- ## अल-प्रेप / अल-स्पीक सीरीज़

अल-स्पीक पूर्व विद्यार्थी अतिथि व्याख्यान श्रृंखला है जबकि अल-प्रेप पूर्व विद्यार्थी वेबिनार श्रृंखला है। उनका उद्देश्य उद्योग के क्षेत्र में अपने अनुभवों से बात करने के लिए पूर्व विद्यार्थियों को मेहमानों के रूप में आमंत्रित करना है तथा विद्यार्थियों को एमबीए से प्राप्त शिक्षाओं के समामेलन और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए इसके व्यावहारिक अनुप्रयोग का अवलोकन प्रदान करना है। ये सत्र विद्यार्थियों को पूर्व विद्यार्थियों के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करने के अलावा साथियों के बीच बौद्धिक चर्चा को बेहतर बनाने का लक्ष्य रखते हैं।

- ## अल्मनाई अनप्लग्ड - पॉडकास्ट सीरीज

ऑनलाइन इंटरैक्शन के विस्तार को प्रमाणित करने के लिए, टीम एआरसी ने पॉडकास्ट श्रृंखला शुरू की। फोकस में रहने वाले अल्मनाई पॉडकास्ट को संचालित करते हैं, जो ज्ञान से भरे सत्रों में आगे बढ़ने वाली चर्चाओं को मिटाने के लिए स्पष्ट बातचीत के माध्यम से आगे बढ़ता है।

- ## पैनल चर्चा

पैनल चर्चा पूर्व विद्यार्थियों के लिए अपने ज्ञान को साझा करने और विभिन्न विषयों पर बहस करने का एक मंच है। पैनल में चुने गए विशेषज्ञों में पूर्व विद्यार्थी शामिल होते हैं जो चर्चाओं को आगे बढ़ाने तथा पूर्व विद्यार्थियों के बीच क्रॉस बैच इंटरैक्शन को प्रेरित करने के लिए अपने विचार और अंतर्दृष्टि प्रस्तुत करते हैं।-

कॉर्पोरेट संबंध समिति

कॉर्पोरेट संबंध समिति (कॉर्पोरेट रिलेशंस कमिटी) विद्यार्थियों, शिक्षाविदों और उद्योग के बीच संवाद के लिए एक सुविधा के रूप में कार्य करके आईआईएम काशीपुर की कॉर्पोरेट उपस्थिति को बढ़ाने और बनाए रखने के लिए एक मंच प्रदान करती है। इस तरह के प्रयासों के साथ, लीडरशिप टॉक सीरीज़ "तेजस" के माध्यम से वित्त, विपणन, अर्थशास्त्र, संचालन, रणनीति, विश्लेषिकी और मानव संसाधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों से कॉर्पोरेट मार्गदर्शकों को शामिल करके सर्वांगीण सीखने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही, एक अन्य उद्देश्य उभरते कॉरपोरेट्स के साथ सहयोग करके तथा पारस्परिक लाभ के लिए एक लाइव प्रोजेक्ट अवसर प्रदान करके सीखने का अनुभव बनाना है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- **अतिथि व्याख्यान**

  प्रतिष्ठित कंपनियों से कई उद्योग लीडर्स जैसे रिचर्ड रेखी - बोर्ड के सदस्य, केपीएमजी दुबई; सौमेन रे - मुख्य वित्तीय अधिकारी, बजाज ऑटो; आशीष चौहान - एमडी एवं सीईओ, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज; विघ्नेश शहाणे - प्रबंध निदेशक और सीईओ, आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस; आशीष चंद्रा - सीईओ एवं प्रबंध निदेशक, एयरटेल (श्रीलंका) ने "लर्निंग्स फ्रॉम द टेलिकॉम इंडस्ट्री", "ऑथेंटिक लीडरशिप - डिलीगेशन एंड बियोंड", "बॉडी, माइंड एंड रेनेसां फॉर ग्रेटर रिजल्ट्स", "लीडरशिप इन द नयू एज" सहित विभिन्न विषयों पर एक व्यावहारिक सत्र को संबोधित किया। समिति ने डॉ. कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम का व्याख्यान भी आयोजित किया, जो वर्तमान में भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं, तथा आर्थिक नीति, बैंकिंग और कॉर्पोरेट प्रशासन के एक प्रमुख विशेषज्ञ हैं।

- **सम्मेलन**

  समिति ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कॉन्क्लेव "अद्विका" का पहला संस्करण आयोजित किया है। शीर्ष कंपनियों से आठ प्रमुख महिला लीडर्स 2-दिवसीय कॉन्क्लेव के लिए मंच में शामिल हुई हैं और विद्यार्थियों को "डेवलपिंग वूमन लीडरशिप: अ पैराडिजम फॉर सक्सेस" और "वीमेन वी एडमायर - इंस्पायरिंग नेक्स्टजेन वीमेन लीडर्स फॉर बेटर टुमॉरो" पर अपना अमूल्य वक्तव्य दिया।

- **लाइव प्रोजेक्ट्स**

  समिति ने शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 में बिक्री एवं विपणन, रणनीति, विश्लेषिकी, संचालन, मानव संसाधन और वित्त क्षेत्र को कवर करते हुए 120 + लाइव परियोजनाएं शुरू की हैं। कुछ प्रतिष्ठित कंपनियों जैसे डसॉल्ट सिस्टम्स, एक्सलीजेन्ज़, श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस, स्विगी, ज़िप्प इलेक्ट्रिक, कॉलेजदुनिया, राष्ट्री, एको, कोएमर्ज, प्यूमा, क्रिसिल ने भी आईआईएम काशीपुर के साथ सहयोग किया और अपने विद्यार्थियों को लाइव प्रोजेक्ट और मेंटरशिप की पेशकश की।

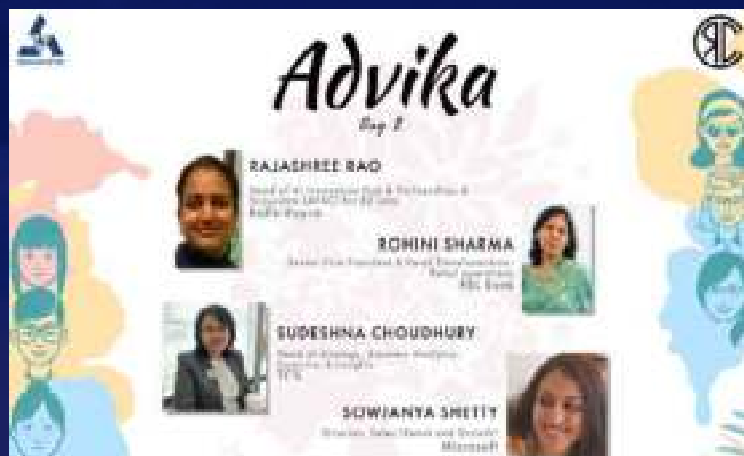

- **एक लिंक्डइन सीरीज**

  एलपी डायरीज को बाहरी दुनिया में कॉलेज की उपस्थिति बढ़ाने के लिए एक लाइव प्रोजेक्ट पर सहयोग बनाए रखते हुए कंपनी और छात्रों के अनुभव को साझा करने के लिए शुरू किया गया है।

सांस्कृतिक समिति

"सांस्कृतिक समिति" (कल्चरल कमिटी) विद्यार्थियों के कॉलेज जीवन के दौरान ग्लिट्ज़ फैक्टर के लिए जिम्मेदार प्रमुख समितियों में से एक है। हम मानते हैं कि कॉलेज में एक विद्यार्थी के जीवन को बंद दरवाजों के पीछे बिताए समय से नहीं बल्कि विभिन्न उत्सवों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से यादगार बनाया जाता है जो उनके कॉलेज के अनुभव में रंग भरते हैं।

सांस्कृतिक समिति का उद्देश्य विद्यार्थियों में श्रेष्ठ प्रतिभाओ को सामने लाना है जो एक ऐसे सूत्रधार और उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते है जो पूरे वर्ष पूरे जोश और उत्साह के साथ कैम्पस को प्रभावित करता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आयोजनों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, हम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायता करते हैं और सहपाठिओं के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भावना का निर्माण करते हैं। इस कठोर पाठ्यक्रम में, हम तनाव को दूर करने में भी मदद करते हैं और सभी को अपने घर से दूर घर प्रदान करते हैं।

सांस्कृतिक समिति का गठन साथियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करने, उच्च सम्पर्क को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास में योगदान देने के उद्देश्य से किया गया था। सांस्कृतिक समिति का मानना है किअपने दोस्तों के साथ जो समय बिताते हैं, उससे बंधन बनता है और दो साल की लंबी और कठिन यात्रा को और अधिक सहने योग्य और यादगार बनाता है।

विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन, जिसमें हमारे महान राष्ट्र की विभिन्न संस्कृतियों का जश्न मनाने से लेकर सेक्शन वार्स, काकोफोनिया के गहन प्रतिस्पर्धी सांस्कृतिक चैप्टर और यह अपने 2020 संस्करण में 48 घंटे से अधिक चला। इसके साथ ही सभी आयोजनों सिरमौर, 72 घंटे तक लंबा चलनेवाल वार्षिक आईआईएम काशीपुर का उत्सव, 'अग्नित्रय', प्रबंधन, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों का एक समामेलन था।

सांस्कृतिक समिति प्रत्येक आयोजन को भव्य रूप से सफल बनाने में एक सूत्रधार, मुख्य स्रोत और सहयोगी के रूप में कार्य करती है। इस वर्ष

के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक उत्सवों का जश्न मनाने के अलावा, टीम ने काशीपुर नाइट्स जैसे कुछ विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए, जिसमें काशीपुर में सर्द सर्दियों की रातों में अलाव के साथ संगीत और विद्यार्थियों द्वारा कुछ प्रदर्शन का आयोजन तथा सिग्नेचर डे जिसमें पीजीपी 2019-21 ने अपने दिल की बात कही, तो एमबीए 2020-22 ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया तथा सीनियर्स को काशीपुर में अपने दो वर्षों को और भी अमिट बनाने के लिए बैच-मेट्स और जूनियर्स की टिप्पणियों एवं हस्ताक्षर के साथ टी-शर्ट मिली।

इन सभी आयोजनों को कोविड-19 के बावजूद सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। हमारे कई दोस्त कैंपस में हमारे साथ नहीं जुड़ सके इसलिए हमने अपने इवेंट हाइब्रिड फॉर्मेट में आयोजित किए। ऑनलाइन दर्शकों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए ताकि उन्हें वर्ष के दौरान होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल किया जा सके। हमने पूरे कार्यक्रम को भी स्ट्रीम किया जो घर पर विद्यार्थियों के लिए ऑफ़लाइन आयोजित किए गए थे। विद्यार्थियों ने हमारे जूनियर बनाम सीनियर इवेंट - प्रारंभ और इंटर सेक्शन बैटल, सेक्शन वार्स - काकोफ़ोनिया में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन अपने घरों से ही किया! कैंपस में कार्यक्रम सभी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उचित सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करते हुए आयोजित किए गए।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- काकोफोनिया - 48 घंटे का एक अंतर-स्तरीय सांस्कृतिक सेक्शन वार
- अग्नित्रय - आईआईएम काशीपुर में 72 घंटे का राष्ट्र स्तरीय उत्सव
- सभी सांस्कृतिक त्योहार मनाना
- संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में कार्यक्रमों का आयोजन
- प्रारम्भ - एमबीए के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के बीच रण
- काशीपुर नाइट्स, अवार्ड-डांस पार्टी
- स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, महिला दिवस, शिक्षक दिवस
- हस्ताक्षर दिवस

इन्फ्रा-आईटी कमिटी

इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड आईटी कमिटी प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच एक संपर्क सेतु के रूप में कार्य करती है, ताकि भू-संपत्ति विभाग एवं परियोजना कार्यालय की सहायता से परिसर के बुनियादी ढांचे के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित किया जाय एवं विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को प्रबंधन उपकरण के माध्यम से तुरंत हल किया जा सके। यह कमिटी एक स्थिर इंटरनेट कनेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करती है, जो कोविड के दौरान एक प्रमुख आवश्यकता बन गई। कमिटी संस्थान में हर दूसरे विद्यार्थी निकाय के साथ एक क्रॉस-फंक्शनल प्लेयर के रूप में कार्य करती है।

विद्यार्थियों की व्यवहार्यता के लिए आंतरिक नेटवर्क यानी ग्रिड-काशीपुर में मूल्यवर्धन किया गया है। समिति जिमनैजियम के रखरखाव एवं सुधार को भी देखती है तथा परिसर के भीतर सभी दुकानों और कैंटीन की निगरानी भी करती है।

इंफ्रास्ट्रक्चर एंड आईटी कमिटी ने प्रशासन के साथ मिलकर महामारी के दौरान कैंपस में विद्यार्थियों को सुरक्षित रूप से रहने का काम किया तथा कैंपस में कोविड के प्रसार को प्रतिबंधित करने के लिए क्वारंटाइन दिशानिर्देशों को लागू करने के काम किया।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- नेस्कैफे कियोस्क का उद्घाटन
- परिसर में कोविड दिशानिर्देशों को लागू करना
- ग्रिड-काशीपुर का उन्नयन

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति (इंटरनेशनल रिलेशंस कमिटी) भारत के बाहर की दुनिया के लिए आईआईएम काशीपुर का चेहरा है। यह वैश्विक मंच पर साझेदारी बनाने और बनाए रखने की दिशा में लगातार काम कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति (आईआरसी) टीम दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग एवं ट्राइमेस्टर और शॉर्ट-टर्म स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम तथा फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम जैसी गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ आईआईएम काशीपुर आने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ बैठकों की योजना बनाने और समन्वय करने के लिए जिम्मेदार है।

समिति ने ऑटोनोमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड (स्पेन), एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (थाईलैंड), तेल अवीव यूनिवर्सिटी (इज़राइल), ईएसडीईएस (फ्रांस) आदि जैसे दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ एक दर्जन से अधिक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करने में संस्थान की सफलतापूर्वक मदद की है। असाधारण महामारी प्रभावित शैक्षणिक वर्ष 2020-21 को छोड़कर, आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों ने इन भागीदारों के साथ एक जीवंत और लगातार बढ़ते विनिमय कार्यक्रम का आनंद लिया है।

वर्ष 2020 में, टीम ने वैश्विक मुद्दों पर विचारों और चर्चाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने प्रमुख कार्यक्रम - मॉडल युनाइटेड नेशंस के दूसरे संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया। मॉडल युनाइटेड नेशंस एक शैक्षिक अनुकरण है, एक शैक्षणिक गतिविधि है, जिसमें विद्यार्थी मुख्य रूप से कूटनीति, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और संयुक्त राष्ट्र के बारे में सीख सकते हैं। यह देश भर के विद्यार्थियों को उन मुद्दों पर वाद-विवाद करने का मौका प्रदान करने करता है, जिनकी विश्व के नेता चिंता करते हैं तथा इन वैश्विक मुद्दों के जवाब में प्रस्तावों का मसौदा तैयार करते हैं। ऐसे में यह ध्यान देने योग्य बात है कि एमयूएन को पूरी तरह से वर्चुअल मोड पर निष्पादित किया गया था जिसमें पहली बार वालों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र और डिजिटल मोड में फिट होने के लिए कार्यवाही को बदलने के प्रावधान थे।

मार्च 2021 में, अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति को अगले 100 दिनों में पूरे देश में 100 स्कूलों और विश्वविद्यालयों में '100 में 100' आउटरीच अभियान के हिस्से के रूप में, भारत में अमेरिकी मिशन के एक भाग के रूप में, श्री माइकल रोसेंथल, नॉर्थ इंडिया ऑफिस, अमेरिकी दूतावास के साथ एक सत्र का आयोजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और यह सुनने को भी मिला कि भारत के भविष्य के मार्गदर्शकों के लिए क्या महत्वपूर्ण है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग सुविधा और वर्तमान वैश्विक मामलों पर चर्चा को बढ़ावा देकर, आईआरसी विकासशील मार्गदर्शकों के आईआईएम काशीपुर के दृष्टिकोण में योगदान देने में सफल रहा है जो विश्व स्तर पर प्रदर्शन कर सकते हैं।

मेस समिति

आईआईएम काशीपुर छात्रावास का मेस पूरी तरह से एक मेस समिति (मेस कमिटी) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। यह संस्थान के विद्यार्थी निकायों में से एक है। आईआईएम काशीपुर का विद्यार्थी मेस आईआईएम काशीपुर बिरादरी को स्वच्छ, स्वस्थ और पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेस स्वतंत्र है एवं लाभ के लिए संचालित नहीं। यह पूरी तरह से विद्यार्थियों द्वारा संचालित और प्रबंधित किया जाता है। यह पूरे वर्ष 650 से अधिक विद्यार्थियों और विभिन्न अन्य हितधारकों जैसे संकाय, अधिकारियों, अकादमिक सहयोगियों, एमडीपी कार्यक्रमों और प्रशासनिक कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करते हैं। हम सुनिश्चित करते हैं कि विद्यार्थियों को कैम्पस में शिक्षाविदों और पाठ्येतर गतिविधियों की कठोरता से निपटने में मदद करने के लिए पौष्टिक भोजन परोसा जाए।

मेस कमेटी के हिस्से के रूप में, विद्यार्थियों को पूरे संगठन को दो साल के लिए बड़े पैमाने पर चलाने का चौतरफा अनुभव मिलता है। सामग्रियों की खरीद, मेनू तय करने, कर्मचारियों के प्रबंधन, मेस फीस जमा करने से लेकर वेतन देने तक, प्रत्येक गतिविधि को विद्यार्थी सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती है। मेस एक गतिशील और हमेशा बदलते परिवेश में संचालित होती है जिसके लिए सक्रिय सोच एवं सहज निर्णय लेने की क्षमता की आवश्यकता होती है। इन-हाउस इन्वेंट्री प्रबंधन, लेन-देन, खरीद (आपूर्ति-मांग चक्र), सोर्सिंग, बजट, वित्तपोषण तथा मानव संसाधन प्रबंधन जैसे कार्यों के साथ दिन-प्रतिदिन संभालने के लिए, टीम एक वास्तविक व्यवसाय को संभालने में सक्षम हो जाती है।

- **क्वारेंटीन ब्लॉकों के लिए टिफिन वितरण सेवा**

  नोवेल कोरोना वायरस के तेजी से फैलने के कारण 2020 की पहली छमाही में पूरी दुनिया में लॉकडाउन था। हमारा संस्थान सितंबर में विद्यार्थियों के लिए खोला गया (खास तौर पर दूरदराज के इलाकों से खराब इंटरनेट कनेक्शन वाले क्षेत्र में रहनेवाले) और उन्हें कैंपस में बाहर आने एवं किसी और के संपर्क में आने से पहले अपने संबंधित छात्रावास के कमरों में 14 दिनों की अवधि के लिए क्वारेंटीन में रहने की आवश्यकता थी। खाद्य वितरण के संदर्भ में, स्थिति ऐसी थी कि इसने हमें सरकार द्वारा बताए गए कोविड मानदंडों को ध्यान में रखते हुए अनुकूलन और विचार करने की मांग की।क्वारंटाइन के दौरान विद्यार्थी अपने भोजन के लिए मेस में नहीं आ सकते थे, इसलिए हमने उनके छात्रावास में उनके कमरे के दरवाजे पर (क्वारंटाइन ब्लॉक में) उन्हें ताजा पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने का दायित्व अपने ऊपर लिया। यह सितंबर से चल रहा है और तब तक जारी रहेगा जब तक हम इस बीमारी के लिए एक निश्चित इलाज (वैक्सीन) नहीं खोज लेते।

  हमने उतन ही मेस स्टाफ से क्वारंटाइन किए गए विद्यार्थियों को दिन में 4 बार टिफिन बॉक्स वितरित किए, जिनकी संख्या 20-70 (कुल मिलाकर 15000+ डिलीवरी) थी और साथ ही मेस को पूरी तरह से चालू रखा। भले ही हमारे कर्मचारी पहली बार डोरस्टेप डिलीवरी कर रहे थे, लेकिन वे समय पर और कुशलता से टिफिन बॉक्स वितरित एवं एकत्र करने में सक्षम थे। किसी भी क्वारंटाइन विद्यार्थी का भोजन एक भी दिन नहीं छूटा।

- **क्षेत्रीय व्यंजन**

  हमारा संस्थान देश की विभिन्न संस्कृतियों एवं कुछ हिस्सों के लोगों का एक समामेलन है, जिनकी अपनी अनूठी भोजन प्राथमिकताएं हैं। हम संभवतः इन प्राथमिकताओं को अपने नियमित मेनू में समायोजित नहीं कर सकते हैं। इसलिए हमने क्षेत्रीय व्यंजन पर विचार किया, जहां हम हर महीने एक विशेष क्षेत्र से लोकप्रिय भोजन परोसते हैं। इस विचार को कार्यान्वित करने के लिए, हम किसी एक क्षेत्र चुनते हैं और लोकप्रिय व्यंजनों का सुझाव देने के लिए चयनित क्षेत्र के किसी विद्यार्थी (विद्यार्थियों) की मदद लेते हैं और यहां तक कि यदि आवश्यक हो तो हमारे रसोईये को क्षेत्रीय व्यंजन के साथ न्याय करने के लिए उन्हें ठीक से पकाने में मदद करते हैं। अब तक, हमने पंजाब, दक्षिण भारत जैसे क्षेत्रों को कवर किया है तथा हमारी सूची में और भी बहुत कुछ हैं जिन्हें जल्द ही कवर किया जाएगा। क्षेत्रीय व्यंजनों ने बैच और फैकल्टी से समान रूप से कुछ प्रशंसा प्राप्त की, जिससे यह विद्यार्थियों के बीच काफी लोकप्रिय हो गया है एवं वे ऐसा और चाहते हैं।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- मेस मेनू विकास
- कर्मचारी प्रबंधन
- खाद्य क्रय
- वित्त प्रबंधन
- उत्सव के अवसरों पर विशेष भोजन
- एमडीपी/संस्थान कार्यक्रम/शैक्षणिक कार्यक्रमों में मेस सेवाएं

मीडिया एवं जनसंपर्क समिति

मीडिया एवं जनसंपर्क समिति (मीडिया एंड पब्लिक रिलेशंस कमिटी - एमपीआरसी) सभी हितधारकों की नजर में ब्रैंड आईआईएम काशीपुर की छवि को सवांरन और पोषित करने के लिए जिम्मेदार है। यह आईआईएम काशीपुर की ब्रांड इक्विटी को बढ़ाने की दिशा में काम करता है और संस्थान के सफल विकास को दर्शाता है।

यह टीम संस्थान में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों की विपणन रणनीति तथा संस्थान द्वारा विभिन्न अन्य स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों का प्रबंधन करती है। यह आईआईएम काशीपुर के ब्रांड को प्रभावी बनाने तथा इसे बढ़ावा देने के लिए विभिन्न डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म को भी संभालता है। हमारे अन्य कार्यों में संस्थान में होने वाली महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के लिए अभियान की योजना बनाना और प्रेस विज्ञप्तियां लिखना शामिल है।

इस टीम का कार्य निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित है:

- **अंतर्वस्तु सृजन**
  सामग्री निर्माण टीम आमतौर पर संस्थान के बारे में सकारात्मक कहानियां तैयार करती है जो मीडिया संबंध टीम पत्रकारों को प्रस्तुत करती है। सामग्री लेख या ब्रांड प्रचार वीडियो के रूप में हो सकता है। इसमें वीडियो का संपादन और डिजाइनिंग भी शामिल है।
- **मीडिया संबंध**
  टीम आईआईएम काशीपुर में होने वाले सभी कार्यक्रमों के टीवी कवरेज सहित प्रेस विज्ञप्ति और मीडिया को संभालती है। यह इंडिया टुडे, इकोनॉमिक टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स और अन्य राष्ट्रीय एवं स्थानीय समाचार पत्रों जैसे मीडिया घरानों के साथ एक मजबूत संबंध रखता है।
- **सोशल मीडिया**
  सोशल मीडिया टीम आईआईएम काशीपुर के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल को प्रबंधित करती है। वे इसका उपयोग संस्थान की सार्वजनिक प्रतिष्ठा का आकलन करने और इसे मजबूत करने के लिए करते हैं। वे निम्नलिखित सोशल मीडिया के साथ बातचीत करते हैं, सोशल मीडिया पर घोषणाएं करते हैं, और ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्रभावितों को ढूंढते हैं।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- आकलन वर्ष 20-21 में किए गए आयोजनों का कवरेज
- सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया में आईआईएम काशीपुर का मीडिया प्रोमोशन
- आठवें दीक्षांत समारोह 2021 के पूर्व एवं पश्चात की ब्रांडिंग
- आईआईएम काशीपुर की 10वीं वर्षगांठ का प्रोमोशन
- अग्नित्रय, उत्तिष्ठा, समन्वय, टेडएक्स, तेजस, एमबीए व्याख्यान श्रृंखला, आदि प्रमुख कार्यक्रमों के प्रचार अभियान।
- आईआईएम काशीपुर वेबसाइट की अंतर्वस्तु का प्रबंधन

खेल समिति

खेल समिति आईआईएम काशीपुर में सभी खेल आयोजनों की योजना बनाती है और उन्हें क्रियान्वित करती है। हम खेल टीमों का चयन करने के लिए जिम्मेदार हैं जो संबंधित टीमों के कैप्टन्स के साथ संस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। हम उपकरणों के जीवनचक्र के अनुसार आईआईएम काशीपुर में सभी स्पोर्ट्स इन्वेंट्री की खरीद, रखरखाव और निपटान करते हैं। हम कर्मठतापूर्वक रिकॉर्ड बनाए रखते हैं और संस्थान के लिए खेल बजट तैयार करते हैं। हम बी-स्कूलों द्वारा संचालित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खेल आयोजनों की पहचान करने तथा उपरोक्त प्रतियोगिताओं में आईआईएम काशीपुर का प्रतिनिधित्व करने वाली खेल टुकड़ी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी जिम्मेदार हैं। हमने पहले 'चक्रव्यूह' की भी मेजबानी की, जिसमें भाग लेने वाली टीमों से गहन प्रतिस्पर्धा देखी गई: आईआईएम रोहतक, आईआईएम सिरमौर और आईआईएम काशीपुर, घरेलू टीम प्रतियोगिता के विजेता के रूप में उभरे।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह (21 जून 2020)**

  अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर खेल समिति ने आईआईएम काशीपुर बिरादरी के सभी सदस्यों के लिए एक योग कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें निदेशक महोदय, संकाय, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण शामिल थे।

- **चेस-ए-थॉन (17 अक्टूबर 2020)**

  टूर्नामेंट एमबीए1 बैच के लिए खुला था और इसमें एक ही पूल में प्रतिस्पर्धा करने वाले लड़कों और लड़कियों के साथ 40 छात्रों ने भाग लिया। खेलों का आयोजन लिचेस प्लेटफॉर्म पर किया गया था, जिसमें प्रतिभागी महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण अपने घरों से अपने उपकरणों पर ऑनलाइन गेम खेलने में सक्षम थे। टूर्नामेंट स्विस प्रारूप में आयोजित किया गया था जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी 6 गेम खेलता था और विजेताओं का फैसला टूर्नामेंट के अंत में अंकों के आधार पर होता है।

- **फ्रैंटिक फैंटेसी फ्रीक्स (एफएफएफ) (2 - 11 नवंबर 2020)**

  एफएफएफ आईपीएल के नॉकआउट चरणों पर आधारित एक फैंटेसी लीग प्रतियोगिता थी। छात्रों ने 2-3 सदस्यों की टीमों में भाग लिया। प्रत्येक टीम को एक बजट दिया गया था और वे 4 आईपीएल टीमों से खिलाड़ियों को खरीद सकते थे जिन्होंने नॉकआउट चरणों के लिए क्वालीफाई किया था, जबकि कई बाधाओं जैसे कि न्यूनतम और अधिकतम संख्या में बल्लेबाजों, गेंदबाजों, विदेशी खिलाड़ियों आदि को संतुष्ट करते हुए प्रत्येक खिलाड़ी को अंक दिए गए थे। उनके वास्तविक जीवन के प्रदर्शन और फाइनल के अंत में उच्चतम समग्र अंक वाली टीम को विजेता घोषित किया गया।

- **फिट इंडिया कैंपेन (13 दिसंबर 2020)**

  फिट इंडिया अभियान पहल का आयोजन दिसंबर 2020 में एक तंदुरुस्त और स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया था। "फिटनेस का डोज़, आधा घंटा रोज़" ने सभी शामिल लोगों को स्वस्थ जीवन जीने में मदद करने के लिए प्रतिदिन 30 मिनट के लिए विभिन्न व्यायाम करने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों ने इस अभियान में बड़ी संख्या में भाग लिया, जहां खेल समिति ने एक फिटनेस योजना बनाने में मदद की और विद्यार्थियों को इसे अपने दैनिक कार्यक्रम में शामिल करने में मदद की, जहां उन्होंने दैनिक व्यायाम किया और अन्य विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए उन वीडियो को अपलोड भी किया। विद्यार्थियों ने पुश-अप्स, प्लैंक्स, वेटलिफ्टिंग, स्क्वैट्स आदि जैसे कई अभ्यास किए। अभ्यास को अंक दिए गए और उच्चतम अंक वाले खंड को विजेता घोषित किया गया।

- **प्रारंभ: शतरंज (29 नवंबर 2020)**

  शतरंज प्रारंभ में आयोजित पहली प्रतिस्पर्द्धा थी, जहां एमबीए1 एवं एमबीए2 आमने-सामने हुए। प्रारंभ v4.0 के बहुप्रतीक्षित किक-ऑफ के परिणामस्वरूप एमबीए1 ने एमबीए2 को हरा दिया।

- **प्रारंभ: गर्ल्स बॉक्स क्रिकेट (23 जनवरी 2021)**

  एमबीए2 और चुनौती देने वाले एमबीए1 के बीच अंतिम प्रतिस्पर्द्धा हुई। एमबीए1 ने बहुत प्रयास किया लेकिन शक्तिशाली एमबीए2 ने एमबीए1 को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और शुरुआत 4.0 श्रृंखला में बॉक्स क्रिकेट मैच में एमबीए1 को एक करीबी मुकाबले में सिर्फ 5 रनों के अंतर से हराकर विजयी हुए।

- **संग्राम: स्पोर्ट्स सेक्शन वार (18 - 24 फरवरी 2021)**

  यह खेल सेक्शन वार - संग्राम में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 5-6 (कोविड के कारण) खेल जैसे क्रिकेट, फुटसल, फ्रिसबी, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल शामिल थे। सभी मैच नॉक-आउट शैली में आयोजित किए गए और संबंधित विजेता वर्ग घोषित किया गया। इसलिए प्रत्येक खेल के सभी अंकों को जोड़कर, प्रतिस्पर्धा के अंतिम विजेता सेक्शन बी को विजेता घोषित किया गया।

- **यूटिलिटी कप (26 जनवरी 2021)**

  गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में, हमने कर्मचारियों, प्रशासनिक टीम एवं विद्यार्थियों के बीच एक एक यूटिलिटी कप का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने एडमिन टीम 27 रनों से हरा दिया।

- **प्रदर्शनी मैचेज**

  खेल समिति ने बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटसल एवं अन्य खेलों में एमबीए 1 एवं एमबीए2 के बीच विभिन्न प्रदर्शनी खेलों का आयोजन किया।

- **केपीएल (3 - 17 मार्च 2021)**

  काशीपुर प्रीमियर लीग आईपीएल के प्रारूप पर आधारित एक बहु-खेल टूर्नामेंट है, जिसमें टीम के मालिक अपनी टीम के लिए विभिन्न खेलों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को रणनीतिक रूप से चुनकर अपने निवेश को बढ़ाने के लिए अपने प्रबंधकीय कौशल का प्रदर्शन कर सकते हैं। यह आयोजन एक विशिष्ट आईपीएल शैली की नीलामी के साथ शुरू होता है, जहां साइन अप करने वाले नीलामी में बिकने के लिए आ जाते हैं और उच्चतम बोली लगाने वाले को बेचे जाते हैं। यह नीलामी लीग के लिए एक तनावपूर्ण और रोमांचक प्रारम्भ है। बोली आईआईएम काशीपुर के छात्रों के स्वामित्व वाली टीमों द्वारा की गई थी, जिसमें मालिकों द्वारा 150,000 रुपये से अधिक लगाए गए थे। केपीएल 7.0 संस्करण में 100 विद्यार्थियों ने खिलाड़ियों की नीलामी में भाग लिया। टीम की नीलामी के दिन से लेकर फाइनल के दिन तक, आयोजन के सातवें संस्करण के दौरान टीमों के किसी भी उतार-चढ़ाव के बिना प्रतिबद्धता और ऊर्जा उनके प्रतीक पर रही है। इसकी शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा भारी संख्या में सामाजिक रूप से दूर दर्शकों की उपस्थिति

के साथ शक्ति-भरे प्रदर्शन के साथ हुई। केपीएल 7.0 ने न केवल विद्यार्थियों को एक टीम के मालिक होने का उत्साह और आनंद दिया, बल्कि एक नई टीम को पूरी तरह से तैयार करने और ट्रॉफी के लिए अपने प्रबंधन कौशल को सुधारने का मौका दिया। मावेरिक्स के केपीएल 7.0 के चैंपियन बनने के साथ टीमों ने अपना शानदार प्रयास किया।। इन सबसे ऊपर, आईआईएम काशीपुर का खेल समुदाय हमेशा इन शब्दों, 'प्ले हार्ड, प्ले फेयर' पर अडिग रहता है।

शैक्षणिक क्लब

कंसीलियम: परामर्श एवं रणनीति क्लब

आईआईएम काशीपुर का परामर्श एवं रणनीति क्लब (कंसल्टिंग एंड स्ट्रैटेजी क्लब), कंसीलियम उन बिंदुओं और परिप्रेक्ष्य को घर तक पहुंचाने के लिए गहन विश्लेषण, डेटा समर्थित अनुसंधान और मुखर प्रस्तुति की संस्कृति बनाने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य उन संगठनों / संस्थाओं के मूल्य संवर्धन करना है। इसके साथ ही, उनकी व्यावसायिक प्रक्रियाओं, सुधार के क्षेत्रों को समझें और उसमें सुधार के लिए एक समग्र समाधान प्रदान करें।

वित्त, विपणन, संचालन और मानव संसाधन जैसे सभी प्रमुख डोमेन में कार्य क्षेत्र में कटौती होती है। वे कई कार्यक्रमों और वेबिनार के आयोजन, उद्योग के पेशेवरों के साथ उनकी करीबी बातचीत और बैचों के लिए अतिथि सत्र की सुविधा के माध्यम से खुद को तैयार करते हैं। यह क्लब नियमित रूप से उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से परामर्श उद्योग की प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ संवाद का आयोजन करता है। यह सदस्यों को परामर्श के क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले मूलभूत मैट्रिक्स और ढांचे से अवगत कराने की अपनी जिम्मेदारी पर भी विचार करता है। क्लब का उद्देश्य अपने सदस्यों के मामले को सुलझाने के कौशल को सुधारना है और उन्हें जटिल समस्याओं के विश्लेषण के बारे में जाने के लिए एक संरचित तरीका सीखना है। इन सबके अलावा, फेसबुक, लिंक्डइन और ट्विटर जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी ऑनलाइन उपस्थिति है। ये न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में स्थित उद्योगों में संगठनों में नवीनतम रणनीतिक घटनाओं के बारे में नियमित रूप से पोस्ट करते हैं।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- कंसल्टिंग मैनेजमेंट बूटकैंप - एक संवादात्मक केस स्टडी चर्चा
- रणभूमि - वार्षिक अखिल भारतीय केस स्टडी प्रतियोगिता
- एंडगेम - राष्ट्रीय व्यवसाय अनुरूपता खेल
- कंसल्टिंग नाइट्स - राष्ट्रीय स्तर की केस स्टडी प्रतियोगिता
- दूरदर्शिता श्रृंखला - एक अंतर-कॉलेज कार्यक्रम
- कॉन्सिलियम इनसाइडर - मासिक न्यूज़लेटर
- अधिग्रहण - अखिल भारतीय लेख लेखन प्रतियोगिता
- -कॉन्सिलियम कंवर्सेशंस - रणनीति वार्ता श्रृंखला

कंसिलियम, आईआईएम काशीपुर द्वारा कंसल्टिंग नाइट्स (दाएं)

एचआररिद्म: एचआर क्लब

क्लब का उद्देश्य पूरे शैक्षणिक वर्ष में नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित करके मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाओं को सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। क्लब का मूल दर्शन उद्योग और अकादमिक के बीच की खाई को पाटना है। यह लेखों और इंफोटेनमेंट के माध्यम से मानव संसाधन में बदलते रुझानों के बारे में सामग्री पोस्ट करके अपने सोशल मीडिया हैंडल को नियमित रूप से अपडेट करता है। उद्योग में लगातार बदलते रुझानों जैसे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि की शुरुआत के साथ, एचआरिद्म भविष्य के एचआर लीडर्स को ज्ञान प्रदान करने का प्रयास करता है और शीर्ष प्रबंधन में एचआर की स्थिति के बीच संतुलन और कर्मचारियों के विश्वास को बनाए रखते हुए पारस्परिक कौशल विकसित करने में उनकी मदद करता है। यह इंटर एवं इंट्रा कॉलेज इवेंट आयोजित करता है, जहां प्रतिभागियों से वास्तविक जीवन एचआर पेचीदगियों को हल करने और एचआर डोमेन में मौजूदा रुझानों और आगामी अभ्यासों के बारे में अपनी राय देने की उम्मीद की जाती है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- स्क्रिबल ड्रिबल
- एक एचआर के जीवन में एक सप्ताह
- प्रज्ञान - प्रमुख केस स्टडी प्रतियोगिता
- इग्नाइट

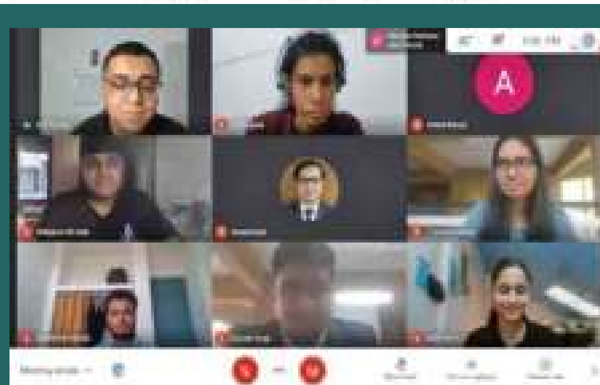

ऑन योर मार्क : मार्केटिंग क्लब

ओवाईएम की स्थापना 16 जनवरी 2014 को विद्यार्थियों द्वारा विपणन के प्रति अपने प्रेम का जश्न मनाने के लिए की गई थी। ओवाईएम का उद्देश्य विपणन के क्षेत्र से संबंधित सभी मामलों में आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों के लिए एक अनुकूल और पोषण करने वाले लोकाचार का निर्माण करना है। इस क्लब का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में रुचि विकसित करना और उन्हें व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक शिक्षा के मिश्रण के माध्यम से विपणन की स्पष्ट समझ रखने में मदद करना है। हम विद्यार्थियों को विपणन के क्षेत्र में उनके करियर का पता लगाने में मदद करना चाहते हैं और इस प्रकार उनकी उद्योग भर्ती प्रक्रिया में एक ठोस सहयोग प्रदान करते हैं। यह क्लब संवादात्मक वर्कशॉप, संगोष्ठी, वाद-विवाद, प्रतियोगिताओं और केस स्टडी जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को विपणन की स्पष्ट और व्यापक समझ में मदद करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- मार्कहोलिक केस-स्टडी प्रतियोगिता
- फोरविजन द्वारा डिजिटल मार्केटिंग एवं एफएमसीजी मार्केटिंग वर्कशॉप
- अम्बुश मार्केटिंग
- गुरिल्ला मारफेयर
- उत्पाद पुनरुत्थान
- सोशल मीडिया मार्केटिंग का ऑनलाइन सप्ताह

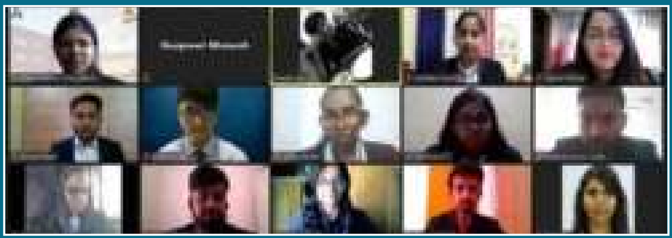

मार्कहोलिक (बाएं) और गुरिल्ला मारफेयर (दाएं)
ओवाईएम, आईआईएम काशीपुर द्वारा

ओएसएम: ऑपरेशंस एंड सप्लाई मैनेजमेंट क्लब

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर में ऑपरेशंस एंड सप्लाई मैनेजमेंट (ओएसएम) क्लब लगातार संचालन, उत्पादन एवं निर्माण, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, संचालन रणनीति, संचालन अनुसंधान और परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में काम करता है। यह क्लब विद्यार्थियों के लिए समर्पित एक आदर्श माध्यम के रूप में कार्य करता है जो उन्हें अपने डोमेन ज्ञान को बढ़ाने तथा क्षेत्र से संबंधित उनके हितों को आगे बढ़ाने में सहायता करके नए क्षितिज तलाशने में मदद करता है। कई इंट्रा/इंटर कॉलेज कार्यक्रमों तथा इंटरैक्टिव सत्रों को सफलतापूर्वक संचालित करके, क्लब ने कॉरपोरेट्स एवं फेलो संस्थानों के बीच अपनी सर्वोच्च उपस्थिति दर्ज की है तथा उन्हें शिक्षित करने के साथ-साथ डोमेन प्रगति को फैलाने में उत्कृष्टता एवं प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करने में अग्रणी रहा है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- ऑप्स-हंट (इंट्रा-कॉलेज प्रतियोगिता)
- केपीएमजी सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट सर्टिफिकेशन
- ऑप्सफीड - मासिक न्यूजलेटर
- ऑपरेटियस (पैन इंडिया केस स्टडी प्रतियोगिता)
- ऑस्मोसिस (पैन इंडिया क्विज प्रतियोगिता)
- ऑपरैकल (पैन इंडिया केस स्टडी प्रतियोगिता)
- ऑपस्क्राइब

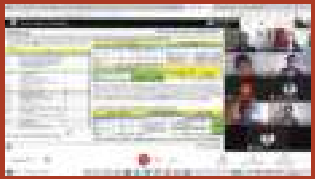

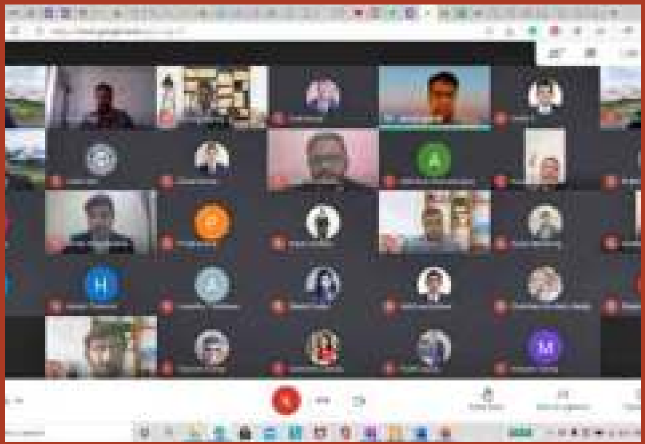

आईआईएम काशीपुर में ओएसएम द्वारा आयोजित कार्यक्रम

टाइटन: आईटी ऐंड ऐनलिटिक्स क्लब

टाइटन क्लब ऐनलिटिक्स के प्रति उत्साही लोगों की एक पहल थी, जिसका उद्देश्य विभिन्न प्रतियोगिताओं, ज्ञान साझा करने वाले सत्रों और इस डोमेन में उद्योग के मार्गदर्शकों के साथ संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों में आईटी और ऐनलिटिक्स के बारे में रुचि पैदा करना था। क्लब आईटी एवं ऐनलिटिक्स में सीखने को बढ़ावा देने के लिए पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। यह क्लब आईटी और ऐनलिटिक्स के क्षेत्र में विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन भी देता है। यह सोशल मीडिया जुड़ाव के साथ-साथ ज्ञान साझा करने के सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान विकसित करने में भी मदद करता है। इस क्लब का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में अवसरों और दायरे से परिचित कराकर ऐनलिटिक्स में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- ब्रेनडेयर
- क्विजऐनलिटिक्स
- प्रमाणन पाठ्यक्रम (सीपीबीए, एसक्यूएल, विजुअलाइज़ेशन)
- सामग्री निर्माण
- डेटासाइट्स
- कोहेरेंस

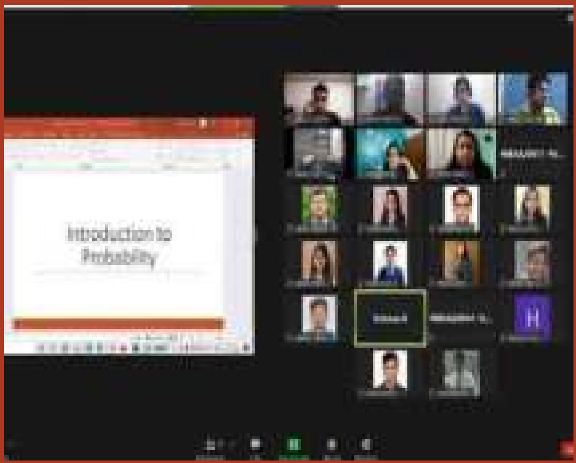

टाइटन, आईआईएम काशीपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम

फाइनैंस क्लब

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर का फाइनेंस क्लब आईआईएम काशीपुर के दायरे में वित्त के लिए संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक विद्यार्थी संचालित पहल है। यह विभिन्न सम्मेलनों, आयोजनों, गतिविधियों, कार्यशालाओं और ज्ञान साझा करने वाले सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों के वित्तीय ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। इन वर्षों में, क्लब ने आने वाले विद्यार्थियों की बदलती आवश्यकताओं एवं कौशल सेटों को अनुकूलित किया है तथा कक्षा के बाहर वित्तीय ज्ञान की एक मजबूत नींव स्थापित करने में मदद करने के लिए उन्हें अपने दायरे में शामिल किया है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- प्रगति - आईआईएम काशीपुर का निवेश कोष
- अखिल भारतीय प्रतियोगिताएं - एस्टीमेटस, ओपन आउटक्राई और सिमुलेशन चैलेंज
- इंट्रा कॉलेज के कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं - बुल्स आई एवं हाई स्टेक
- कार्यशालाएं
  - इक्विटी शोध, मूल्यांकन और वित्तीय मॉडलिंग
  - क्रेडिट रेटिंग एवं कॉर्पोरेट जोखिम विश्लेषण
- ज्ञान साझा करने के सत्र और क्विज़ - फिनलीग
- अतिथि व्याख्यान - मनी मैटर्स (व्यवसायी के दृष्टिकोण से निवेश रणनीतियों पर सत्र) एवं सीएफए जानकारी सत्र
- इनिशिएटिव्स - सीएफए संस्थान संबद्धता

द फाइनेंस क्लब, आईआईएम काशीपुर द्वारा कार्यक्रम

इकोन्स क्लब

आईआईएम काशीपुर का इकोनॉमिक्स क्लब आईआईएम काशीपुर के सात अकादमिक क्लबों में से एक है। यह क्लब विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र के क्षेत्र को जानने के लिए प्रोत्साहित करता है तथा दुनिया भर में हो रही आर्थिक नीतियों और विकास पर सीखने, बहस करने और चर्चा करने के लिए उत्सुक दिमाग के लिए एक मंच प्रदान करता है।

इकोनॉमिक्स क्लब की स्थापना वर्ष 2019 में एक रुचि-आधारित क्लब के रूप में ज्ञान प्रदान करने और अर्थशास्त्र के क्षेत्र के बारे में चर्चा और बातचीत को आमंत्रित करने तथा व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में इसके महत्व और संबंधों को उजागर करने के लिए की गई थी। दिवंगत अमेरिकी विद्वान वारेन बेनिस ने कहा है कि "प्रबंधन में सफलता के लिए उतनी ही तेजी से सीखने की जरूरत है जितनी तेजी से दुनिया बदल रही है।"

इस धारणा को ध्यान में रखते हुए, क्लब ने इच्छुक प्रबंधकों के लिए उनके दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाले "अर्थशास्त्र" के बारे में जागरूक करने और उन्हें व्यावसायिक परिस्थितियों से अधिक कुशलता से निपटने के लिए बेहतर तैयार करना अत्यंत प्रासंगिक पाया है। अपनी स्थापना के बाद से, इकोनॉमिक्स क्लब ने धीरे-धीरे एक कोर अकादमिक क्लब का दर्जा प्राप्त कर लिया है तथा कई और सफल क्लब-आधारित गतिविधियों में शामिल रहा है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- अर्थशास्त्र
- अर्थात्- राष्ट्रीय केस अध्ययन प्रतियोगिता
- गेम ऑफ इकोन्स
- बजट पूर्व विश्लेषण, बजट पश्चात विश्लेषण
- इन्फोग्राफिक मेकिंग प्रतियोगिता
- न्यूज़लेटर
- ज्ञान साझा करने के सत्र

रुचि आधारित क्लब

इकोलॉजी क्लब

आईआईएम काशीपुर का इकोलॉजी क्लब एक समर्पित छात्र निकाय है जो हमारे परिसर को एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों और विचारों को अपनाने की दिशा में काम कर रहा है। यह कुछ समान विचारधारा वाले व्यक्तियों की एक पहल है, जिन्होंने अपने रहने के स्थान के लिए एक साथ आना और प्रयास करना आवश्यक समझा। हम प्लास्टिक के उपयोग को घटाने, सभी सामुदायिक जानवरों की देखभाल करने, पुन: उपयोग को बढ़ावा देने, जलाशयों की बहाली और निर्माण, विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता के लिए काम करते हैं। हम आईआईएम काशीपुर को हरित और स्वच्छ परिसर बनाने के लिए परिसर के कई विद्यार्थी निकायों के साथ समन्वय करते हैं।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- एडनोवेशन: विज्ञापन बनाना प्रतियोगिता अभियान जैसे - जल संरक्षण अभियान, 'कचरा बैग ले जाना'
- ग्रीन आइडिया चैलेंज: डी2सी पर केस स्टडी प्रतियोगिता
- 'केयर फॉर स्ट्रेज' तथा कुत्ते को गोद लेने का कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर के इकोलॉजी क्लब द्वारा इकोटीविटी (बाएं) और 'केयर फॉर स्ट्रेज' (दाएं)

> दुनिया एक पुस्तक है और जो लोग यात्रा नहीं करते हैं वे केवल एक पृष्ठ पढ़ते हैं।
>
> सेंट ऑगस्टाइन

एक्सपीडिशन क्लब

उपरोक्त उद्धरण का अनुसरण करते हुए, एक्सपीडिशन क्लब आईआईएम काशीपुर बिरादरी को पहाड़ों की विशालता, दूरगामी महासागरों, शुष्क रेगिस्तानों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े अवसरों की अधिकता से परिचित कराने की दिशा में प्रयास करता है। हम खानाबदोशों और साहसिक साधकों का एक समूह हैं जो यात्रा के लिए एक समान जुनून हैं। क्लब के दिन-प्रतिदिन के काम में विभिन्न प्रकार के आयोजनों तथा अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से व्यापारिक समुदाय के बीच पर्यटन और फिटनेस को बढ़ावा देना शामिल है। जैसा कि आईआईएम काशीपुर का 'लोगो' लोगों भी, ग्रह और लाभ की ट्रिपल बॉटम लाइन को दर्शाता है। ऐसे में, इस क्लब का मिशन हमारे प्रिय ग्रह पृथ्वी पर स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देना है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- ला टूर डी काशीपुर और ला टूर डी कॉर्बेट - फिटनेस एवं साइकिलिंग प्रतियोगिता
- पर्यटन क्विज और वॉइअजर ऑफ द ईयर: अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी और लेख लेखन प्रतियोगिता
- सोशल मीडिया- सफरनामा, ट्रैवल बकेट लिस्ट और वर्चुअल खोज
- द टूरिस्ट - भारत के पर्यटन क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं पर आधारित अखिल भारतीय केस अध्ययन प्रतियोगिता

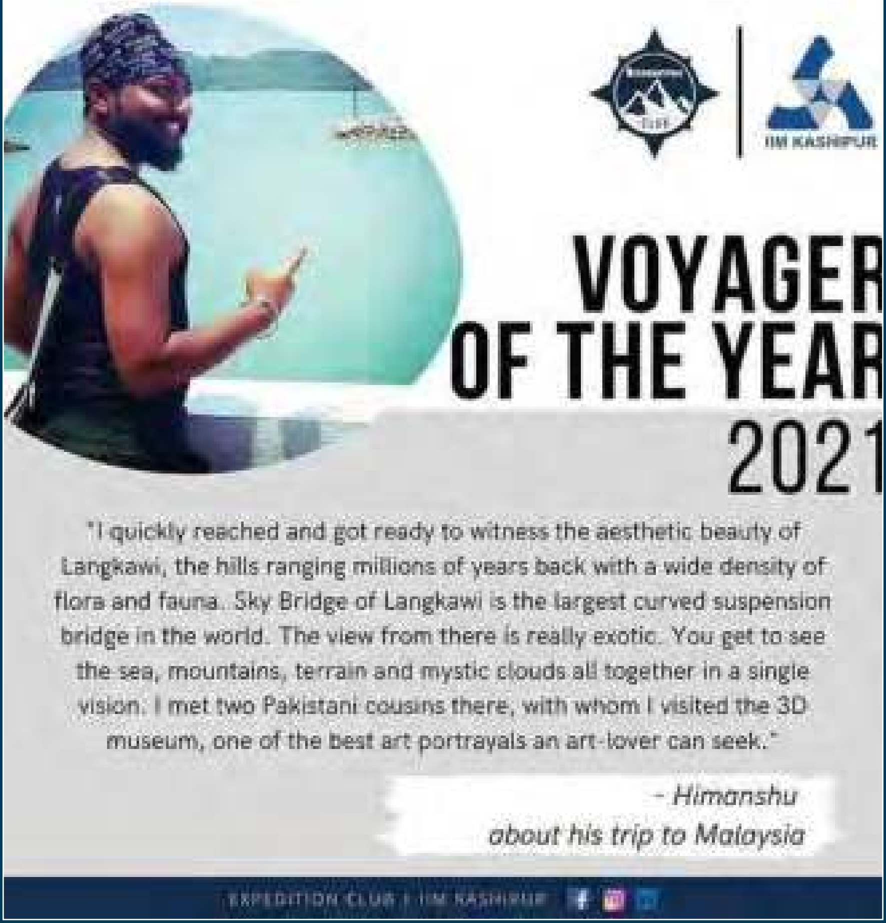

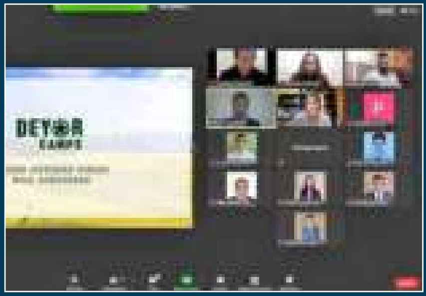

एक्सपीडिशन क्लब, आईआईएम काशीपुर द्वारा 'एक्सप्लोरर ऑफ द मंथ' (बाएं) और टूर डी कॉर्बेट (दाएं)

विदेशी भाषा एवं संस्कृति क्लब

"धन्य हैं वे जो उत्सुक हैं कि उनके पास रोमांच होगा।" कुछ नाम हैं स्पेनिश कार्यशाला: एल मुंडो एस अन पैनुएलो। (यह एक छोटी सी दुनिया है।) हम दुनिया में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली और दूसरी सबसे अधिक पढ़ी जाने वाली भाषा को कास्पियन के लिए लाए। यह दो दिवसीय कार्यशाला थी, जहाँ हमने एक संतुलित थाली में अक्षर, अभिवादन, बुनियादी व्याकरण, सांस्कृतिक और व्यावसायिक शिष्टाचार परोसा। यहां मूल बातों के साथ रोमांचक तथ्य, खेल और प्रश्नोत्तरी का मंचन किया गया।

- **एफएलसीसी नोट**

  आप अपने आप को केलॉग्स के प्रबंध निदेशक के रूप में कल्पना करें, तो आप महसूस करते हैं कि आधे से अधिक भारतीय नाश्ते के लिए अनाज पसंद नहीं करते हैं। आप भारत में नाश्ते की आदतों में क्रांति लाने की योजना बना रहे हैं और देश में केलॉग्स के उत्पाद को बदलना चाहते हैं। क्या आप अब भी उन्हीं अनाजों से चिपके रहेंगे? या एक नया उत्पाद लाने की कोशिश करें जो भारतीय स्वाद ग्रंथियों को संतुष्ट करे? क्या भारतीयों के अनुसार नया उत्पाद पूरी तरह से स्वादिष्ट होगा? हां, क्योंकि हम सादा खाना पसंद नहीं करते हैं, है ना? अब, क्या आप देखते हैं कि सांस्कृतिक प्रभाव कैसे काम आता है! ठीक यही हम यहाँ करते हैं।

- **शब्द कसरत**

  यहां, हम अन्य देशों के व्युत्पत्ति के साथ अंग्रेजी भाषा में पेश किए गए विदेशी वाक्यांशों और शब्दों को साझा करते हैं। ये शब्द एवं वाक्यांश भाषा के निरंतर विकसित होने वाले ब्रह्मांड में फ्लैशबैक को भी रोमांचित कर रहे हैं और यह कैसे इतिहास के रूप में विकसित होता है। हमने बिना किसी प्रयास के विद्यार्थियों के बीच विभिन्न विदेशी भाषाओं के बारे में रुचि और ज्ञान विकसित करने के लिए एक बहुभाषी सोशल मीडिया उपस्थिति बनाने की योजना बनाई है। इन शब्दों को उचित शोध के बाद चुना जाता है और आधिकारिक हैशटैग #Get_LingoED_with_FLCC के साथ सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया जाता है (जैसे Deja vu, Vis-a-vis, Alma mater, Schadenfreude)।

- **डुओलिंगो प्रतियोगिता**

  डुओलिंगो मंच पर एक महीने तक चलने वाली भाषा प्रतियोगिता विद्यार्थियों को एक संवादात्मक वातावरण में एक विदेशी भाषा सीखने के लिए प्रेरित करती है।

- **एफएलसीसी कुइज़ू**

  विदेशी संस्कृति, भाषा, शिष्टाचार और व्यापार पर प्रश्नोत्तरी, जिसका उद्देश्य ज्ञान का परीक्षण करने तथा विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय प्रवृत्तियों के साथ गठबंधन रखना है।

- **हैलोवीन**

  यह पोशाक डिजाइन के साथ एक मजेदार शाम - एक रचनात्मकता शोडाउन और साइबर हंट था, जहां विद्यार्थीगण 24 घंटे के चौंका देने वाले शिकार में टीमों में भाग लिया।

गैम्बिट

गैम्बिट आईआईएम काशीपुर का आधिकारिक गेमिंग क्लब है तथा आईआईएम काशीपुर में पीसी गेम्स जैसे फीफा, सीएस आदि से लेकर पोकर नाइट्स और अन्य प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए सभी प्रकार के खेलों की मेजबानी करता है। हम सभी गेमर्स (पेशेवर या शौकिया) या गैर-गेमर्स को पूरे साल आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में मस्ती करने और अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करते हैं। हमारे पास ढेर सारे खेल और कार्यक्रम हैं जिनका आयोजन हम विद्यार्थियों में टीम निर्माण और रणनीति कौशल को बढ़ाने के लिए करते हैं। हम आपको एमबीए प्रोग्राम की हलचल के बीच मेलजोल, बातचीत और मस्ती करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। पिछले साल हमने वैलोरेंट और कॉड मोबाइल गेम्स के लिए एक इंटर कॉलेज कार्यक्रम आयोजित किया था। इंट्रा कॉलेज के लिए हमने ब्लर एवं फीफा, फीफा नाइट्स का आयोजन किया।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- सीएस 1.6 नाइट आउट
- पांडेमोनियम (पार्टी गेम्स)
- खेल गांव
- पोकर नाइट

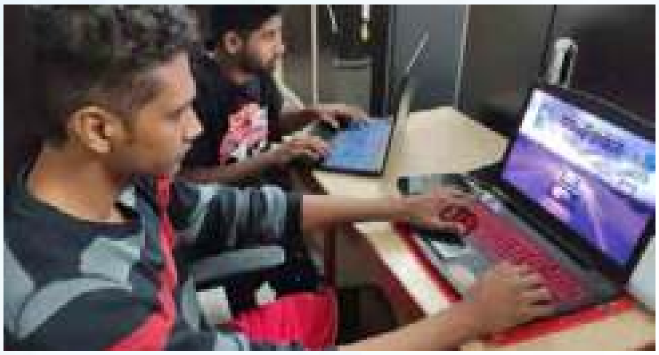

आईआईएम काशीपुर में गैम्बिट द्वारा पंडोनियम (बाएं) एवं सीएस नाइट (दाएं)

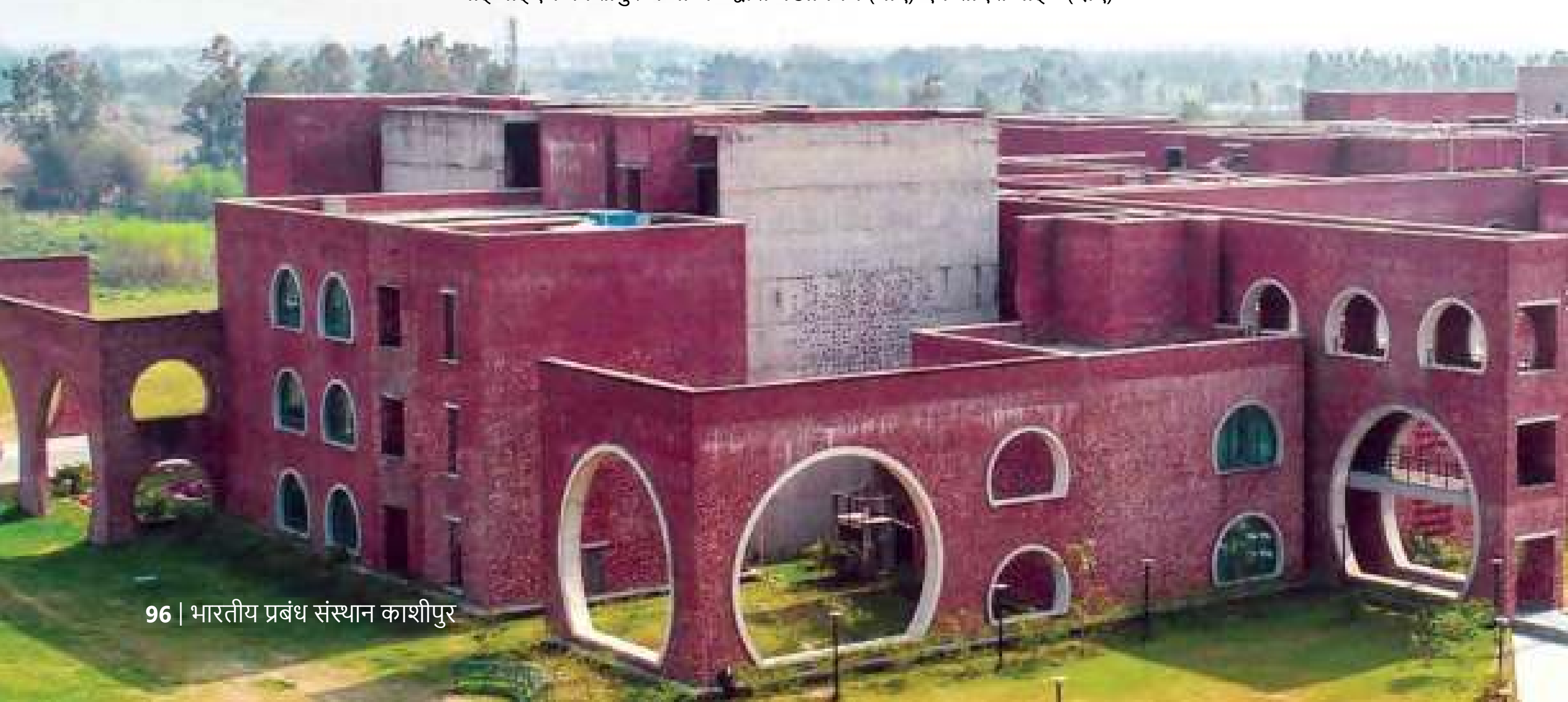

लिटरेरी क्लब

आईआईएम काशीपुर में लिटरेरी क्लब (साहित्यिक क्लब) विद्यार्थियों के बीच सभी साहित्य संबंधित क्षेत्रों जैसे कि पुस्तक पढ़ने, वाद-विवाद, कविता पाठ, कहानी सुनाना, आशुभाषण, संवाद करना, रचनात्मक लेखन और बहुत कुछ को बढ़ावा देने एवं बनाए रखने के लिए मौजूद है। पूरे साल लिट क्लब इन कौशलों को सम्मानित करने के उद्देश्य से कई आकर्षक गतिविधियों और कार्यक्रमों का डिजाइन और संचालन करता है। साहित्यिक गतिविधियों के लिए आंतरिक संसाधनों का उपयोग करने के अलावा, ये क्लब विभिन्न बाहरी कॉलेजों, साहित्यिक कार्यक्रमों और समूहों के साथ क्लब की गतिविधियों के दायरे का विस्तार करने के लिए सहयोग करते है।'

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- इंट्रा कॉलेज इवेंट - परिप्रेक्ष्य, चाय पर चर्चा और वाक्य विशेष
- अखिल भारतीय कार्यक्रम - अभिव्यक्ति
- पहल - पुस्तक समीक्षा एवं व्याख्या
- एक्टिविटी - इयरबुक

आईआईएम काशीपुर में लिटरेरी क्लब द्वारा अभिव्यक्ति और 'क्राफ्ट योर स्टोरी' (दाएं)

रिवर्ब: म्यूजिक क्लब

हमारा लक्ष्य आईआईएम काशीपुर में संगीत प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और विद्यार्थियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। अपनी स्थापना के बाद से रिवर्ब सभी संगीत गतिविधियों एवं संगीत कार्यक्रमों के लिए पथप्रदर्शक रहा है, जिससे व्यस्त शैक्षणिक जीवन से थोड़ा आराम मिलता है। इस क्लब ने सभी संगीत प्रेमियों को एकजुट करने के लिए सोशल मीडिया चैनल पर एक समर्पित संगीत समुदाय- "कास्पियन मेलोबीज" शुरू की है। यह एक ऐसा मंच है जहां प्रतिभागी अपनी संगीत प्रतिभा को साझा करते हैं। विद्यार्थियों को जैम सत्रों का आनंद लेने तथा कॉलेज में संगीत संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सक्षम बनाने हेतु रीवर्ब द्वारा अत्याधुनिक उपकरणों के साथ एक विशेष संगीत कक्ष का रखरखाव किया जाता है। यह क्लब संगीत प्रतियोगिता, संगीत आधारित क्विज़, जैम सत्र, सूचनात्मक पोस्ट आदि जैसे विभिन्न ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पूरे वर्ष सक्रिय रहता है ताकि हमारे कॉलेज द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली कला कौशल की भावना की पुष्टि की जा सके।

रिवर्ब का उद्देश्य संगीत के प्रति प्रेम को फैलाना है तथा विद्यार्थियों को संगीत के प्रति अपने जुनून को नए एवं अभिनव तरीकों से साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- सुरभि सीरीज
- जैम सत्र
- मेलेंज
- रैपसोडी सीरीज

आईआईएम काशीपुर में म्यूजिक क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम

परिवर्तन क्लब

परिवर्तन क्लब आईआईएम काशीपुर का सामाजिक उत्तरदायित्व क्लब है जो हमारे प्रबंधकीय कौशल एवं विशेषज्ञता का सर्वोत्तम उपयोग करके हमारे समाज में स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहा है। हम हमेशा ऐसे आयोजनों एवं प्रतियोगिताओं के आयोजन में विश्वास करते हैं जो विद्यार्थियों के साथ-साथ बड़े समाज में कई अवसरों पर जागरूकता बढ़ाते हैं और 'शेयरिंग इज गिविंग' की भावना पैदा करते हैं। हम गैर सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक गैर-लाभकारी संगठनों, सरकारी संस्थानों और कॉरपोरेट्स के साथ संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कार्यकलाप/ कार्यक्रम

- वस्त्र एवं कंबल दान
- प्रयास - वार्षिक प्रमुख केस अध्ययन प्रतियोगिता
- रन फॉर इक्वैलिटी
- लेख लेखन प्रतियोगिता - महिला दिवस
- जागरूकता कार्यक्रम - सड़क सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा का उन्मूलन, आदि
- पिच करो
- अनफ़िल्टर्ड वार्तालाप
- फंड संग्रह

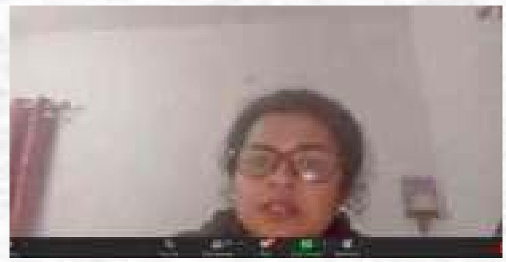

परिवर्तन क्लब, आईआईएम काशीपुर द्वारा कंबल दान अभियान (बाएं) एवं मंथन (दाएं)

फोटोग्राफी क्लब

इस क्लब की जिम्मेदारी आईआईएम काशीपुर में होने वाले सभी कार्यक्रमों का कवरेज करना है। सामान्य समय में, हम प्रमुख कार्यक्रम "अग्नित्रय", और अन्य प्रसिद्ध कार्यक्रमों जैसे कि उत्तिष्ठा, कोलेसेन्स और टेडएक्स के साथ-साथ काफोकोनिया और संग्राम, स्पोर्ट्स इवेंट को कवर करते हैं।

हम शानदार तस्वीरों और वीडियो के रूप में बाहरी दुनिया को आईआईएम काशीपुर की सुंदरता दिखाते हैं। यह क्लब कॉलेज के नवोदित फोटोग्राफरों को फोटो ऑफ द मंथ और फोटो ऑफ द वीक के माध्यम से क्लबों के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रदर्शित करके तथा फोटोग्राफी कार्यशालाओं और फोटो-वॉक जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करना है।

हम आईआईएम काशीपुर में रहने वाले पलों को उन दृश्यों के रूप में यादगार लम्हों में बदल देते हैं जिन्हें आईआईएम काशीपुर परिवार के एक सदस्य फिर से देख और जीवन भर याद रख सकते हैं।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- महीने का फोटो
- सप्ताह का फोटो
- पिक्सेलेंस: एक अखिल भारतीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता
- उत्सव की विशेषताएं
- परिसर के भीतर सभी विद्यार्थी निकायों द्वारा आयोजित कार्यक्रम को कवर करना

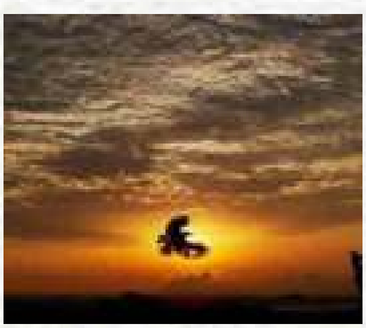

आईआईएम काशीपुर में फोटोग्राफी क्लब द्वारा कुछ तस्वीरें

क्वेस्ट

क्वेस्ट आईआईएम काशीपुर का क्विज़ क्लब है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के बौद्धिक मस्तिष्क में क्विज़िंग संस्कृति को आत्मसात करना है। क्वेस्ट आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों के बीच एक स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी प्रश्नोत्तरी संस्कृति को भी बढ़ावा देता है और उन्हें किसी भी कॉर्पोरेट और बी-स्कूल प्रतियोगिताओं के पहले दौर में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करता है। क्वेस्ट उन लोगों के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है जो व्यापार, मनोरंजन, सामान्य जागरूकता और साहित्य जैसे विभिन्न शैलियों में अपनी बुद्धि का प्रदर्शन करना चाहते हैं। इसके अलावा, हमारे क्विज़ और सत्र उन प्रतियोगिताओं का विश्लेषण करने पर केंद्रित हैं जो सक्रिय व्यक्तियों के एक समूह के निर्माण में मदद करते हैं और विद्यार्थीगण 'क्वेंच देयर क्वेस्ट फॉर क्विज़िंग' के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

हमारी मूल विचारधारा यह है कि, "केवल सही उत्तर जानना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि सही प्रश्न पूछने की क्षमता भी होनी चाहिए।"

क्लब क्वेस्ट के सोशल मीडिया हैंडल पर अभियान श्रृंखला भी चलाता है जिसने क्रमशः इंस्टाग्राम और फेसबुक पर जुड़ाव बढ़ा दिया है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- केक्यूएल (काशीपुर क्विज़िंग लीग) - क्विज़ की एक वार्षिक श्रृंखला
- सप्ताहांत - समय सीमा के साथ ऑन-योर-डिवाइस ऑनलाइन क्विज़ की एक श्रृंखला
- एफईएम क्विज - वित्त, अर्थशास्त्र और विपणन डोमेन पर आधारित एक अंतर-कॉलेजिएट प्रश्नोत्तरी।

मोशन पिक्चर क्लब

मोशन पिक्चर क्लब का उद्देश्य विश्व सिनेमा से जुड़े मजेदार और मनोरंजक चैनलों के माध्यम से प्रबंधन सीखने को बढ़ावा देना है। यह क्लब विद्यार्थियों को उनके व्यस्त एमबीए शेड्यूल के बीच फिल्मों का आनंद लेने में भी मदद करता है।

प्रबंधन से संबंधित फिल्मों की स्क्रीनिंग के माध्यम से, टीएमपीसी का उद्देश्य उन फिल्मों द्वारा प्रदान की जाने वाली सीख के बारे में चर्चा करना है और हम एक क्लब के रूप में विभिन्न अंतर्दृष्टि भी देते हैं जो आईआईएम काशीपुर बिरादरी के लिए मददगार हो सकती हैं।

यह क्लब विश्व सिनेमा से प्रबंधन सीखने पर चर्चा करने के लिए विद्यार्थियों के लिए एक मंच बनाने में भी मदद करता है। हम उद्देश्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं की मेजबानी करते हैं। उनके माध्यम से, हम विद्यार्थियों को पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रुचि लेने और उनकी सर्वांगीण क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- ऑनलाइन माध्यम से छात्रों को जोड़ने के लिए क्रिटिक डू फ्लिक, एक साप्ताहिक फिल्म समीक्षा-सह-संसुस्ति श्रृंखला शुरू की गई थी।
- फिल्म-ए-ग्रिल (शैली-आधारित मूवी क्विज़), और पिक्चर-ओ-मेडी (फनी मूवी फोटो क्रिएटिव चैलेंज) जैसी नई पहलों के माध्यम से बेहतर ऑनलाइन जुड़ाव

स्निपेट्स, टीएमपीसी, आईआईएम काशीपुर

टोस्टमास्टर्स क्लब

टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल एक गैर-लाभकारी शैक्षिक संगठन है जो क्लबों के एक विश्वव्यापी नेटवर्क के माध्यम से सार्वजनिक रूप से बोलने और नेतृत्व कौशल सिखाता है। एंगलवुड, कोलो स्थित इसके मुख्यालय में, 143 देशों में 16,600 से अधिक क्लबों में संगठन की सदस्यता 357,000 से अधिक है।

वर्ष 1924 से, टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल ने विविध पृष्ठभूमि के लोगों को अधिक आत्मविश्वासी वक्ता, संचारक और मार्गदर्शक बनने में मदद की है। आईआईएम काशीपुर टोस्टमास्टर्स क्लब ने कुल 13 क्लब बैठकें आयोजित कीं, जो वस्तुतः शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में आयोजित की गईं थी।

प्रत्येक बैठक में एक अनूठी थीम थी तथा इसमें क्लब के सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। इसने वैश्विक ख्याति के संस्थानों जैसे कि नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर और इंपीरियल कॉलेज ऑफ़ लंदन के टोस्टमास्टर्स क्लबों के साथ भी सहयोग किया। क्लब ने क्षेत्र स्तरीय भाषण और मूल्यांकन प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल करके प्रशंसा प्राप्त की। इस अवधि में क्लब ने चार स्तर 1 प्रमाणपत्र भी प्रदान किए।

टोस्टमास्टर्स क्लब, आईआईएम काशीपुर द्वारा क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता (बाएं) और क्लब बैठकें (दाएं)

प्रकोष्ठ

क्रिएटिव स्टूडियो: डिज़ाइन सेल

क्रिएटिव स्टूडियो डिजाइनरों एवं विक्रेता प्रबंधकों का मिश्रण है जो बैच के लिए और विभिन्न विद्यार्थी निकायों के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न व्यापारिक उत्पादों की डिजाइन एवं खरीद के लिए जिम्मेदार हैं। यह सभी प्रमुख कॉलेज आयोजनों के लिए विभिन्न डिजाइनिंग आवश्यकताओं (जैसे लोगो, पोस्टर, बैनर, ब्रोशर, वार्षिक पुस्तिका) में भाग लेता है जिसमें वार्षिक उत्सव, खेल गतिविधियां और कॉर्पोरेट कार्यक्रम शामिल हैं। इस टीम के पास प्रोक्रिएट, फोटोशॉप, एडोब स्केच, फिल्मोरा, ब्लेंडर आदि में विशेषज्ञता है और यह विद्यार्थियों की मदद के लिए कार्यशालाओं को प्रोत्साहित और आयोजित करके कॉलेज में एक रचनात्मक माहौल बनाने का प्रयास करती है। इसके अलावा हमारी टीम आईआईएम काशीपुर के आधिकारिक ऑनलाइन मर्चेंडाइज स्टोर का प्रबंधन करती है। ऑनलाइन मर्चेंडाइज स्टोर में टी-शर्ट, हुडी, कैजुअल टी-शर्ट, मग, मास्क, पानी की बोतलें और बैज जैसे कई तरह के उत्पाद हैं। इन सभी उत्पादों के डिज़ाइन केवल क्रिएटिव स्टूडियोज के कार्यक्षेत्र में आते हैं। पिछले साल हमारी टीम ने 500+ से अधिक आधिकारिक बैच हुडी और 250+ आधिकारिक बैच टी-शर्ट की लॉजिस्टिक्स और खरीद को संभाला। इसके अलावा, डिजाइन और शिपमेंट के भौतिककरण के लिए अच्छे विक्रेता और डिलीवरी पार्टनर ढूंढना; और उनके साथ दीर्घकालिक संबंध बनाने पर काम करना प्रकोष्ठ की एक अभिन्न जिम्मेदारी है।

इस साल डिजाइन सेल देश के भविष्य के प्रबंधकों के बीच रचनात्मक सोच को प्रज्वलित करने के लिए डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन पर अपनी कार्यशाला शुरू करेगा। आईआईएम काशीपुर का डिजाइन सेल आधिकारिक तौर पर 'क्रिएटिव स्टूडियोज' के नाम से काम करता है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- विभिन्न विद्यार्थी निकायों और दोनों बैचों के लिए लोगो, टी-शर्ट, बैनर आदि डिजाइन करना
- ईयरबुक, स्टूडेंट बॉडी हैंडबुक और एकेडमिक न्यूजलेटर डिजाइन करना

आंट्रप्रेन्योरशिप सेल

आईआईएम काशीपुर में आंट्रप्रेन्योरशिप सेल (ईसेल) लगभग एक दशक पहले 2012-13 में शुरू किया गया था। अपनी विनम्र शुरुआत के बाद से, यह संस्थान में उद्यमिता संस्कृति को लगातार बढ़ावा दे रहा है। अब तक 20 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों ने अपना खुद का व्यवसाय स्थापित किया है और पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बने हुए हैं। पिछले साल, ईसेल की कुल पहुंच 4.59 लाख इम्प्रेशंस थी, जिसमें तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों ने इसके 10+ कार्यक्रमों में भाग लिया था। कोविड 19 संकट और छात्र इंटर्नशिप को रद्द करने के कारण, सेल ने 2020-22 एमबीए बैच के 9 विद्यार्थियों के लिए नए इंटर्नशिप अवसरों की सुविधा के लिए भी कदम बढ़ाया। कुछ प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल हैं:

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- उत्तिष्ठा - वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन
- उड़ान - राष्ट्रीय व्यापार योजना प्रतियोगिता
- संवाद - स्टार्ट-अप साक्षात्कार श्रृंखला
- ई-बेट्स - उद्यमिता पर समूह चर्चा श्रृंखला
- स्कूल रीच-आउट इनिशिएटिव - विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की मानसिकता पैदा करना

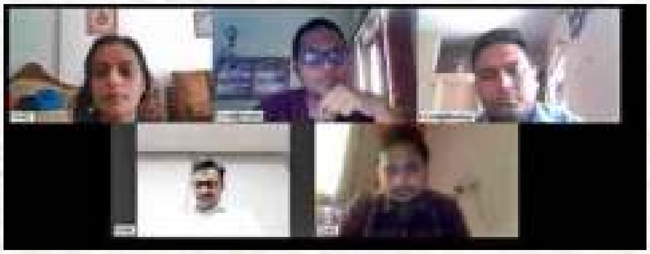

ई-सेल, आईआईएम काशीपुर द्वारा आंट्रप्रेन्योर टॉक (बाएं) और इन्वेस्टोमेनिया (दाएं)

प्रेप सेल

प्रेप सेल का प्राथमिक लक्ष्य नियोजन के लिए बैच तैयार करने के साथ ही कौशल सेट को बढ़ाने और दक्षताओं के निर्माण में भी मदद करना है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- मार्गदर्शन
- डोजियर तैयारी सत्र
- फिर से तैयारी शुरू करना
- व्यक्तिगत साक्षात्कार
- समूह चर्चा

स्पॉन्सरशिप सेल

अनिवार्य अकादमिक कठोरता के बीच एमबीए, जो कैंपस को जीवंत बनाए रखता है, कैंपस का असाधारण कार्यक्रम है। इनमें से कुछ कार्यक्रमों में काकोफोनिया, काशीपुर प्रीमियर लीग, कोलेसेन्स, टेडएक्स शामिल है, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं है। इसके साथ ही सबसे बहुप्रतीक्षित और अद्भुत कार्यक्रम, जो हमारा वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम, अग्नित्रय भी शामिल है। ये आयोजन हमें मंत्रमुग्ध कर देते हैं, लेकिन उन्हें विनम्र और उत्साह से भरपूर बनाने के पीछे उनके प्रायोजक हैं। रोमांचक नकद पुरस्कार और उपहार हमें हमेशा इन आयोजनों में अपने सभी प्रयासों के साथ अपनी किस्मत आजमाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाते हैं। हम, स्पॉन्सरशिप सेल में, इन प्रायोजकों के साथ समझौते करके उन्हें मेज पर लाने के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। आईआईएम काशीपुर जैसे कार्यक्रमों के प्रायोजकों के रूप में आप सैफएक्सप्रेस, एसबीआई, एवीईओ, रेडएफएम और अन्य जैसे नाम सुनते हैं जो पूरे वर्षों में हमारी लगातार कड़ी मेहनत का प्रतीक हैं। स्पॉन्सरशिप सेल नए प्रायोजकों को प्राप्त करके और पुराने प्रायोजकों के साथ अपने संबंधों को बनाए रखने के द्वारा आयोजनों के लिए अधिक निधि प्राप्त के माध्यम से कार्यक्रमों को बड़ा, उज्जवल और बेहतर बनाने में सहायता करता है। हमारा लक्ष्य अपने संस्थान और इसके प्रायोजकों दोनों की पहुंच का विस्तार करना है।

हम क्या करते हैं

- आयोजनों के लिए नए प्रायोजक प्राप्त करते हैं और मौजूदा प्रायोजकों के साथ संबंध बनाते हैं
- विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर प्रचार के माध्यम से हमारे प्रायोजकों की पहुंच बढ़ाते हैं
- हमारी ओर से डिलिवरेबल्स पर जोर देकर लीड को संभावित प्रायोजकों में बदला जाता है

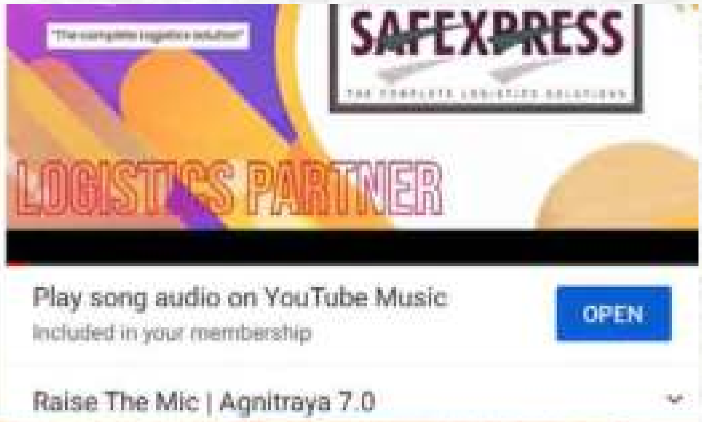

टीम

आईआईएम काशीपुर की टीम इनसाइट आगामी बैच के लिए संभावित विद्यार्थियों के लिए पहला संपर्क बिंदु होने के लिए जिम्मेदार विद्यार्थी निकाय है। इनकी सीएपी प्रक्रिया के वैट-पीआई दौर के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करता है। टीम उन्हें कॉलेज से संबंधित उनके प्रश्नों और कॉलेज द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में भी मदद करती है। टीम आगामी बैच के प्रवेश की पुष्टि होने तक छात्रों को प्रवेश सहायता प्रदान करती है। नए बैच के प्रवेश के बाद, टीम विद्यार्थियों को आईआईएम काशीपुर की संस्कृति और एमबीए की संस्कृति के आदी होने में मदद करने के लिए 8-10 दिन का इंडक्शन भी आयोजित करती है।

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- कॉन्फैब (एस्पिरेंट्स के साथ वेबिनार)
- एस्पिरेंट मेंटरशिप प्रोग्राम
- सोशल मीडिया अभियान (आईआईएम काशीपुर पर और लिंक्डइन, फेसबुक, इंस्टाग्राम, मीडियम, यूट्यूब, क्वोरा, पागलग्यू और टेलीग्राम के इनसाइट हैंडल पर)
- सोशल मीडिया अभियान- इंटर्न डायरीज, व्हाईआईआईएमकाशीपुर, ब्लॉग, थ्रू अल्मनाई लेंस, इनसाइड आईआईएम काशीपुर, छात्र निकाय परिचय अभियान, वैट-पीआई किट, साक्षात्कार अनुभव, एमबीए ऐनलिटिक्स परिचय अभियान, क्विबलर ज्ञान श्रृंखला, क्रैककैट श्रृंखला।
- वीडियो अभियान- केवाईसी (नो योर कैंपस सीरीज), एमबीए एवं एमबीए एनालिटिक्स पाठ्यक्रम वीडियो, कॉन्फैब वीडियो सीरीज, व्हाई एमबीए वीडियो सीरीज, इंटर्व्यू रेडी वीडियो सीरीज,
- इंडक्शन कार्यक्रम

वेलनेस को-ऑर्डिनेटर्स

वेलनेस को-ऑर्डिनेटर्स आईआईएम काशीपुर कैम्पस में और उसके आसपास विद्यार्थियों और चिकित्सा सुविधाओं के बीच समन्वय बनाये रखने का कार्य करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए टीम की स्थापना की गई थी कि आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों को उनकी ज़रूरत की स्थिति में, परेशानी मुक्त तरीके से चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हों। हमारी टीम किसी भी स्वास्थ्य संबंधी संकट या आपात स्थिति में विद्यार्थियों की मदद और सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहती है। हम अपने सोशल मीडिया हैंडल और न्यूज़लेटर्स के माध्यम से विद्यार्थियों की समग्र भलाई से संबंधित टिप्स, उपचार और प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। हम उन गतिविधियों के लिए ज़िम्मेदार हैं जो परिसर में और उसके आस-पास नियमित कार्यक्रमों का हिस्सा हैं जैसे खेल आयोजनों, व्यायामशाला गतिविधियों, और चिकित्सा स्थितियों के दौरान सामना जो एक विद्यार्थी सामना कर सकता है।

- विद्यार्थियों, संकायों और उनके परिवारों के लिए टाइफाइड, हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस बी के टीके लगाने के लिए टीकाकरण अभियान की व्यवस्था।
- परिसर में सभी विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट की व्यवस्था
- कॉलेज प्रशासन के सहयोग से परिसर में सभी विद्यार्थियों, संकायों और उनके परिवारों के लिए निर्धारित कोविड टीकाकरण

आईआईएम काशीपुर में कार्यक्रम

अग्नित्रय

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर ने अपने वार्षिक सांस्कृतिक, खेल एवं प्रबंधन महोत्सव के सातवें संस्करण 'अग्नित्रय 2020' का आयोजन किया। अग्नित्रय एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है तीन पवित्र अग्नियां, जो कि देवताओं को प्रसन्न करने के लिए किया जाने वाला बलिदान है। सफलता को उस मंदिर के रूप में माना जा सकता है, जिसमें नम्रता, धीरज और समर्पण की तीन पवित्र अग्नियों को प्रज्वलित करने की आवश्यकता होती है। उन्हें प्राप्त करने पर हम पूर्ण हो जाते हैं। यह नाम इस त्रय तथा प्रबंधन, सांस्कृतिक और खेल के क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों का भी प्रतीक है।

अग्नित्रय का सातवां संस्करण, जो कि आईआईएम काशीपुर का वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम है, को सफलतापूर्वक वर्चुअली आयोजित किया गया। यह 'बैक टू द फ्यूचर' थीम पर आधारित रहा। अपनी स्थापना के बाद से, अग्नित्रय ने साल-दर-साल जबरदस्त वृद्धि देखी और इस साल इसने पूरे भारत में लगभग 50 कॉलेजों की भागीदारी देखी। लोकप्रिय गायकों, वाणी भसीन और सुनीत रावत ने दूसरे और तीसरे दिन की स्टार नाइट मेंअपने शानदार संगीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तीसरे दिन कई कार्यक्रमों के आयोजन के बाद, दर्शकों में फिर से जोश से भरने के लिए, अग्नित्रय ने कॉमेडी नाइट्स की मेजबानी की, जहां कॉमेडियन रजत सूद ने लोगों को हंसी के फव्वारों में डूबो दिया। आईआईएम काशीपुर ने इस तीन दिवसीय उत्सव में कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं एवं उनकी रचनात्मकता को देखा।

इस साल कोविड 19 के कारण हम खेल आयोजन नहीं कर सके और हमें सब कुछ एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ले जाना पड़ा। हालाँकि इसने कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी!

कार्यकलाप/कार्यक्रम

- सांस्कृतिक आयोजन
- प्रबंधन कार्यक्रम
- स्टार नाइट
- कॉमेडी नाइट
- एमयूएन कार्यक्रम

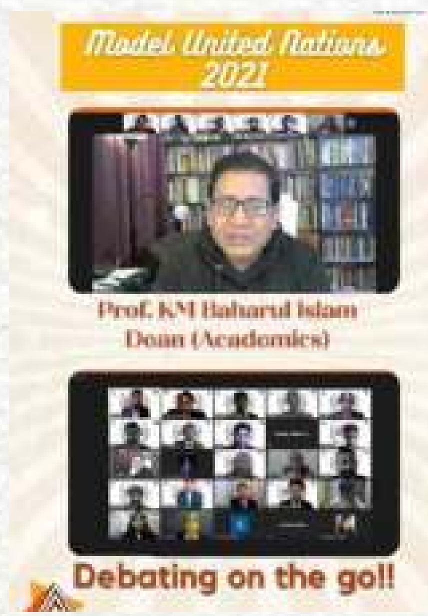

आईआईएम काशीपुर में 6 फरवरी से 8 फरवरी, 2020 तक आयोजित अग्नित्रय '20

उत्तिष्ठा

उत्तिष्ठा आईआईएम काशीपुर का वार्षिक ई-शिखर सम्मेलन है। देश भर के उद्यमियों को विद्यार्थियों को उद्यमिता से संबंधित अपार ज्ञान और अनुभव प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। यह आयोजन विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना पैदा करने के लिए समर्पित है। इस कार्यक्रम में कुछ सफल स्टार्ट-अप संस्थापक और निवेशक उपस्थित थे।

निम्नलिखित विशेषज्ञों द्वारा मुख्य वक्तव्य आयोजित किए गए -

- विक्रम दुग्गल - मैनेजिंग पार्टनर, इकेल वेंचर
- जतिन सिंह - संस्थापक, स्काईमेट वेदर एंड विलेज कवर
- मुकेश मलिक - सीईओ प्रोजेक्ट जीके, पार्टनर आह वेंचर्स
- सुनील चावला - मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड

आईआईएम काशीपुरी में उत्तिष्ठा

वर्ष के दौरान उपलब्धि

आईआईएम काशीपुर अपनी स्थापना के बाद से तेजी से प्रगति पथ पर अग्रसर है। इस प्रगति को मापने के प्रमुख मानकों में से एक कॉर्पोरेट और बी-स्कूल प्रतियोगिताओं में छात्रों की सफलता है। डेयर2कंपीट एक ऐसा मंच है जो प्रतिष्ठित संस्थानों एवं प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा प्रतियोगिताओं की मेजबानी करता है। यह विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन के केस अध्ययन के साथ विभिन्न डोमेन के बारे में जानने का एक माध्यम प्रदान करता है और उन्हें संभावित भर्तीकर्ताओं से जुड़ने का मौका देता है। इससे करियर के अवसरों के द्वार खुलते हैं। डेयर2कंपीट रैंकिंग का बहुत महत्व है जो संस्थानों को प्राप्त करने की ब्रांड इक्विटी के उत्थान में मदद कर सकता है।

आईआईएम काशीपुर विभिन्न कॉर्पोरेट और बी-स्कूल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की उत्साही भागीदारी और जीत के कारण इस रैंकिंग पर चढ़ने में कामयाब रहा, जिसके लिए हमें पैनल में रखा गया था। इस तरह, प्रत्येक व्यक्तिगत उपलब्धि ने संस्थान की समग्र रैंकिंग में सुधार करने में योगदान दिया।

आईआईएम काशीपुर को लीडर बोर्ड में होने पर गर्व है और यह **डेयर2 कॉम्पिटिटिव बी-स्कूल्स 2021 में चौथा स्थान हासिल** करके एक नए मुकाम पर पहुंच गया है। इसमें आईआईएफटी ने पहला स्थान हासिल किया है। इसके बाद आईआईएम अहमदाबाद और आईआईएम बैंगलोर हैं। इसके साथ ही, संस्थान केस स्टडी प्रतियोगिताओं के प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में पुराने आईआईएम और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों की लीग में शामिल हो गया है। संस्थान में 8 राष्ट्रीय विजेता, 5 राष्ट्रीय उपविजेता, 4 राष्ट्रीय द्वितीय उपविजेता, 24 राष्ट्रीय फाइनलिस्ट तथा 12 सेमी-फाइनलिस्ट हैं, जिन्होंने प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं जैसे लोरियल सस्टेनेबिलिटी चैलेंज, शाओमी एमआई समिट 2.0, वर्चुसा बिजनेस सिफर चैलेंज, कारईजी स्पार्क, टीवीएस क्रेडिट ऐनलिटिक्स में स्थान हासिल किया है।

हमें यह बताते हुए भी बहुत गर्व हो रहा है कि **आईआईएम काशीपुर के 9 विद्यार्थियों ने शीर्ष 100 डेयर टू कॉम्पिट कॉम्पिटिटिव लीडर्स 2021** में स्थान हासिल किया है। हम शुभम विस्पुते, राहुल चौधरी, दीपांश गोयल, प्रज्वल वैचलकर, जी प्रशांत, विशेष जैन, हिमांशु सिंगसेन, अभिनव यादव और उदित अरुणव को उनके सराहनीय प्रदर्शन और अथक परिश्रम के लिए बधाई देते हैं।

धारा 26(1)(ङ) के तहत संस्थान के संकाय सदस्यों और अधिकारियों की नियुक्तियों का विवरण

क्षेत्र	नाम
संचार	प्रो. सी यामिनी कृष्णा
वित्तीय लेखांकन	प्रो. सूरज कुमार
	प्रो. धरणी
आईटी एवं सिस्टम क्षेत्र	प्रो हरीश कुमार
	प्रो. राजीव कुमार
	प्रो. तजिंदर सिंह
विपणन	प्रो. उत्कर्ष
	प्रो. प्रीति नरवाल
संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन	प्रो. राहुल अशोक कांबले
	प्रो. रामेश्वर शिवदास तुरे
संचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	प्रो. अलका आर्य
	प्रो. सुनील कुमार जौहर
	प्रो. देवेंद्र कुमार पाठक
	प्रो विवेक रॉय
	प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव
	प्रो. रचिता गुप्ता
रणनीति	प्रो. शोभा तिवारी

अधिकारियों की नियुक्ति

पदनाम	नाम
प्रबंधक संचालन	श्री दिनेश बहादुर

ऐसे कर्मचारियों का विवरण, जो संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी सदस्य के रिश्तेदार है और यदि हां, तो ऐसे सदस्य का नाम; एवं ऐसे अन्य विवरण जो धारा 26 (3) के तहत बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं

आईआईएम अधिनियम 2018 की धारा 26 (3) के तहत जानकारी, जो संस्थान (कर्मचारी का विवरण) के साथ पठित है, को शून्य माना जा सकता है।

धारा 26 (4) के तहत आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल टिप्पणी का विवरण

संस्थान के साथ पठित आईआईएम अधिनियम 2018 की धारा 26 (4) के तहत जानकारी (आरक्षण, योग्यता और लेखा परीक्षकों, के प्रतिवेदन में निहित प्रतिकूल टिप्पणी) को शून्य के रूप में लिया जा सकता है।

उक्त राशि का विवरण, यदि कोई हो, जिसे धारा 26 (1) (ख) के तहत तुलन-पत्र में किसी अधिशेष आरक्षित में ले जाने का प्रस्ताव है

वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए संस्थान ने रु. 10.05 करोड़ रुपये के तुलन-पत्र के किसी भी अधिशेष आरक्षित को अधिशेष आरक्षण यानी कॉर्पस के सृजन हेतु प्रस्तावित है।

धारा 26 (1) (ग) के तहत आय या व्यय के कम या अधिक विवरण के प्रति लेखा परीक्षकों की टिप्पणी

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए आय एवं व्यय को कम या अधिक दर्शाने के संबंध में लेखा परीक्षकों ने कोई टिप्पणी नहीं किया है।

संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम जिन्होंने उच्चतम पारिश्रमिक प्राप्त किया (ऐसे कर्मचारियों को प्रदत्त भत्ते और अन्य भुगतान सहित) धारा 26 (2)

अभिलेखों (फॉर्म 16) के अनुसार वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान अधिकतम पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले संस्थान के संकाय/कर्मचारी का नाम इस प्रकार है:

नाम	राशि (रु.)	योगदान
प्रो. कुलभूषण बलूनी	रु.78,05,060/-	वेतन, परिवर्ती वेतन, एमडीपी मानदेय
प्रो. दिलीप कुमार	रु.72,86,061/-	वेतन, संकाय पुरस्कार अंक, एमडीपी मानदेय
प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती	रु.53,71,541/-	वेतन, संकाय पुरस्कार अंक, एमडीपी मानदेय
प्रो. सफल बत्रा	रु.52,89,944/-	वेतन, संकाय पुरस्कार अंक, एमडीपी मानदेय
प्रो. वेंकटराघवन कृष्णमूर्ति	रु.49,45,012/-	वेतन, संकाय पुरस्कार अंक, एमडीपी मानदेय

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं तुलन पत्र

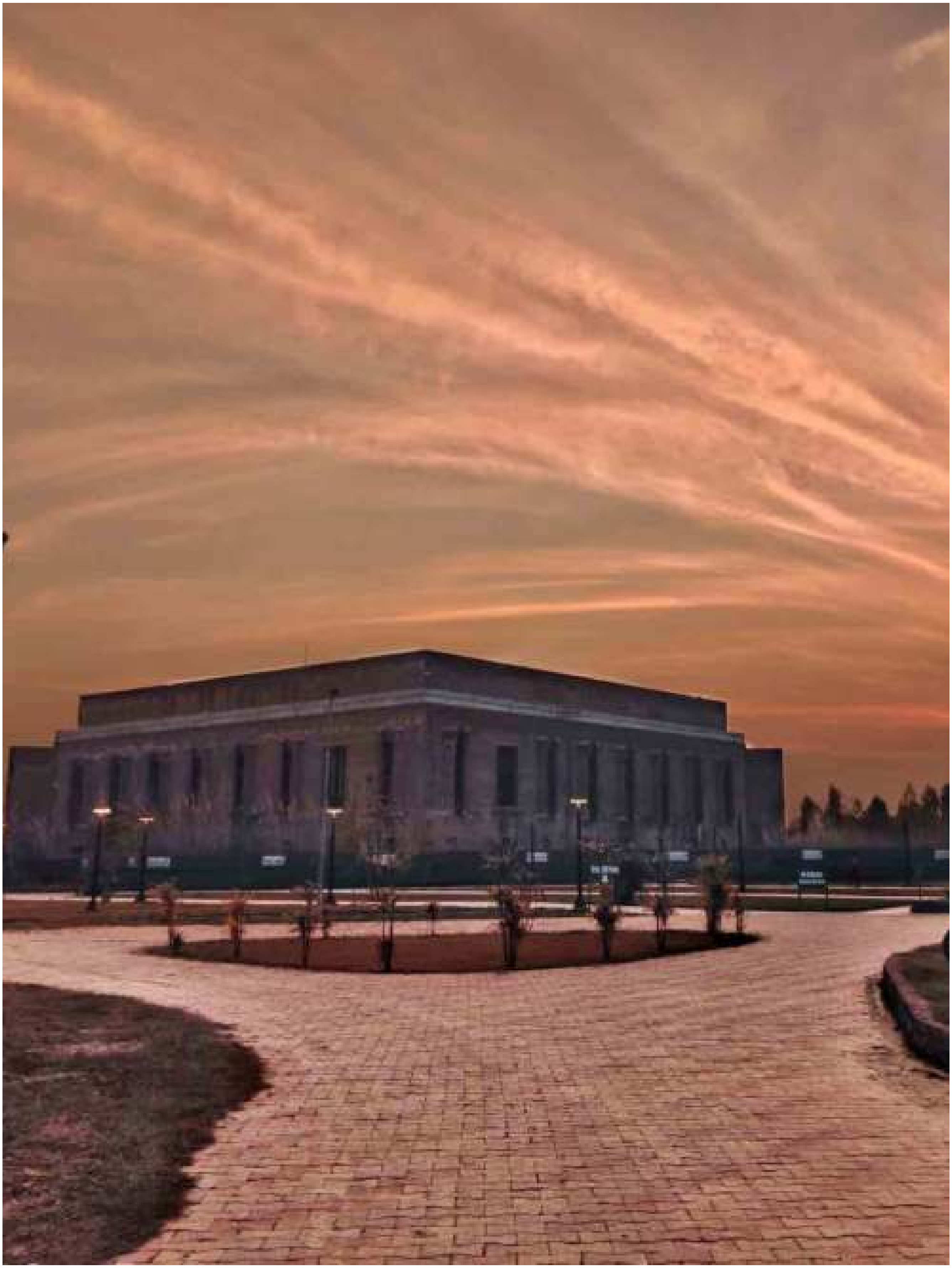

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ,
शाखा कार्यालय - प्रयागराज

सत्यमेव जयते

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Director General of Audit (Central) Lucknow,
Branch Office - Prayagraj

पत्र सं०म.न.ले.प. (कें)/एस.ए.आर.– /2021–22/ दिनांक: .10.2021

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001

विषयः भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड के वर्ष 2020–21 के लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड के वर्ष 2020–21 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) अग्रसारित किया जा रहा है।

2. कृपया सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं सम्बन्धित लेखे संसद के दोनों सदनों के सम्मुख प्रस्तुत हुए।

3. कृपया पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखों को संसद के दोनों सदनों के समक्ष अन्तिम रूप–से प्रस्तुत करने की तिथि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के साथ–साथ इस कार्यालय को भी सूचित करने का कष्ट करें।

संलग्नकः उपर्युक्तानुसार।

भवदीय,

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

पत्र सं०म.न.ले.प. (कें)/एस.ए.आर.–33/2021–22/84 दिनांक: 25.10.2021

निदेशक, भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड–244713 को उसके वर्ष 2020–21 के लेखों पर आधारित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करे तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है परन्तु इस प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अंकित होना चाहिए :

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

मुख्यालयः तृतीय तल, ऑडिट भवन, टी.सी.-35-वी-1, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उ.प्र.) दूरभाषः 0522-2970789, फैक्सः 0522-2970780 (म.नि.)
Headquarter: 3rd Floor, Audit Bhawan, T.C.-35-V-1, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010 Ph: 0522-2970789 Fax: 0522-2970780 (D.G.)
शाखा कार्यालयः चतुर्थ तल, 13 अ सत्यनिष्ठा भवन, दयानंद मार्ग, प्रयागराज-211001 (उ.प्र.) दूरभाष/फैक्सः 0532-2420783
Branch Office, 4th Floor, 13 A Satyanistha Bhawan, Dayanand Marg, Prayagraj-211001 (U.P.) Ph/Fax- 0532-2420783

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर के लेखा पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23 (3) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, अधिकार एवं सेवा की शर्तों) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के तहत 31 मार्च 2020 को भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर (संस्थान) के संलग्नित तुलन-पत्र, उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी अपने लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर एक राय प्रकट करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में सर्वश्रेष्ठ लेखा प्रथा, लेखांकन मानक, प्रकटीकरण मानक इत्यादि के साथ वर्गीकरण, अनुकूलता के संबंध में सिर्फ लेखा व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां निहित हैं। विधि, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) की अनुकूलता के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा पर्यवेक्षण तथा दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलू इत्यादि, यदि कोई हो, को पृथक रूप से निरीक्षण प्रतिवेदन/सीएजी के लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के जरिए प्रतिवेदित किया जाता है।

3. हमनें भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में हमें औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना एवं उसे क्रियान्वित करने की आवश्यकता होती है कि वित्तीय टिप्पणियां मिथ्या वर्णन से मुक्त है। एक लेखा परीक्षा में एक परीक्षा, परीक्षण आधार पर राशियों के समर्थन में प्रमाण एवं वित्तीय टिप्पणी में उल्लेखित प्रकटीकरण शामिल होता है। एक लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा उपयोग किए गये लेखा सिद्धांत एवं महत्वपूर्ण आंकलन के साथ-साथ वित्तीय टिप्पणियों के सम्पूर्ण प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हम विश्वास करते हैं कि हमारी लेखा परीक्षा हमारे राय के लिए औचित्यपूर्ण आधार प्रदान करती है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम प्रतिवेदन करते हैं कि :

(i) हमने वह सभी जानकारियां एवं स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास में लेखा परीक्षा के उद्देश्य से आवश्यक थे;

(ii) इस प्रतिवेदन में चर्चित तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को मानव संसाधान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देशित केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थान के लिए वित्तीय विवरणों के लिए प्रारूप के अनुसार बनाया गया है।

(iii) हमारी राय में संस्थान द्वारा उचित लेखा बही एवं अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड का रखरखाव किया गया है, जैसा कि उक्त बहियों की परीक्षा से प्रतीत होता है।

(iv) हम पुन: प्रतिवेदन करते हैं कि :

(क) सामान्य (अनुसूची 24)

(क.1) अनुसूची 24 (आकस्मिक देयताओं एवं लेखा पर टिप्पणियां) में विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षकों की संख्या, भवन निधि के संग्रह तथा उसके व्यय, भवन निधि के संबंध में संग्रह तथा उसपर व्यय, खेल गतिविधियों के लिए संग्रह तथा उस पर व्यय, पाठ्येत्तर कार्यकलापों के लिए संग्रह तथा उस पर व्यय, विकास शुल्क के खाते में संग्रह तथा उस पर व्यय, चिकित्सा व्ययों के लिए संग्रह तथा उस पर व्यय, ईपीएफ एवं ईएसआई, शिक्षकों की वेतन संरचना जैसे सांविधिक व्यय के साथ अनुपालन शामिल रहा।

(क2) अनुसूची 7 (चालू परिसंपत्ति)

इसमें लेखा के एमएचआरडी प्रारूप के अनुसार 31.03.2021 को छह महीने से अधिक की अवधि के लिए रु. 3455284.00 के ऋण का पृथक श्रेणीकरण शामिल नहीं है।

(ख) अनुदान सहायता

संस्थान ने वर्ष 2020-21 के दौरान शून्य अनुदान सहायता प्राप्त की है। प्रारंभिक शेष रु. 53 लाख में, कार्य के लिए कुल उपलब्ध निधि रु. 53 लाख थी, जिसमें से संस्थान ने रु. 53 लाख की राशि का उपयोग कर लिया, जिससे 31 मार्च 2021 को शून्य शेष रहा।

पूर्ववर्ती अनुच्छेदों में अपने अवलोकन के आधार पर हम प्रतिवेदन करते हैं कि इस प्रतिवेदन के साथ तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा इस लेखा बही की सहमति के साथ हैं।

हमारी राय में एवं हमें प्राप्त सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखांकन नीतियों तथा लेखा पर टिप्पणों के साथ पठित उक्त वित्तिय विवरणों तथा इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में उल्लिखित अन्य विषय भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धातों की अनुकूलता में एक सत्य एवं स्वच्छ दृष्टि प्रदान करते हैं।

(क) यह 31 मार्च 2021 को भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर के तुलन पत्र से अब तक संबंधित है; तथा

(ख) यह उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए 'अधिशेष' के आय एवं व्यय लेखा से अब तक संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
के लिए तथा उनकी ओर से

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

स्थान : लखनऊ
दिनांक: 22.10.2021

अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

वर्ष 2020-21 के लिए संस्थान की आंतरिक लेखा की गई है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली रिक्त पदों को न भरे जाने के कारण हुई है, जैसा कि गैर-शिक्षण कर्मचारियों के 50 स्वीकृत पदों के लिए 16 रिक्त पद हैं, तो शिक्षण कर्मचारियों के 38 पदों के लिए 14 पद रिक्त हैं।

3. स्थिर परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन

वर्ष 2020-21 के दौरान स्थिर परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन नहीं किया गया था।

4. माल-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

वर्ष 2020-21 के दौरान माल-सूची का प्रत्यक्ष सत्यापन किया गया था।

5. सांविधिक बकाए के भुगतान में नियमितता

यह संस्थान सांविधिक बकाये के भुगतान में नियमित है।

उप निदेशक (सीई)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

31 मार्च 2021 को तुलन पत्र

(राशि रु. में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2021	विगत वर्ष समाप्त 31.03.2020
कॉर्पस/पूंजीगत निधि			
कॉर्पस/पूंजीगत निधि	1		
• कॉर्पस निधि		1,47,04,17,622	1,36,99,12,170
• पूंजी निधि		3,27,36,11,243	3,21,47,86,299
		4,74,40,28,865	4,58,46,98,469
नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	2	23,40,90,980	17,12,97,641
चालू देयताएं एवं प्रावधान	3	14,91,60,929	13,59,92,434
कुल		**5,12,72,80,774**	**4,89,19,88,544**
निधियों का प्रयोग			
स्थिर परिसंपत्तियां	4		
• मूर्त परिसंपत्तियां		43,48,73,879	20,07,96,299
• पूंजी कार्य - प्रगति		2,82,37,40,736	2,998,014,177
• अमूर्त परिसंपत्तियां		1,49,96,628	15,975,823
• स्थिर परिसंपत्तियां (सकल खंड)		3,27,36,11,243	3,214,786,299
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि का निवेश	5	18,62,33,636	129,054,248
निवेश - अन्य	6	1,29,08,00,000	1,272,300,000
निवेश - अन्य	7	17,38,96,478	66,438,540
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	20,27,39,417	209,409,457
कुल		**5,12,72,80,774**	**4,891,988,544**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां 23

आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां 24

अनुसूची 1 से 24, जो वित्तीय विवरणों का महत्वपूर्ण अंग है

स्थान: काशीपुर
दिनांक: 31.05.2021

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए. दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. नं. : 410844

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

(राशि रु. में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2021		विगत वर्ष समाप्त 31.03.2020	
1. आय					
1.1 शैक्षणिक प्राप्तियां	9		502,757,359		405,384,162
एमबीए आय	9.1	455,734,393		340,363,116	
एमबीए- डब्ल्यूएक्स आय	9.2	21,438,500		23,147,200	
ईएफपीएम आय	9.3	3,870,000		5,075,260	
एमडीपी- आय	9.4	14,949,282		36,525,900	
परामर्श आय	9.5	6,537,184		182,686	
एफपीएम प्राप्तियां	9.6	228,000		90,000	
1.2 अन्य आय			122,358,335		126,926,905
अनुदान एवं दान	10	-		-	
निवेश से आय	11	95,125,823		91,603,591	
अर्जित ब्याज	12	14,435,428		16,924,712	
अन्य आय एलं वसूली	13	3,042,212		1,327,294	
पूर्वावधि आय (सीएटी शेयर)	14	9,754,872		17,071,308	
कुल आय (क)			**625,115,694**		**532,311,067**
2. व्यय					
2.1 कर्मचारी भुगतान एवं लाभ	15		135,960,526		110,440,607
2.2 शैक्षणिक व्यय	16		188,974,005		185,136,751
एमबीए व्यय	16.1	116,980,647		103,537,283	
एमबीए-डब्ल्यूएक्स व्यय	16.2	9,668,916		12,360,484	
ईएफपीएम व्यय	16.3	66,237		432,080	
एमडीपी व्यय	16.4	10,773,708		26,605,184	
परामर्श व्यय	16.5	5,493,998		-	
एफपीएम व्यय	16.6	17,219,167		15,382,361	
शोध एवं विकास	16.7	28,771,333		26,819,359	
2.3 प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17		35,208,672		45,939,338
2.4 परिवहन व्यय	18		1,722,747		1,377,678
2.5 मरम्मत एवं रखरखाव	19		9,994,007		8,598,712
2.6 वित्त लागत	20		42,900		41,982
2.7 मूल्यह्रास	4		43,601,911		32,984,667
2.8 अन्य व्यय	21		-		-
2.9 पूर्वावधि व्यय	22		11,615,416		4,503,461
कुल व्यय (ख)			**427,120,184**		**389,023,196**
व्यय से अधिक आय		-	197,995,510		143,287,870
घटाएं: पूंजीगत व्यय के प्रति व्यय			97,490,058		-
व्यय से अधिक आय के अधिशेष को कॉर्पस फंड में स्थानांतरित किया (क) - (ख)			100,505,452		143,287,870
कुल		**-**	**625,115,694**		**532,311,067**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां 23

आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां 24

अनुसूची 1 से 24, जो वित्तीय विवरणों का महत्वपूर्ण अंग है

स्थान: काशीपुर
दिनांक: 31.05.2021

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए. दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. नं. : 410844

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

(राशि रु. में)

प्राप्ति			वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	व्यय			वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I.	प्रारंभिक शेष राशि				I.	व्यय			
	क)	नकद शेष	-	-		क) स्थापना व्यय		13,59,60,526	11,04,40,607
	ख)	बैंक शेष				ख) शैक्षणिक व्यय		16,62,06,573	17,45,61,751
	I.	चालू खातों में	-	-		ग) प्रशासनिक व्यय		3,52,08,672	4,59,39,338
	II.	जमा खातों में	-	-		घ) परिवहन व्यय		17,22,747	13,77,678
	III.	बचत खाते	5,28,81,950	21,96,94,544		ङ) मरम्मत एवं रखरखाव		99,94,007	85,98,712
						च) वित्त लागत		42,900	41,982
						छ) पूर्वावधि व्यय		1,16,15,416	45,03,461
II.	प्राप्त अनुदान				II.	निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के प्रति भुगतान		1,73,43,500	30,83,439
	क)	भारत सरकार से	-	-					
	ख)	राज्य सरकार से	-	-					
	ग)	अन्य स्रोतों से (विवरण)	-	-					
(पूंजी और राजस्व व्यय के लिए अनुदान/									
यदि उपलब्ध हो तो अलग से दिखाया जाएगा)									
III.	शैक्षणिक प्राप्तियां		47,99,89,924	39,48,09,162	III.	प्रायोजित परियोजना/योजनाओं के लिए भुगतान		3,40,28,875	7,34,31,020
IV.	निर्धारित/बंदोबस्ती निधियों से प्राप्तियां		8,01,36,839	5,51,44,982	IV.	प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति के लिए भुगतान			
						फैलोशिप/छात्रवृत्ति		2,32,62,372	1,36,37,510
V.	प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं/कार्यक्रमों के प्रति प्राप्तियां		4,05,28,813	6,33,21,907	V.	निम्न पर निवेश एवं जमा			
						क)	निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से	5,71,79,388	3,45,97,951
						ख)	स्व-निधि से (निवेश-अन्य)	52,00,00,000	97,98,00,000
VI.	प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां		2,27,67,435	1,05,75,000	VI.	अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा			
VII.	निम्न से निवेश पर आय		-	-					
	क)	निर्धारित / बंदोबस्ती निधियां	-	-	VII.	स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय एवं पूंजी कार्य-प्रगति			
	ख)	अन्य निवेश	9,51,25,824	9,16,03,591		क)	स्थिर परिसंपत्ति	27,64,03,923	10,59,60,940
						ख)	पूंजीगत कार्य प्रगति	(17,42,73,441)	19,32,51,860
VIII.	निम्न पर प्राप्त ब्याज				VIII.	सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		-	-
	क)	बैंक जमा	-	-					
	ख)	ऋण और अग्रिम	71,01,220	72,38,347					
	ग)	बचत बैंक खाते और अन्य	73,34,208	96,86,365					
IX.	निवेश नकदीकरण		50,15,00,000	77,25,00,000	IX.	अनुदान की वापसी		-	-
X.	अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा नकदीकरण		-	-	X.	जमा और अग्रिम (दायित्व)		4,69,21,724	28,21,22,174
XI.	अन्य आय (पूर्वावधि आय सहित)		1,27,97,084	1,83,98,602	XI.	अन्य भुगतान		-	-
XII.	जमा एवं अग्रिम (परिसंपत्ति)		1,38,33,536	44,12,57,872	XII.	अंतिम शेष			
						क)	हाथ में नकद	-	-
						ख)	बैंक शेष		
							चालू खातों में	-	-
							बचत खातों में	15,23,79,651	5,28,81,950
							जमा खातों में	-	-
	कुल		**1,31,39,96,833**	**2,08,42,30,372**		**कुल**		**1,31,39,96,833**	**2,08,42,30,372**

स्थान: काशीपुर
दिनांक: 31.05.2021

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए. दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. नं. : 410844

अनुसूची - 1 : कॉर्पस / पूंजी निधि

(राशि रु. में)

	विवरण	2020-21	2019-20
1	**कॉर्पस निधि**		
	प्रारंभिक शेष	1,36,99,12,170	1,22,66,24,300
	जोड़ें:आय एवं व्यय खाते से स्थानांतरित	10,05,05,452	14,32,87,870
	कुल (1)	**1,47,04,17,622**	**1,36,99,12,170**
2	**पूंजी निधि**		
	2.1 भवन निधि		
	प्रारंभिक शेष	3,08,53,99,193	2,88,55,80,038
	जोड़ें: पूंजीगत व्यय के लिए सरकारी अनुदान से आवंटन	6,14,59,687	20,16,71,254
	घटाएं: मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	65,66,762	18,52,099
	उप कुल (2.1)	**3,14,02,92,119**	**3,08,53,99,193**
	2.2 सामान्य परिसंपत्तियां निधि		
	प्रारंभिक शेष	12,93,87,106	6,29,78,128
	जोड़ें: सरकारी अनुदान से आवंटन/पूंजीगत व्यय के लिए अधिशेष	4,13,57,207	9,75,41,546
	घटाएं: मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	3,74,25,189	3,11,32,568
	उप कुल (2.2)	13,33,19,124	12,93,87,106
	कुल (2)	**3,27,36,11,243**	**3,21,47,86,299**
	कुल योग (1+2)	**4,74,40,28,865**	**4,58,46,98,469**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

अनुसूची - 2 : नामित / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि

(राशि रु. में)

विवरण	निधिनुसार विवरण							कुल	
	कर्मचारी कल्याण निधि	एलुमिनि निधि	मूल्यह्रास निधि	विद्यार्थी कल्याण निधि	अवकाश नकदीकरण निधि	ग्रुप ग्रैच्युटी निधि	एमडीपी विकास निधि	चालू वर्ष	विगत वर्ष
क.									
क) प्रारम्भिक शेष	5,968,040	8,353,539	107,160,233	279,168	21,922,781	19,796,468	7,817,413	171,297,641	119,236,098
ख) वर्ष के दौरान परिवर्धन	756,562	2,554,500	43,991,951	92,000	6,574,110	4,203,564	756,562	58,929,249	46,099,517
ग) निधियों के निवेश से आय	293,642	628,881	6,194,538	35,237	781,464	1,310,478	577,684	9,821,924	7,973,957
घ) निवेश/अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	-		-	-	-	-	-	-
ङ) बचत बैंक खाते पर ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) अन्य परिवर्धन (प्रकृति निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (क)	**7,018,244**	**11,536,920**	**157,346,722**	**406,405**	**29,278,355**	**25,310,509**	**9,151,659**	**240,048,814**	**173,309,572**
ख									
निधियों के उद्देश्य के प्रति उपयोग/व्यय									
i. पूंजी व्यय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii. राजस्व व्यय	2,917,942	79,650	-	25,000	1,583,088	852,140	500,014	3,039,892	2,011,931
कुल (ख)	**2,917,942**	**79,650**	**-**	**25,000**	**1,583,088**	**852,140**	**500,014**	**3,039,892**	**2,011,931**
वर्ष के अंत में शेष (क-ख)	4,100,302	11,457,270	157,346,722	381,405	27,695,267	24,458,369	8,651,645	234,090,980	171,297,641
निम्न द्वारा प्रतिनिधित्व									
नकद एवं बैंक शेष	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवेश	3,150,000	10,750,000	112,000,000	130,000	27,695,267	24,458,369	8,050,000	186,233,636	129,054,248
ब्याज अर्जित लेकिन देय नहीं	166,769	265,468	2,408,066	19,358	-	-	374,658	3,234,319	7,742,229

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

अनुसूची - 3 : चालू देयताएं एवं प्रावधान

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
क. चालू देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	**465,131**	**712,811**
2. विद्यार्थियों से जमा	**18,329,518**	**15,943,114**
3. विविध लेनदार		
क) माल एवं सेवाओं के लिए	-	-
4. अन्य से जमाराशियां		
क) प्रतिभूतियां एवं ईएमडी	11,180,707	12,271,158
5. सांविधिक देयताएं		
क) सांविधिक देयताएं (टीडीएस, जीएसटी, श्रम उपकर, एनपीएस)	1,923,665	4,788,119
6. अन्य चालू देयताएं		
क) परामर्शी परियोजनाएं	2,067,346	2,386,642
ख) प्रबंधन विकास कार्यक्रम	6,715,703	3,141,881
ग) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां	-	494,940
घ) अप्रयुक्त अनुदान (अनुसूची-3 ग)	-	5,326,837
ङ) अनुसंधान परियोजनाएं	4,361,989	1,116,577
च) वेतन	-	-
छ) अन्य पार्टी प्राप्तियां	2,193,111	-
ज) अन्य देयताएं	2,259,000	11,702,812
झ) परियोजना के प्रति	1,185,162	-
ञ) एसजीएस बीजी नकदीकरण एवं अन्य	8,500,000	8,500,000
ट) एसपीसीपीएल	5,196,482	5,196,482
ठ) एल.डी. पर ब्याज	50,991,781	29,983,561
कुल (क)	**115,369,595**	**101,564,934**
ख. प्रावधान		
क) वेतन के लिए	-	-
ख) वर्ष के लिए प्रावधान	33,791,334	34,427,500
कुल (ख)	**33,791,334**	**34,427,500**
कुल (क+ख)	**149,160,929**	**135,992,434**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

अनुसूची - 3(ख) : प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्तियां

(राशि रु. में)

क्र. सं	प्रायोजक का नाम	01.04.20 को प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान लेन-देन		31.03.21 को अंतिम शेष	
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
1	जनजातीय मामलों के मंत्रालय	-	-	731,160	731,160	-	-
2	सामाजिक न्याय मंत्रालय	494,940	-	4,443,150	4,938,090	-	-
3	महाराष्ट्र राज्य	-	-	613,910	613,910	-	-
4	केरल राज्य	-	-	762,500	762,500	-	-
5	राजश्री शाहू महाराज	-	-	611,235	611,235	-	-
6	अन्य छात्रवृत्ति	-	-	15110540	15110540	-	-
	कुल	**494,940**	**-**	**22,272,495**	**22,767,435**	**-**	**-**

अनुसूची - 3(ग) : भारत सरकार से अप्रयुक्त अनुदान

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
भारत सरकार से योजना अनुदान		
शेष अग्रेनीत	5,326,837	303,792,597
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
जीआईए- पूंजी सृजन	-	-
जीआईए-वेतन	-	-
जीआईए-सामान्य	-	-
कुल (क)	**5,326,837**	**303,792,597**
घटाएं: वापसी	-	-
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	-	-
क) वेतन	-	-
ख) सामान्य	-	-
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त:	-	-
क) अचल परिसंपत्ति	-	105,213,900
ख) डब्ल्यूआईपी	5,326,837	193,251,860
कुल (ख)	**5,326,837**	**298,465,760**
अप्रयुक्त अनुदान (क)-(ख)	**-**	**5,326,837**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

अनुसूची - 4 : अचल सम्पत्ति

(राशि रु. में)

वर्ष 2020-21 के लिए स्थिर परिसंपत्तियां अनुसूची (आईआईएम काशीपुर)

क्र. सं.	परिसंपत्तियां शीर्षक	सकल खंड					मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
		दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.04.2020 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	समायोजन/ बट्टे खाते में	31.03.21 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक	वर्ष के दौरान शेष	समायोजन/ बट्टे खाते में (मूल्ह्रास पद्धति में परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.03.21 को	31.3.2020 को
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	**मूर्त संपत्ति**											
1	भूमि (फ्री होल्ड)	0.00%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	भवन	2.00%	8,419,394	1,310,039	-	9,729,433	168,388	194,589	-	362,977	9,366,456	8,251,006
3	सड़क एवं पुल जिसमें फुटपाथ आदि शामिल हैं	2.00%	-	193,276,160	-	193,276,160	-	3,865,523	-	3,865,523	189,410,637	-
4	बायो गैस प्लांट	2.00%	500,000		-	500,000	20,000	10,000	-	30,000	470,000	480,000
5	साइट विकास	2.00%	-	36,045,098	-	36,045,098	-	720,902	-	720,902	35,324,196	-
6	चहारदीवारी	2.00%	83,685,556	5,101,832	-	88,787,388	5,031,546	1,775,748	-	6,807,294	81,980,094	78,654,010
7	उपकरण	7.50%	55,775,725	919,648	40,190	56,655,183	15,312,727	4,249,139	14,067	19,547,799	37,107,384	40,462,997
8	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	20.00%	27,269,192	5,243,683	-	32,512,875	18,626,741	4,185,394	-	22,812,135	9,700,740	8,642,451
9	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग	7.50%	67,419,492	12,787,912	646,223	79,561,181	15,855,630	5,967,089	282,306	21,540,413	58,020,768	51,563,862
10	वाहन	10.00%	43,185	3,829,950	-	3,873,135	23,994	387,314	-	411,308	3,461,827	19,192
11	पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएं	10.00%	30,398,264	387,580	-	30,785,844	17,675,484	3,078,584	-	20,754,068	10,031,776	12,722,780
12	छोटे मूल्य की संपत्ति	100.00%	501,345	-	-	501,345	501,345	-	-	501,345	-	-
	कुल (क)		**274,012,154**	**258,901,902**	**686,413**	**532,227,643**	**73,215,855**	**24,434,282**	**296,373**	**97,353,764**	**434,873,879**	**200,796,298**
ख.	**पूंजी का कार्य प्रगति**		**-**									**-**
13	भवन आदि का निर्माण	0%	2,998,014,177	63,039,525	237,312,966	2,823,740,736	-	-	-	-	2,823,740,736	2,998,014,178
	कुल (ख)		**2,998,014,177**	**63,039,525**	**237,312,966**	**2,823,740,736**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,823,740,736**	**2,998,014,178**
ग.	**अमूर्त संपत्ति**											
14	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर/वेब विकास	40%	3,566,306	205,775	-	3,772,081	2,149,972	666,251	-	2,816,223	955,858	1,416,334
15	ई-जर्नल्स	40%	36,278,566	17,982,659	-	54,261,225	21,719,077	18,501,378	-	40,220,455	14,040,770	14,559,489
	कुल (ग)		**39,844,872**	**18,188,434**	**-**	**58,033,306**	**23,869,049**	**19,167,629**	**-**	**43,036,678**	**14,996,628**	**15,975,823**
	कुल योग (क+ख+ग)		**3,311,871,203**	**340,129,861**	**237,999,379**	**3,414,001,685**	**97,084,904**	**43,601,911**	**296,373**	**140,390,442**	**3,273,611,243**	**3,214,786,299**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

अनुसूची - 5 : चिन्हित/बंदोबस्ती निधियों से निवेश

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
1. निवेश मूल्यह्रास निधि	112,000,000	68,900,000
2. निवेश ग्रेच्युटी फंड (एलआईसी के साथ)	24,458,369	19,796,468
3. निवेश अवकाश नकदीकरण कोष (एलआईसी के साथ)	27,695,267	21,922,781
4. निवेश एमडीपी विकास निधि	8,050,000	6,000,000
5. निवेश पीजीपी एलुमिनी निधि	10,750,000	8,100,000
6. निवेश कर्मचारी कल्याण निधि	3,150,000	4,100,000
7. निवेश विद्यार्थी कल्याण निधि	130,000	235,000
कुल	**186,233,636**	**129,054,248**

अनुसूची - 6 : निवेश अन्य

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
1. बैंकों में सावधि जमा	1,290,800,000	1,272,300,000
कुल	**1,290,800,000**	**1,272,300,000**

अनुसूची - 7 : चालू परिसंपत्तियां

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
1. मौजूदा स्टॉक (स्टेशनरी एवं विद्युत)		
स्टेशनरी, एमडीपी एवं विद्युत सामग्री	1,762,199	2,814,238
2. विविध देनदार	5,893,342	5,913,052
3. नकद एवं बैंक शेष		
क) वर्तमान नकद	-	-
ख) अनुसूचित बैंकों में		
पीएनबी इंप्रेस खाता (4534000100090491)	-	359,210
पीएनबी खाता (4534000100028306)	35,978,242	10,175,719
पीएनबी खाता (4534000100085897)	814	1,205
पीएनबी 453400010092491 (आईसीएसएसआर इम्प्रेस 3615)	509,275	-
पीएनबी 4534000100093027 (आईसीएसएसआर इम्प्रेस 0877)	84,866	-
आरबीएल बैंक (309006195247)	68,773,016	22,518,083
एसबीआई	46,254,885	19,069,999
एसबीआई (विश्व बैंक परियोजना)	778,553	757,734
4. प्राप्य		
शुल्क प्राप्य	13,424,330	4,683,630
अन्य प्राप्य	436,955	145,670
कुल	**173,896,478**	**66,438,540**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

अनुसूची - 8 : ऋण, अग्रिम एवं जमा

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
1. कर्मचारियों को अग्रिम: (ब्याज रहित)		
क) वेतन/त्योहार/चिकित्सा अग्रिम	-	-
ख) अन्य (कर्मचारियों के लिए)	15,413	662,444
2. कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम: (ब्याजवाला)		
क) गृह/वाहन/अन्य ऋण	-	-
3. नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए		
अग्रिम और वसूली योग्य अन्य राशि		
क) पूंजी खाते पर	10,745,649	3,681,001
ख) ठेकेदारों को (मोबिलाइजेशन एवं अन्य)	36,307,157	45,116,241
ग) विद्यार्थियों के लिए	-	-
घ) अन्य	6,862,895	19,244,152
4. पूर्वदत्त व्यय		
क) बीमा एवं अन्य	10,436,977	8,047,743
5. जमा		
क) टेलिफ़ोन	16,999	16,999
ख) लीज किराया	15,000	918,091
ग) बिजली	4,080,419	4,080,419
घ) अन्य (गैस)	49,550	46,500
ङ) अग्रदाय खाता	-	27,000
6. अर्जित आय		
क) निवेश पर - (ब्याज)	107,479,324	98,419,183
7. अन्य प्राप्य:		
क) वसूली योग्य अनुदान (एमएचआरडी से)	-	-
8. प्राप्य दावे		
क) टीडीएस प्राप्य	26,679,419	29,149,684
ख) अन्य	50,615	-
कुल	**202,739,417**	**209,409,457**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

अनुसूची - 9 : शैक्षणिक प्राप्तियां

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
अनुसूची 9.1 एमबीए कार्यक्रम शुल्क		
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री, दीक्षांत समारोह एवं अन्य शुल्क	53,042,860	37,752,600
छात्रावास शुल्क	76,344,640	64,960,600
विद्यार्थियों की गतिविधियां/कल्याण	6,554,240	6,352,320
ट्यूशन फीस	198,397,540	186,337,424
कंप्यूटर शुल्क	14,278,970	11,803,710
पुस्तकालय शुल्क	14,278,970	11,803,710
प्लेसमेंट शुल्क	6,675,000	6,337,500
जुर्माना एवं अन्य शुल्क	7,723,833	1,802,789
पुनर्गठन कार्यक्रम शुल्क	1,154,393	1,597,463
चिकित्सा शुल्क	550,000	1,040,000
प्रवेश शुल्क	6,875,000	-
एमबीए एनैलिटिक्स	47,091,512	-
कुल शुल्क	**432,966,958**	**329,788,116**
अन्य से छात्रवृत्तियां		
अन्य से छात्रवृत्तियां (प्राप्त)	22,767,435	10,575,000
कुल (9.1)	**455,734,393**	**340,363,116**
अनुसूची 9.2 इग्जेक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम ऑफ मैनेजमेंट (ईपीजीपीएम)		
आवेदन शुल्क	178,000	110,000
पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	21,260,500	23,037,200
कुल (9.2)	**21,438,500**	**23,147,200**
अनुसूची 9.3 इग्जेक्यूटिव फेलो प्रोग्राम ऑफ मैनेजमेंट (ईएफपीएम)		
आवेदन शुल्क	-	-
ट्यूशन शुल्क	3,850,000	5,075,260
अन्य शुल्क	20,000	-
कुल (9.3)	**3,870,000**	**5,075,260**
अनुसूची 9.4 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम (एमडीपी)		
खुला कार्यक्रम शुल्क	-	-
प्रायोजित कार्यक्रम शुल्क	14,949,282	36,525,900
कुल (9.4)	**14,949,282**	**36,525,900**
अनुसूची 9.5 कंसल्टिंग आय		
कंसल्टिंग आय	6,537,184	182,686
कुल (9.5)	**6,537,184**	**182,686**
अनुसूची 9.6 एफपीएम प्राप्तियां		
आवेदन / अन्य शुल्क	228,000	90,000
कुल (9.6)	**228,000**	**90,000**
कुल योग (9.1 से 9.6)	**502,757,359**	**405,384,162**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

अनुसूची - 10 : अनुदान एवं सब्सडियां (अप्राप्य अनुदान प्राप्त)

(राशि रु. में)

विवरण	भारत सरकार	वर्तमान वर्ष कुल	विगत वर्ष कुल
शेष अग्रेसित	5,326,837	5,326,837	303,792,597
जोड़ें : वर्ष के दौरान स्वीकृत/प्राप्त	-	-	-
कुल	**5,326,837**	**5,326,837**	**303,792,597**
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (क)	5,326,837	5,326,837	298,465,760
शेष	-	-	5,326,837
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त (ख)	-	-	-
कॉर्पस में अंतरण			
शेष अग्रानीत (ग)	**-**	**-**	**5,326,837**

अनुसूची - 11 : निवेश से आय

(राशि रु. में)

विवरण	चिन्हित/बंदोबस्ती निधियां		अन्य निवेश	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश				
1) (क) निधियों की सावधि जमा पर ब्याज	9,821,924	7,973,957	95,125,823	91,603,591
(ख) सावधि जमा पर ब्याज	-	-	-	-
2) बंदोबस्ती/निर्धारित निधियों के बचत बैंक खातों पर ब्याज	-	-	-	-
कुल	**9,821,924**	**7,973,957**	**95,125,823**	**91,603,591**
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में अंतरण	9,821,924	7,973,957	-	-
शेष	-	-	-	-

अनुसूची - 12 : अर्जित ब्याज

(राशि रु. में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों के बचत खाते पर	7,334,208	9,686,365
2. देनदार एवं अन्य प्राप्तियां	7,101,220	7,238,347
कुल	**14,435,428**	**16,924,712**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

अनुसूची - 13 : अन्य आय एवं वसूलियां

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. किराया	621,688	451,852
2. लाइसेंस शुल्क	836,164	221,640
3. सभागार/खेल का मैदान/कॉन्वेंशन सेंटर आदि का किराया प्रभार।	-	-
कुल	**1,457,852**	**673,492**
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	**-**	**-**
ग. आयोजनों से आय	**-**	**-**
कुल	**-**	**-**
घ. अन्य		
1. आरटीआई फीस	760	270
2. (भर्ती) से आवेदन की बिक्री	-	3,559
3. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रसंस्करण शुल्क आदि)	65,764	54,475
4. पुस्तकालय की पुस्तकों को देर से जमा करने पर जुर्माना	35,880	107,498
5. विविध आय	400	488,000
6. आई.टी. पर ब्याज धनवापसी	1,481,556	-
कुल	**1,584,360**	**653,802**
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**3,042,212**	**1,327,294**

अनुसूची - 14 : पूर्वावधि आय

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
1 . कैट शेयर	9,754,872	17,071,308
कुल	**9,754,872**	**17,071,308**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

अनुसूची - 15 : कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
क) वेतन एवं भत्ते		
मूल वेतन	80,478,336	66,327,876
डी.ए.	12,434,271	9,235,243
एच.आर.ए.	1,374,360	1,223,264
परिवहन भत्ता	2,688,662	2,026,968
ख) अन्य लाभ		
मेडिकल	8,431,204	7,188,232
एल.टी.ए.	6,765,127	5,368,208
एक्स-ग्रेशिया	420,000	179,606
मनोरंजन	108,000	87,900
टेलिफोन	536,075	411,534
ट्यूशन शुल्क की प्रतिपूर्ति (बाल शिक्षा भत्ता)	1,276,898	724,000
ग) टर्मिनल लाभ		
एनपीएस में योगदान	11,691,358	9,688,746
ग्रेच्युटी योगदान	3,968,984	3,139,003
अवकाश नकदीकरण योगदान	5,471,351	4,583,782
पीएफ में योगदान	315,900	256,245
योग	**135,960,526**	**110,440,607**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

अनुसूची - 16 : शैक्षणिक व्यय

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
अनुसूची 16.1 एम बी ए कार्यक्रम व्यय		
प्रवेश व्यय	567,962	7,865,786
परिवहन व्यय	450,205	1,576,685
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	5,306,650	11,820,253
विजिटिंग फैकल्टी टीए	27,292	2,923,256
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री	21,780,918	15,923,457
इंडक्शन व्यय	458,500	1,558,793
परीक्षा व्यय	3,009,198	768,180
दीक्षांत समारोह	88,513	1,030,626
चिकित्सा व्यय	2,823,163	1,707,081
छात्रावास व्यय	10,401,796	13,350,312
शिक्षण सहयोग कर्मचारी वेतन	2,818,071	2,095,402
आकस्मिकता एवं अन्य व्यय	1,843,576	1,916,075
प्लेसमेंट व्यय	3,018,600	4,080,656
विद्यार्थी गतिविधि	2,128,942	4,044,941
फैकल्टी रिवॉर्ड पॉइंट	13,543,842	15,811,735
एमबीए एनैलिटिक्स प्रवेश/विविध व्यय	2,555,447	-
विद्यार्थी राहत	13,013,000	-
कुल (क)	**83,835,675**	**86,473,238**
एमबीए छात्रवृत्ति		
आवश्यकता-सह-योग्यता आधारित छात्रवृत्ति	10,377,540	6,489,045
अन्य से छात्रवृत्ति (भुगतान किया गया)	22,767,432	10,575,000
कुल (ख)	**33,144,972**	**17,064,045**
कुल क+ख	**116,980,647**	**103,537,283**
अनुसूची 16.2 एमबीए-डब्ल्यूएक्स कार्यक्रम व्यय		
प्रवेश विज्ञापन एवं प्रचार	636,014	655,860
पुस्तकें एवं अध्ययन संसाधन	1,990,522	1,313,278
आतिथ्य भोजन एवं आवास	31,283	303,545
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	1,249,200	1,658,000
किराया	766,549	623,063
विजिटिंग फैकल्टी टीए/डीए व्यय	659,820	1,946,968
परीक्षा व्यय	27,269	1,027,630
परिवहन व्यय	30,588	62,473
वेतन व्यय	-	107,429
सुरक्षा व्यय	3,345,750	3,788,569
कुल	931,921	873,669
कुल	**9,668,916**	**12,360,484**
अनुसूची 16.3 इग्जेक्यूटिव फेलो प्रोग्राम ऑफ मैनेजमेंट (ईएफपीएम)		
प्रवेश व्यय (विज्ञापन एवं प्रवेश)	-	9,450
पुस्तकें एवं अध्ययन संसाधन	-	48,520
भोजन एवं आवास व्यय	-	272,109
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	36,737	51,036
विजिटिंग फैकल्टी यातायात व्यय	-	13,502
आकस्मिकता एवं अन्य	29,500	37,463
कुल	**66,237**	**432,080**

अनुसूची - 16 : शैक्षणिक व्यय (क्रमश:...)

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
अनुसूची 16.4 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स (एमडीपी)		
प्रचार व्यय	-	23,764
राजस्व व्यय	10,773,708	26,581,420
कुल	**10,773,708**	**26,605,184**
अनुसूची 16.5 परामर्श व्यय		
परामर्श व्यय	5,493,998	-
कुल	**5,493,998**	**-**
अनुसूची 16.6 एफपीएम व्यय		
पुस्तकें और सीखने के संसाधन	44,118	86,005
प्रवेश व्यय	751,376	735,149
आकस्मिकताएं/कर्मचारी वेतन व्यय	521,936	22,558
छात्रवृत्ति / वजीफा व्यय	14,412,934	12,483,493
आकस्मिक अनुदान	839,751	624,424
विजिटिंग फैकल्टी व्यय	24,710	38,133
उपकरण अनुदान	250,000	353,000
अकादमिक व्यय	374,342	1,039,599
कुल	**17,219,167**	**15,382,361**
अनुसूची 16.7 अनुसंधान एवं विकास व्यय		
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	43,128	1,300,318
राष्ट्रीय सम्मेलन	-	294,484
क्षमता निर्माण-कर्मचारी	-	39,237
एएसीएसबी प्रत्यायन	2,026,129	1,426,895
आईआरसी	2,950	27,169
एमपीआरसी	257,599	223,455
अन्य पुस्तकालय संसाधन	11,948,657	11,790,181
अनुसंधान एवं विकास व्यय	222,196	518,353
सॉफ्टवेयर लाइसेंस	1,320,820	913,220
वेब रखरखाव	3,696,649	2,894,000
संस्थागत सदस्यता शुल्क	66,767	598,600
प्रकाशन पुरस्कार	3,200,000	2,494,985
सामाजिक गतिविधि (सीएसआर)	-	419,178
एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी)	-	-
आईटी रखरखाव (एएमसी)	1,213,977	723,094
सीपीडीए	734,142	1,191,046
एफडीए	2,759,639	1,415,620
एसडीए	1,278,680	549,524
कुल	**28,771,333**	**26,819,359**
कुल योग (16.1 से 16.7)	**188,974,005**	**185,136,751**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

अनुसूची - 17 : प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
क. आधारभूत संरचना		
विद्युत तथा ऊर्जा एवं ईंधन	7,482,846	14,202,127
बीमा	-	33,218
ख. संचार		
डाक और स्टेशनरी व्यय	20,777	52,757
टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट शुल्क	47,065	46,582
ग. अन्य		
मुद्रण एवं स्टेशनरी	177,179	120,699
यात्रा एवं वाहन व्यय	1,190	72,218
आतिथ्य (आतिथ्य और गेस्ट हाउस व्यय)	487,044	801,482
लेखा परीक्षा शुल्क एवं व्यय	283,536	574,298
सुरक्षा व्यय	5,974,283	5,808,477
जॉइनिंग एवं अन्य टीए/डीए	2,550,955	1,180,556
किराए के आवास का किराया	45,570	301,910
बीओजी व्यय	267,405	1,927,529
सफाई एवं रखरखाव कार्यालय/कार्यालय रखरखाव	10,701,380	7,365,364
कानूनी व्यय	867,579	2,630,035
आधिकारिक कार्य	182,795	541,623
भर्ती व्यय	608,425	5,888,056
अन्य व्यय (प्रोफेशनल एवं विविध व्यय)	791,412	446,516
कर्मचारी कल्याण	111,706	128,984
बागवानी	4,607,526	3,816,907
भविष्य निधि में योगदान	-	-
कुल	**35,208,672**	**45,939,338**

अनुसूची - 18 : परिवहन व्यय

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
परिवहन व्यय	1,722,747	1,377,678
कुल	**1,722,747**	**1,377,678**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

अनुसूची - 19 : मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
क) भवन	7,638,828	4,748,678
ख) कार्यालय उपकरण	1,876,395	3,821,416
ग) फर्नीचर एवं अन्य	478,784	28,618
कुल	**9,994,007**	**8,598,712**

अनुसूची - 20 : वित्त लागत

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
क) बैंक प्रभार	42,900	33,541
ख) अन्य (एनपीएस रखरखाव व्यय)	-	8,441
कुल	**42,900**	**41,982**

अनुसूची - 21 : अन्य व्यय

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
क) अशोध्य और संदिग्ध ऋण/अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूची - 22 : पूर्वावधि व्यय

(राशि रु. में)

विवरण	2020-21	2019-20
क) शैक्षणिक व्यय	8,902,035	4,380,423
ख) प्रशासनिक व्यय	2,473,381	123,038
ग) अन्य व्यय	240,000	-
कुल	**11,615,416**	**4,503,461**

(डॉ. मधुकर गोयल)
ए.ओ. (लेखा)
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)

(सुधीर चंद्रा)
कंसल्टंट (वित्त)

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

वर्ष 2020-21 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. खातों को तैयार करने का आधार

लेखा को परंपरागत लागत परिपाटी के तहत तैयार किया जाता है, जब तक कि इसका उल्लेख न किया गया हो तथा आम तौर पर लेखांकन की प्रोद्भवन पद्धति पर।

2. राजस्व मान्यता

2.1 विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों से शुल्क, एमडीपी शुल्क, बचत बैंक खातों पर ब्याज सहित अन्य आय एवं प्रपत्रों की बिक्री आदि को प्रोद्भवन के आधार पर लेखा किया जाता है, सिवाय कैट शेयर से आय को छोड़कर जो वास्तविक प्राप्ति के आधार पर दिखाया जाता है।

2.2 निवेश पर ब्याज (एफडी) का हिसाब भी केवल प्रोद्भवन के आधार पर होता है।

3. स्थिर परिसंपत्तियां एवं मूल्यह्रास

3.1 स्थिर परिसंपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर उल्लेख किया जाता है, जिसमें आवक भाड़ा, शुल्क, कर, आकस्मिक, स्थापना और प्रारंभ से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च शामिल हैं।

3.2 स्थिर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन लागत से संचित मूल्यह्रास को घटाकर किया जाता है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति पर निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया जाता है:

मूर्त परिसंपत्तियां

1.	चहारदीवारी	2%
2.	कार्यालय उपकरण	7.5 %
3.	कंप्यूटर एवं सहायक सामग्री	20%
4.	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.5%
5.	वाहन	10%
6.	पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10%
7.	कम मूल्य की परिसंपत्ति	100%

अमूर्त संपत्ति (परिशोधन)

1.	वेब डेवलपमेंट/ई-जर्नल	40%

3.3 वर्ष के दौरान प्रारंभिक मूल्य के साथ-साथ परिवर्धन पर, पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

3.4 परिसंपत्ति, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तिगत मूल्य रु. 2,000/- या उससे कम (पुस्तकालय पुस्तकों को छोड़कर) को लघु मूल्य की संपत्ति के रूप में माना जाता है, उनके अधिग्रहण के समय ऐसी संपत्ति के संबंध में 100% मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। हालांकि भौतिक लेखांकन और नियंत्रण ऐसी संपत्ति के धारकों द्वारा जारी रखा जाता है।

4. अमूर्त संपत्तियां

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (वेब डेवलपमेंट सहित) और ई-पत्रिकाओं को अमूर्त संपत्ति के अंतर्गत समूहीकृत किया जाता है।

5. स्टॉक्स

स्टेशनरी/मुद्रण सामग्री की खरीद पर व्यय और कुछ विद्युत अनुरक्षण मदों को राजस्व व्यय के रूप में लेखा किया जाता है और 31 मार्च को स्टॉक्स में इन मदों के शेष को खरीद मूल्य पर मूल्यांकित स्टॉक के रूप में माना जाता है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

सेवानिवृत्ति लाभ यानी ग्रेच्युटी एवं अवकाश नकदीकरण हर साल समूह ग्रेच्युटी योजना के माध्यम से योगदान के आधार पर प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही एलआईसी (फंड मैनेजर के रूप में) के माध्यम से स्वतंत्र निधि का गठन करके अवकाश नकदीकरण योजना स्थापित की जाती है जो ग्रेच्युटी तथा सभी नियमित की अवकाश नकदीकरण की इन देनदारियों का प्रबंधन करती है। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ जैसे नई पेंशन योजना में योगदान का हिसाब प्रोद्भवन के आधार पर किया जाता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

वर्ष 2020-21 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां (क्रमश:...)

7. निवेश

लंबी अवधि के निवेश उनके बही मूल्य पर किए जाते हैं।

8. चिन्हित / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि

इन निधियों को विशिष्ट उद्देश्यों के लिए निर्धारित किया जाता है। इनमें से कुछ फंड डेप्रिसिएशन फंड, ग्रेच्युटी फंड, लीव एनकैशमेंट फंड, एमडीपी डेवलपमेंट फंड, एलुमनी फंड और स्टाफ डेवलपमेंट फंड हैं। इन निधियों के संचय को अलग और सुरक्षित रखने के लिए, संस्थान ने इन संचयों को बैंकों के पास सावधि जमा में रखा है। संबंधित निधि में शेष राशि को आगे बढ़ाया जाता है और तुलन पत्र के देयता पक्ष में दर्शाया जाता है जबकि संबंधित निधि के निवेश को तुलन-पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में दिखाया जाता है।

9. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों का लेखांकन वसूली के आधार पर किया जाता है। हालांकि, जहां वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होती है और अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, ऐसे अनुदान का प्रोद्भवन के आधार पर लेखांकन किया जाता है और एक समान राशि को अनुदानकर्ता से वसूली योग्य के रूप में दर्शाया जाता है ।

पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग की गई सीमा तक, (प्रोद्भवन के आधार पर) सरकारी अनुदानों को पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दिया जाता है। अप्रयुक्त अनुदान (ऐसे अनुदानों से भुगतान किए गए अग्रिमों सहित) को आगे बढ़ाया जाना है और तुलन पत्र में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। इसके अलावा संस्थान को एमएचआरडी से चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोई योजना/राजस्व अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है।

10. चिह्नित राशि का निवेश और ऐसे निवेशों पर अर्जित ब्याज आय

वर्ष के प्रावधान के रूप में वित्तीय वर्ष के अंत में जोड़े गए व्यय या राशि के लिए तत्काल आवश्यक सीमा तक, ऐसी निधियों के प्रति उपलब्ध राशि को बैंकों के साथ सावधि जमा में निवेश किया जाता है, शेष बचत बैंक खातों में छोड़ दिया जाता है (जहां लागू हो) . प्राप्त ब्याज, उपार्जित ब्याज तथा देय और ब्याज उपार्जित लेकिन ऐसे निवेशों पर देय नहीं है, संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है और संस्थान की आय के रूप में नहीं माना जाता है।

11. प्रायोजित परियोजनाएं

11.1 जारी प्रायोजित परियोजनाओं (परामर्श, एमडीपी एवं शोध) के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को "वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान" समूह में क्रेडिट किया जाता है। जब कोई भी व्यय किया जाता है / ऐसी परियोजनाओं के लिए अग्रिम का भुगतान किया जाता है, या संबंधित परियोजना खाते को आवंटित ओवरहेड शुल्क के साथ डेबिट किया जाता है, तो देयता खाते को डेबिट किया जाता है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर उसी की प्राप्तियों और व्यय को उस वर्ष के आय एवं व्यय खातों में स्थानांतरित कर दिया जाता है जिसमें ये बंद होते हैं।

11.2 प्रायोजित छात्रवृत्ति के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि "छात्रवृत्ति अन्य प्राप्तियों" में जमा की जाती है और विद्यार्थियों को इसके भुगतान पर इसे "छात्रवृत्ति अन्य भुगतान खाते" में डेबिट कर दिया जाता है।

12. आय कर

संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10 (23ग) के तहत आयकर से मुक्त है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल) ए.ओ. (लेखा) एफए-सह-सीएओ (आई/सी)	**(सुधीर चंद्रा)** कंसल्टंट (वित्त)	**(प्रो. कुलभूषण बलूनी)** निदेशक	**(सीए. दीपांशु अग्रवाल)** साझेदार एम. नं. : 410844

भारतीय प्रबंध संस्थान - काशीपुर

वर्ष 2020-21 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 24 : आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां

1. आकस्मिक देयताएं

31.03.2021 को संस्था के खिलाफ पूर्व/वर्तमान कर्मचारियों, विद्यार्थियों, किरायेदारों, ठेकेदारों और ठेकेदारों के साथ मध्यस्थता के मामले, फैसले के लिए लंबित थे। दावों की मात्रा निश्चित नहीं है।

2. पूंजीगत प्रतिबद्धताएं

नए कैंपस को विकसित करने के लिए पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंधों का मूल्य प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि इन्हें बिलों के माध्यम से निष्पादित कार्य की प्रस्तुति पर ही बुक किया जाएगा।

3. स्थिर परिसंपत्तियां

अनुसूची 4 में स्थिर परिसंपत्तियां में वर्ष में वृद्धि एमएचआरडी से शेष योजना निधि और वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा उत्पन्न अधिशेष से क्रय की जाती है। परिसंपत्तियों को भवन/सामान्य परिसंपत्ति निधि में जमा करके स्थापित किया गया है।

4. पेटेंट

संस्थान से संबंधित कोई पेटेंट नहीं है।

5. जमा देयताएं

बयाना राशि जमा एवं प्रतिभूति जमा के रूप में बकाया राशि को रु. 111.81 लाख की वर्तमान देनदारियों एवं प्रावधानों में दर्शाया गया है।

6. विदेशी मुद्रा में व्यय

क.	यात्रा	कोई नहीं
ख.	रसायन आदि के आयात के लिए विदेशी मसौदा	कोई नहीं
ग.	अन्य	रु. 3,33,46,322/-

7. चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम एवं जमा

संस्थान की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों, अग्रिमों एवं जमाराशियों का मूल्य सामान्य पाठ्यक्रम में वसूली पर होता है, जो कम से कम तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होता है।

8. जहां कहीं आवश्यक हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनर्समूहित किया गया है।

9. अंतिम लेखा के आंकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

10. अनुसूची 1 से 24 संलग्न हैं और 31 मार्च 2021 को तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा हैं।

11. नई पेंशन योजना में योगदान (1,16,91,358/- रुपये) को एनपीएस खाते में स्थानांतरित कर दिया गया है।

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल)	**(सुधीर चंद्रा)**	**(प्रो. कुलभूषण बलूनी)**	**(सीए. दीपांशु अग्रवाल)**
ए.ओ. (लेखा)	कंसल्टंट (वित्त)	निदेशक	साझेदार
एफए-सह-सीएओ (आई/सी)			एम. नं. : 410844

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर
कुंडेश्वरी, काशीपुर, जिला - उधम सिंह नगर
उत्तराखंड - 244713, भारत
www.iimkashipur.ac.in

cygnusadvertising.in